YouTube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स
सिर्फ सच

❒ वर्ष-15 ❒ अंक-150 ❒ मंगलवार, 30 जून 2026 ❒ नगर संस्करण ❒ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❒ मूल्य- ₹ 3.00 ❒ पृष्ठ-12

'विकसित भारत- जी राम जी' योजना के लिए 95,682 करोड़ रुपये की अंतरिम स्वीकृति दी जा चुकी है। सभी राज्य समय पर अपनी औपचारिकताएं पूरी करें ताकि योजना का सुचारू क्रियान्वयन हो सके। शिवराज सिंह चौहान

'आयुष्मान सारथी' व्हाट्सऐप चैटबॉट की लॉन्चिंग 11

अकाल तख्त से जत्थेदार का आदेश, एक माह में संशोधित करें बेअदबी कानून 12

संक्षेप

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में खरगे को मान्यता

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को राज्यसभा के लिए पुनर्निर्वाचित होने के बाद सोमवार को उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता प्रदान की गई। खरगे 25 जून तक राज्यसभा के सदस्य थे और उनके पुनर्निर्वाचित होने के बाद उच्च सदन के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने उन्हें 26 जून से राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता प्रदान की। उन्होंने सोमवार को राज्यसभा के सभापति के कक्ष में शपथ ग्रहण की। राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी ने एक बुलेटिन में कहा, ''राज्यसभा के लिए खरगे के पुनर्निर्वाचित होने पर, 26 जून, 2026 से प्रभावी रूप से राज्यसभा के सभापति ने संसद में विपक्ष के नेताओं के वेतन और भत्ते अधिनियम, 1977 की धारा-2 के प्रावधानों तथा उक्त अधिनियम के सभी उद्देश्यों के लिए राज्यसभा के सदस्य और कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को 26 जून, 2026 से नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता प्रदान की।

दो जुलाई से यूपीआई के जरिये निकाल सकेंगे पीएफ राशि

नई दिल्ली। उम्मीद है कि दो जुलाई से यूपीआई के जरिए सदस्यों को पीएफ खाते का पैसा निकासी की सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) नए सॉफ्टवेयर सिस्टम को अपडेट कर रहा है, जिसका काम बीते चार दिनों से जारी है। इस कारण से ईपीएफओ की मुख्य वेबसाइट बंद है। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक 30 जून या एक जुलाई तक वेबसाइट नए सिस्टम के तहत पूरी तरह से अपडेट हो जाएगी। अगर तकनीकी कारणों के चलते कोई दिक्कत आती है तो यूपीआई से पीएफ राशि निकालने की सुविधा को पांच जुलाई तक हर साल में सेवा को शुरू कर दिया जाएगा। शुरुआत में पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी जाएगी, जिससे कि किसी भी तकनीकी संबंधी परेशानी का तत्काल पता लगाकर उसे दूर किया जा सके।

अमेरिका और ईरान फिलहाल तनाव कम करने पर सहमत

वाशिंगटन/तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच हालिया सैन्य हमलों के बाद दोनों पक्षों ने फिलहाल तनाव कम करने पर सहमति जतायी है। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि दोनों पक्ष ''फिलहाल पीछे हटेंगे'' और होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही जारी रहेगी। इस संबंध में ईरान की ओर से अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गयी है। सीएनएन के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच एक अंतरिम व्यवस्था लागू है और जहाजों की आवाजाही में बाधा नहीं आएगी। होर्मुज में वास्तविक स्थिति अभी भी सामान्य नहीं दिख रही है, जिससे वाणिज्यिक जहाजों के संचालकों और चालक दल के बीच अनिश्चितता और सुरक्षा संबंधी चिंताएं बनी हुई हैं।

साइकिल चलेगी तो दंगे होंगे, इसलिए जनता ने पंचर कर दी : सीएम योगी

'बबुआ' पर तंजः 12 बजे उठने वालों को गरीबों का दर्द नहीं दिखता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। पीलीभीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के पतरासा कुंवरपुर गांव में 569.11 करोड़ रुपये की 66 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने करीब ढाई हजार विस्थापित परिवारों को भूमि अधिकार पत्र सौंपे। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर जमकर निशाना साधा। कहा कि सपा और कांग्रेस को सिर्फ मुसलमानों की चिंता है। उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यूपी की जनता ने साइकिल पंचर कर दी। अगर साइकिल चलेगी तो दंगे होंगे। कर्फ्यू लगेगा। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में 'नो दंगा, नो कर्फ्यू, सब चंगा' का माहौल है।

मुख्यमंत्री ने सपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दलों ने वर्षों तक शासन किया, लेकिन बांग्लादेश से आए प्रताड़ित हिंदू परिवारों, गरीबों, दलितों और वंचितों की चिंता कभी नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों की राजनीति केवल तुष्टिकरण तक सीमित रही, जबकि भाजपा सरकार सभी वर्गों के लिए काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का विभाजन दुर्भाग्यपूर्ण था और उसी का परिणाम है कि हजारों परिवारों को अपना घर छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और बाद में बांग्लादेश में प्रताड़ना झेलने वाले हिंदू

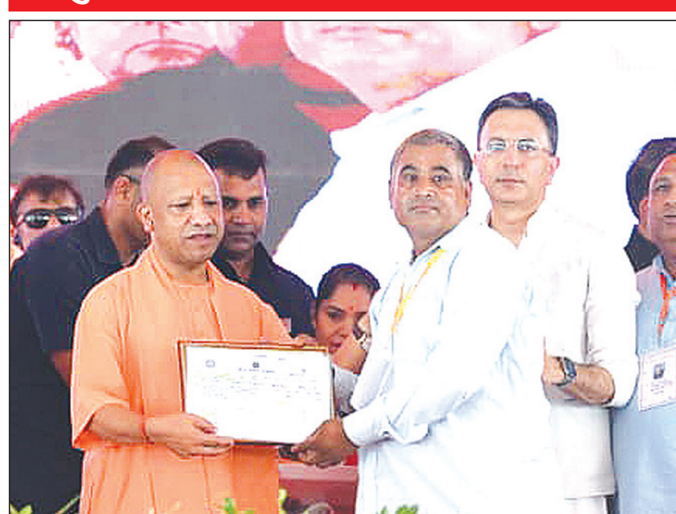

परिवारों को अब भारत में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार मिला है। उन्होंने कहा कि नागरिकता संशोधन के माध्यम से इन परिवारों को न्याय मिला है।

मुख्यमंत्री ने बिना नाम लिए समाजवादी पार्टी के नेता पर तंज कसते हुए कहा कि जिन्हें समय पर उठने की आदत नहीं, जो दोपहर 12 बजे उठते हैं और शाम को जिम चले जाते हैं, उन्हें गरीबों की पीड़ा समझ में नहीं आती। उन्होंने कहा कि गरीबों और वंचितों की चिंता केवल भाजपा सरकार ने की है। भाजपा ने गरीबों की पीड़ा को संवेदना को जोड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले की सरकारों ने केवल एक परिवार और एक क्षेत्र के विकास पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि यदि समाजवादी पार्टी ने वास्तव में पूरे प्रदेश के विकास पर काम किया होता तो पीलीभीत में पहले ही मेडिकल कॉलेज, बेहतर सड़कें, पर्यटन सुविधाएं और गरीबों को भूमि अधिकार मिल गए होते। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पूरे प्रदेश के संतुलित विकास के लिए काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीलीभीत अब विकास की नई पहचान बन रहा है। मेडिकल कॉलेज, सड़क चौड़ीकरण, पर्यटन, जैव विविधता संरक्षण, युवाओं के लिए कौशल विकास और गरीबों को नागरिकता व भूमि अधिकार जैसी योजनाओं ने जिले को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के प्रयास से केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ तेजी से जिले तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गंगा एक्सप्रेसवे जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं विकास की नई ● शेष पेज 11 पर

'कांग्रेस और सपा ने केवल तुष्टिकरण की राजनीति की'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विभाजन के बाद इन दलों ने हिंदू, सिख, जैन और अन्य प्रताड़ित समुदायों की चिंता नहीं की, बल्कि केवल मुसलमानों की राजनीति करते रहे। मुसलमानों की चिंता करते रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार किसी धर्म या जाति के आधार पर नहीं, बल्कि गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नागरिकता और भूमि अधिकार जैसी योजनाओं का लाभ उन लोगों तक पहुंचाया जा रहा है, जिन्हें दशकों तक उनके अधिकारों से वंचित रखा गया।

कक्षा 9 से अनिवार्य होगी तीसरी भाषा

❒ सीबीएसई ने तीन भाषा नीति लागू करने के लिए जारी किए दिशा-निर्देश, मौजूदा 10वीं के छात्रों पर नहीं होगा असर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप शैक्षणिक सत्र 2026-27 से संबद्ध स्कूलों में तीन-भाषा नीति लागू करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र में कक्षा 10 के विद्यार्थियों पर नई व्यवस्था लागू नहीं होगी और वे पहले की तरह केवल दो भाषाओं के साथ अपनी बोर्ड परीक्षा देंगे।

सीबीएसई के अनुसार, कक्षा 9 (2026-27) में प्रवेश लेने वाले सभी विद्यार्थियों को तीन भाषाओं का अध्ययन करना होगा, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं अनिवार्य होंगी। यदि कोई छात्र पहले से एक भारतीय भाषा और एक विदेशी भाषा पढ़ रहा है तो उसे तीसरी भाषा के रूप में भारतीय भाषा चुननी होगी। पहले से दो विदेशी भाषाएं पढ़ रहे छात्रों को एक बार की विशेष छूट के तहत उन दोनों भाषाओं के साथ एक अतिरिक्त भारतीय भाषा जोड़ने की अनुमति दी गई है।

बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि वर्तमान में कक्षा 7, 8 और 9 में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए तीसरी भाषा का मूल्यांकन केवल स्कूल स्तर पर आंतरिक आकलन के माध्यम से होगा। जब ये विद्यार्थी कक्षा 10 में पहुंचेंगे, तब तीसरी भाषा की कोई सीबीएसई बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। हालांकि, वर्तमान कक्षा 6 (2026-27) तथा इसके बाद के बैचों के लिए तीन-भाषा नीति पूरी तरह लागू होगी। इन विद्यार्थियों को कक्षा 10 में तीसरी भाषा की

बोर्ड परीक्षा भी देनी होगी। इसके लिए एनसीईआरटी 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं में उपयुक्त पाठ्य सामग्री उपलब्ध करा रहा है। सीबीएसई ने बच्चों के हितों को ध्यान में रखते हुए विशेष श्रेणियों के लिए छूट भी प्रदान की है। दिव्यांग विद्यार्थियों, भारत के बाहर स्थित सीबीएसई स्कूलों तथा विदेश से भारत लौटने वाले विदेशी छात्रों को तीसरी भारतीय भाषा की अनिवार्यता से छूट दी गई है। इसके अलावा, यदि अभिभावकों का दूसरे राज्य में स्थानांतरण होता है तो विद्यार्थी पहले से चुने गए भाषा संयोजन को जारी रख सकेंगे। बोर्ड ने स्कूलों को आवश्यक शिक्षक उपलब्ध कराने के लिए लचीली व्यवस्था अपनाने की सलाह दी है, जिसमें कार्यात्मक दक्षता वाले मौजूदा शिक्षक, सेवानिवृत्त शिक्षक, स्नातकोत्तर अभ्यर्थी, सहोदय स्कूल समूहों के माध्यम से शिक्षक साझा करना तथा वर्चुअल या हाइब्रिड शिक्षण का विकल्प शामिल है। बोर्ड ने कहा कि इन दिशा-निर्देशों का उद्देश्य एनईपी-2020 के अनुरूप बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देना है और यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी विद्यार्थी का शैक्षणिक हित प्रभावित न हो।

'ऐसे आयोजनों पर ध्यान तक नहीं देते'

❒ भारत-पाक संबंधों पर ट्रैक-2 संवाद को लेकर विक्रम मिसरी की दो टूक

❒ ट्रैक 2 संवाद में शामिल लोग नहीं रख सकते भारत का पक्ष- विदेश सचिव

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सोमवार को कहा कि भारत-पाकिस्तान संबंधों पर विदेशों में आयोजित ट्रैक-2 संवाद से सरकार का कोई संबंध नहीं है। विक्रम मिसरी ने स्पष्ट किया कि संवाद में हिस्सा लेने वाले सेवानिवृत्त राजनयिकों, सैन्य अधिकारियों या अन्य लोगों की यह निजी भागीदारी है। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे आयोजनों का संज्ञान तक नहीं लेती है।

सेशेल्स की राजधानी विक्टोरिया में मीडिया से बातचीत के दौरान मिसरी ने यह टिप्पणी उन खबरों के संदर्भ में की, जिनमें कहा गया था कि पिछले सप्ताह कोलंबो में आयोजित एक क्षेत्रीय सुरक्षा सम्मेलन के दौरान भारत और पाकिस्तान के विशेषज्ञों ने ट्रैक-2 वार्ता में हिस्सा लिया। इन प्रतिभागियों में सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी, राजनयिक और राजनेता शामिल बताए गए थे। विदेश सचिव ने कहा, ''दुनिया भर में अलग-अलग विषयों पर इस तरह के दर्जनों

कार्यक्रम विभिन्न स्थानों पर आयोजित होते हैं। इनमें कुछ भी नया या विशेष नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''जहां तक हमारा सवाल है, ये निजी पक्षों द्वारा आयोजित निजी कार्यक्रम हैं। इनमें कुछ भी आधिकारिक नहीं है। उन्होंने ● शेष पेज 11 पर

जुलाई के बिजली बिल में उपभोक्ताओं को बड़ी राहत, 4.43 प्रतिशत कम आएगा

❒ नियामक आयोग की सख्ती का दिखा असर, जून में हुई थी 10 प्रतिशत की अतिरिक्त वसूली

❒ अप्रैल में ईंधन, ऊर्जा और ट्रांसमिशन पर हुए वास्तविक खर्च के एवज में हुई गणना का असर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। जुलाई के महीने में उपभोक्ताओं को बिजली बिल में सबसे बड़ी राहत मिलने जा रही है। उपभोक्ताओं को उनके बिजली बिल में 4.43 फीसदी कम भुगतान करना होगा। ईंधन अधिभार शुल्क की गणना के लिए बीते दिनों नियामक आयोग द्वारा जारी आदेश का असर जुलाई के बिजली बिल में दिखाई देगा।

बीते साल अप्रैल से हर महीने उपभोक्ताओं पर ईंधन अधिभार शुल्क लगाया जा रहा है। दर पॉजिटिव होने पर उपभोक्ताओं को बिल पर अतिरिक्त भुगतान करना पड़ता है जबकि नेगेटिव होने पर उतने प्रतिशत कम भुगतान करना पड़ता है। इसी फॉर्म्युले के तहत इस साल मार्च में हुए खर्च की गणना करते हुए जून के बिजली बिल में उपभोक्ताओं से 10 प्रतिशत की वसूली की गई थी। इस गणना पर सवाल उठने के बाद पावर कॉरपोरेशन

ने स्वीकार किया था कि उसने मार्च में पुराना बकाया भुगतान भी किया था, जिसकी रकम जोड़कर अधिभार शुल्क की गणना की गई थी।

नियामक आयोग ने पावर कॉरपोरेशन से इस मसले पर जवाब तलब किया था, तब उसने यह भी बताया कि बीते 14 महीनों में वह बकाया भुगतान की रकम को जोड़ते हुए ही अधिभार शुल्क की गणना कर रहा है। इस पर नियामक आयोग ने सख्ती दिखाते हुए आदेश दिए थे कि ईंधन अधिभार शुल्क की गणना महीने में हुए वास्तविक ईंधन, ऊर्जा खरीद और ट्रांसमिशन पर खर्च के एवज में की जाए। आयोग ने पुराना बकाया भुगतान को अधिभार शुल्क में जोड़ने को गलत बताया था। आयोग के आदेश के बाद जुलाई में वसूली जाने वाली रकम की गणना की गई तो अधिभार शुल्क की दरें नेगेटिव आई हैं। यह शुल्क अप्रैल महीने में हुए खर्च के एवज में लिया जाएगा। राज्य भर के उपभोक्ताओं को कुल 358.31 करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा। इससे पहले अब तक सबसे बड़ी राहत उपभोक्ताओं को मार्च 2026 के बिजली बिल में मिली थी। तब बिल में 2.42 प्रतिशत की कमी हुई थी। उपभोक्ता परिषद राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष ● शेष पेज 11 पर

पश्चिम बंगाल विधानसभा ने ओबीसी आरक्षण का ढांचा बदला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा ने सोमवार को राज्य के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण ढांचे को संशोधित और पुनर्गठित करने के लिए दो महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए हैं, जिनका मकसद राज्य में पिछड़ा वर्ग आयोग की शक्तियों को मजबूत करना है।

गौरतलब है कि ये दो विधेयक - 'पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अलावा) सेवाओं और पदों में रिक्तियों का आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2026' और 'पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग (संशोधन) विधेयक, 2026' - विधानसभा में पेश किए गए और मत विभाजन के बाद पारित किये गये।

पहला विधेयक तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार के ओबीसी आरक्षण से जुड़े 2012 के कानून में संशोधन करता है, जबकि दूसरा विधेयक पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग से जुड़े 1993 के कानून में बदलाव करता है। पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री गौरी शंकर घोष ने सदन में विधेयक पेश ● शेष पेज 11 पर

अफगानिस्तान पर पाकिस्तान का हमला, 36 की मौत

❒ हमले में 160 से अधिक लोग घायल हो गए

एजेंसी

काबुल। पाकिस्तानी सेना ने रविवार रात अफगानिस्तान पर हवाई हमला कर दिया। इस हमले में 36 नागरिकों की मौत हो गई और 160 से अधिक घायल हैं। अफगानिस्तान के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने कहा कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने रविवार देर रात अफगानिस्तान सीमा पर जमीनी कार्रवाई की और आतंकवादियों के ठिकानों पर हमले किए, जिनमें 29 आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तान का कहना है कि यह कार्रवाई देश में हाल में हुए आतंकी हमलों के जवाब में की गई। वहीं, अफगानिस्तान ने इन हमलों की कड़ी निंदा की और इन्हें कायरतापूर्ण आक्रामकता और बर्बरता का कृत्य बताया। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के उप-प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने पक्तिया प्रांत के चमकनी जिले में एक घर को निशाना बनाया, जिसमें एक बुजुर्ग और एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि परिवार के अन्य सदस्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि जब ग्रामीण घायलों को बचाने के लिए वहां पहुंचे तो उसी क्षेत्र पर दोबारा हमला किया गया, जिसमें 28 ग्रामीणों की मौत हो गई और 158 लोग घायल हो गए। फितरत के अनुसार पक्तिका प्रांत के गियान जिले के एक गांव में एक अन्य घर पर किए गए हमले में छह लोगों की मौत हो गई। इनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे। कुनार प्रांत में एक आम आदमी के घर पर भी हमला हुआ। इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ।

हाल के वर्षों में पाकिस्तान में पुलिस और सुरक्षा बलों पर आतंकी हमलों में काफी वृद्धि हुई है। पाक इन हमलों के लिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और उससे जुड़े ● शेष पेज 11 पर

चढ़ावे में निगरानी में लापरवाही से ट्रस्ट पदाधिकारियों पर भी सवाल

हेराफ़ेरी की जांच में बढ़ेगी बड़ों की भी मुश्किलें

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राम मंदिर के चढ़ावे में हेराफ़ेरी के मामले में आठ आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद बड़ों की भी मुश्किलें जल्द बढ़ सकती हैं। एसआईटी की जांच में चढ़ावा निकालने और उसकी गिनती की मानीटरिंग में कई स्तर पर लापरवाही सामने आई है। एसआईटी के दूसरे चरण की जांच में अब कर्मचारियों की भूमिका के साथ ही श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ ही स्टेट बैंक के अधिकारियों व कर्मियों की भूमिका भी परखी जाएगी।

पुलिस ने मामले में गिरफ्तार आरोपितों के ठिकानों पर रविवार को छापेमारी के दौरान कई दस्तावेज भी बरामद किए थे। सूत्रों के अनुसार, इनमें बेनामी संपत्तियों से जुड़े कई संदिग्ध दस्तावेज भी मिले हैं। आरोपितों ने चढ़ावे की रकम को अपने करीबी व रिश्तेदारों के नाम संपत्तियां जुटाने में भी खपाया है। हालांकि पुलिस पहले इन संपत्तियों को चिन्हित करने का प्रयास कर

रही है। मंडलायुक्त लखनऊ विजय विश्वास पंत की अगुवाई में जांच कर रही एसआईटी ने आरोपितों से की गई पूछताछ के आधार पर आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के कुछ करीबियों के बारे में भी जानकारी जुटानी शुरू की गई है। मंदिर ट्रस्ट व स्टेट बैंक के बीच हुए एमओयू के बाद चढ़ावे की रकम निकालने, गिनने व उसे बैंक में जमा कराने की प्रक्रिया में शामिल रहे कर्मचारियों से पूछताछ में निर्धारित एसओपी का पूरी तरह पालन न किए जाने के तथ्य भी सामने आए थे। एसआईटी ने इसी आधार पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में सुरक्षा में बदलाव की सिफारिश भी की है।

एसआईटी ट्रस्ट के पदाधिकारियों से भी जल्द पूछताछ की तैयारी में है। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियों को भी सिलसिलेवार देखा जा रहा है। एसआईटी अब तक गिरफ्तार आठ आरोपितों को पुलिस कस्टडी रिमांड पर भी ले सकती है। हालांकि इससे पहले छापेमारी में बरामद दस्तावेजों की छानबीन पूरी की जाएगी। चढ़ावे में हेराफ़ेरी का मामला तूल पकड़ने के बाद मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय व सदस्य डा. अनिल मिश्रा ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। एसआईटी इन दोनों के बयान भी जल्द दर्ज कर सकती है।

8 आरोपितों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

❒ आरोपियों की अयोध्या बार के वकील नहीं करेंगे पैरवी

अयोध्या। श्री राम मंदिर दान प्रकरण में सोमवार को सभी 8 आरोपितों को कोर्ट में वर्चुअल पेशी कराई गई। पुलिस ने किसी भी आरोपित की रिमांड नहीं मांगी। कोर्ट ने सभी आरोपितों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।13 जुलाई को अगली सुनवाई होगी। तब तक आरोपी जेल में ही रहेंगे। वहीं अयोध्या बार में वकीलों की बैठक में तय किया गया है कि कोई भी अधिवक्ता इन सभी आरोपितों का केस नहीं लड़ेगा। बार एसोसिएशन कार्यकारिणी की विशेष बैठक में सोमवार को सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बार से जुड़ा कोई भी अधिवक्ता इस मामले में आरोपियों की ओर से न्यायालय में पैरवी नहीं करेगा। साथ ही अभियोजन पक्ष को मजबूत बनाने के लिए अधिवक्ताओं की एक विशेष टीम गठित करने का भी फैसला लिया गया। कचहरी परिसर स्थित बार एसोसिएशन सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए बार एसोसिएशन अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्र ने कहा कि यदि कोई अधिवक्ता संघ के निर्णय के विपरीत जाकर आरोपियों की पैरवी करता है, तो उस पर पांच लाख रुपये का आर्थिक दंड लगाया जाएगा। निर्धारित राशि जमा न करने की स्थिति में संबंधित अधिवक्ता की बार एसोसिएशन की सदस्यता समाप्त कर दी जाएगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि मामले में अभियोजन पक्ष की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने के लिए बार एसोसिएशन ● शेष पेज 11 पर

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जल्द सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या में राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच के अनुरोध वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से सोमवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायाधीश शील नागू की पीठ ने कहा कि इस मामले को ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। पीठ ने मौखिक टिप्पणी की, 'आसमान नहीं टूट पड़ेगा... इतनी क्या जल्दी है।' अधिवक्ता अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि सीबीआई के नेतृत्व वाले एक विशेष जांच दल (एसआईटी) को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ● शेष पेज 11 पर

'राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन' में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, लखपति दीदी डेस्कबोर्ड' का किया शुभारम्भ

❒ लोगो डिज़ाइन प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के अभय गुप्ता एवं सुश्री झील गौतम का सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन' में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विशेष रूप से प्रतिभाग किया। इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम के भव्य शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ विकास योजनाओं से संबंधित एक महत्वपूर्ण पुस्तिका का विमोचन से किया। सम्मेलन का आयोजन ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नवाचार, जनभागीदारी, सुशासन तथा सतत विकास के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय ग्राम्य विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने की। इस अवसर पर 'लखपति दीदी डेस्कबोर्ड' का शुभारम्भ भी किया गया। यह डेस्कबोर्ड स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की प्रगति की निगरानी, उनकी आय में वृद्धि, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा वास्तविक समय में उपलब्ध आंकड़ों के माध्यम से बेहतर योजना निर्माण एवं नीति निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सतत आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ग्रामीण विकास को नई गति मिली है। सरकार का उद्देश्य केवल आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करना ही नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं, युवाओं और किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना भी है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्रदान की है और 'लखपति दीदी' अभियान महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बनकर उभर रहा है।

उत्तर प्रदेश के युवाओं का बढ़ा मान

सम्मेलन का मुख्य आकर्षण विभिन्न डिजिटल प्रतियोगिताओं के विजेताओं का सम्मान समारोह रहा। 'माई जीओवी' (ख्रभक्क्षफ) पोर्टल पर आयोजित 'लोगो डिज़ाइन प्रतियोगिता' तथा 'माई भारत' पोर्टल के माध्यम से आयोजित विभिन्न रील्स और क्विज़ प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। विशेष रूप से '60 सेकंड फॉर माई विलेज' (60 ट्टद्ददध्द्वदप द्धथ्न ख्रभ ठ्ठद्यद्यद्यथद्दद्ध) नेशनल रील और वीडियो चैलेंज कम्पटीशन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के गौरवशाली युवाओं अभय गुप्ता जी एवं सुश्री झील गौतम को उनकी उत्कृष्ट रचनात्मकता और ग्रामीण विकास के प्रति उनके दृष्टिकोण के लिए केंद्रीय मंत्री एवं उप मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों, नीति-निर्माताओं, विशेषज्ञों एवं ग्रामीण विकास से जुड़े अनेक हितधारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं, नवाचारों तथा सफल मॉडलों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा राज्यों के बीच श्रेष्ठ अनुभवों के आदान-प्रदान पर बल दिया गया। ग्रामीण विकास से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी, नीति निर्माता और देश भर के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तहसीलदार रोशनी सोलंकी ने दिलाया तुरंत न्याय, ट्रैक्टर से तुड़वाया अवैध मेड़

❒ कोसफ़रा में 1 हेक्टेयर जमीन पर था कब्जा, घंटों में निस्तारित हुआ वर्षों पुराना विवाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव, प्रयागराज। तहसील कोरांव में तहसीलदार रोशनी सोलंकी की तत्परता से एक गरीब किसान को वर्षों बाद न्याय मिला है। सोमवार को कोसफ़रा गांव निवासी फूलचंद्र पुत्र राज नारायण ने तहसील में जनसुनवाई के दौरान अपनी पैतृक भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत दर्ज कराई थी।

फूलचंद्र ने बताया कि आराजी संख्या 1133, रकवा 1.0060 हेक्टेयर में उनका 1/3 हिस्सा है। गांव के ही एक व्यक्ति ने धोखे से उनके हिस्से की भूमि को अपने खेत में मिलाकर जोत लिया और मेडबंदी कर दी। पीड़ित जब भी अपनी जमीन पर कब्जा लेने जाता, विपक्षी एकजुट होकर मारपीट व झगड़े पर उतारू हो जाते थे। शिकायत को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार रोशनी सोलंकी तत्काल राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। लेखपाल राघवेंद्र यादव व अन्य राजस्व कर्मियों की मौजूदगी में स्थलीय निरीक्षण व पैमाइश कराई गई। जांच में फूलचंद्र की शिकायत सही पाई गई। तहसीलदार के निर्देश पर मौके पर ही ट्रैक्टर मंगवाकर अवैध रूप से बनाए गए मेड को नष्ट कराया गया। इसके बाद राजस्व टीम ने शिकायतकर्ता फूलचंद्र को उसकी भूमि की सीमांकन कराकर कब्जा दिलाया। चंद घंटों में वर्षों पुराना विवाद निस्तारित होने पर फूलचंद्र की आंखें भर आईं। उन्होंने तहसीलदार रोशनी सोलंकी का आभार जताते हुए कहा कि ''आज सही मायने में न्याय मिला है।'' इस मौके पर तहसीलदार रोशनी सोलंकी ने कहा, ''तहसील स्तर पर जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी व निष्पक्ष निस्तारण करना है। भूमि विवाद जैसे संवेदनशील मामलों में मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करने से पीड़ित को तत्काल राहत मिलती है।

चेयरमैन ओम प्रकाश केशरी ने अटल सरोवर का किया निरीक्षण

कोरांव, प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर पंचायत कोरांव के चेयरमैन ओम प्रकाश केशरी ने शुक्रवार को नगर स्थित अटल सरोवर का भ्रमण कर वहां निर्माणाधीन छठ घाट के कार्यों की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान चेयरमैन ने कहा कि इस छठ घाट के बनने से आगामी छठ महापर्व पर नगर की माताओं-बहनों को पूजा-अर्चना में बड़ी सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कार्यदायी संस्था को पूरी गुणवत्ता के साथ समय सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। इसके साथ ही आगामी मानसून को देखते हुए चेयरमैन ने नगर में जलजमाव की समस्या से निपटने के लिए चल रहे नाला सफाई कार्य का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बारिश शुरू होने से पहले नगर के सभी छोटे-बड़े नालों की मुकम्मल सफाई हर हाल में सुनिश्चित की जाए, ताकि बरसात में जनता को जलभराव की समस्या से जूझना न पड़े। चेयरमैन ओम प्रकाश केशरी ने कहा कि ''हम सभी नगर को स्वच्छ, सुंदर और जलजमाव मुक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। विकास कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।''

सांख्यिकी दिवस पर प्रशासनिक आंकड़ों के प्रभावी उपयोग पर मंथन

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारत के प्रसिद्ध सांख्यिकी विद् प्रो. पी.सी. महालनोबिस की जयंती के अवसर पर सोमवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (क्षेत्र संकार्य प्रभाग), राज्य राजधानी क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में मालवीय सभागार में 20वां सांख्यिकी दिवस मनाया गया।

इस वर्ष कार्यक्रम की थीम ''प्रशासनिक आंकड़ों की क्षमताओं का सार्थक उपयोग'' रही। इस अवसर पर विषय आधारित व्याख्यान, पोस्टर प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उप महानिदेशक डॉ. सुचिता गुप्ता की अध्यक्षता में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान उप महानिदेशक मनोज कुमार, सेवानिवृत्त महानिदेशक ए.के. मिश्रा, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष एवं जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के निदेशक प्रो. विनोद सिंह, सांख्यिकी विभागाध्यक्ष प्रो. शशि भूषण, कार्यक्रम संयोजक डॉ. चंदिनी कुमारी तथा उपनिदेशक डिम्पल सिंह मंचासीन रहे। डॉ. सुचिता गुप्ता ने कहा कि देश में उपलब्ध प्रशासनिक आंकड़ों का नीति निर्माण और सुशासन में प्रभावी उपयोग समय की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य को केंद्र में रखकर इस वर्ष सांख्यिकी दिवस की थीम निर्धारित की गई है। उप महानिदेशक मनोज कुमार ने अपने व्याख्यान में कहा कि डिजिटल युग में डेटा अर्थव्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी बन चुका है। वहीं, सेवानिवृत्त महानिदेशक ए.के. मिश्रा ने कहा कि भारत में आंकड़ों के संकलन की परंपरा प्राचीन काल से रही है, लेकिन स्वतंत्र भारत में सांख्यिकी को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का श्रेय प्रो. पी.सी. महालनोबिस को जाता है। प्रो. विनोद सिंह ने द्वितीय पंचवर्षीय योजना, तीव्र औद्योगिकीकरण तथा भारी उद्योगों के विकास में सांख्यिकी की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। पोस्टर प्रतियोगिता में ऋषिका रस्तोगी ने प्रथम, रमनेश सिंह ने द्वितीय तथा हर्षिता शुक्ल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में निमरा कुरेशी एवं उनकी टीम तथा कृतिका वर्मा एवं उनकी टीम संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर रहीं, जबकि रजत यादव एवं उनकी टीम तथा आदर्श शुक्ल एवं उनकी टीम संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम के अंत में कार्यालय प्रमुख एवं उपनिदेशक डिम्पल सिंह ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। समारोह में सीक्यूसीडी मध्यांचल कार्यालय के निदेशक पुरुषोत्तम वर्मा, उपनिदेशक अंशिका बाजपेयी, सहायक निदेशक गेंदा लाल, अस्तित्व रंजन श्रीवास्तव, गौरव भारती, सृष्टि अग्रवाल सहित लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में लगभग 170 लोगों ने सहभागिता की।

मोहर्रम हादसा : दो बच्चों की मौत मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

बख्शी का तालाब, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। इटौंजा थाना क्षेत्र अंतर्गत महोना कस्बे में मोहर्रम के दौरान छज्जा गिरने से दो मासूम बच्चों की मौत और 11 लोगों के घायल होने के मामले में इटौंजा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार, 27 जून को नगर पंचायत महोना के वार्ड नंबर-6 निवासी इस्मान पुत्र साजिद ने इटौंजा थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। तहरीर में आरोप लगाया गया कि मोहर्रम के पर्व पर कुछ लोग अपने मकान के सामने बने छज्जे पर बैठकर कोल्ड ड्रिंक और बिस्किट का वितरण कर रहे थे। इसी दौरान छज्जे पर क्षमता से अधिक लोगों के एकत्र हो जाने के कारण वह अचानक भरभराकर गिर पड़ा।इस दर्दनाक हादसे में 12 वर्षीय अरमान व अली की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 11 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना के बाद पूरे महोना कस्बे में शोक की लहर दौड़ गई थी। घायलों का विभिन्न अस्पतालों में उपचार कराया गया।मामले को गंभीरता से लेते हुए इटौंजा पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के तहत मुकदमा दर्ज किया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने पाया कि आरोपियों की लापरवाही और उपेक्षापूर्ण कृत्य के कारण यह हादसा हुआ।वहीं जांच के आधार पर पुलिस ने सोमवार को नगर पंचायत महोना के पकरिया मोहल्ला निवासी मेहताब उर्फ मेराज (28) और गुलजार अली (30) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को स्थानीय क्षेत्र से हिरासत में लेकर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है, और यदि जांच में अन्य लोगों की भूमिका सामने आती है तो उनके खिलाफ भी विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मुहर्रम की रंजिश ने लिया हिंसक रूप: खैरहना गांव में दो पक्षों में खूनी संघर्ष, एक दर्जन घायल, पांच की हालत गंभीर

रायबरेली,कैनविज टाइम्स संवाददाता। महराजगंज क्षेत्र के चंदापुर थाना अंतर्गत खैरहना गांव में रविवार देर रात पुरानी रंजिश ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुई जमकर लाठी-डंडों की मारपीट में करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। इनमें पांच लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल रेफर किया गया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।जानकारी के अनुसार, विवाद की जड़ शुक्रवार को निकले मुहर्रम के जुलूस के दौरान हुई कहासुनी बताई जा रही है। ग्रामीणों के मुताबिक, जुलूस के दौरान अरमान ने शाकिर और शाबिर से मातम के माहौल में मजाक न करने की बात कही थी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच तनातनी हो गई और मामला रंजिश में बदल गया।

रामगढ़ चौकी के सामने से गुजर रहे ओवरलोड वाहन, पुलिस मौन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ बिना वैध प्रपत्र एमपी से आ रहे हाईवा, सड़कें जर्जर-हादसों का खतरा
❒ गांजा-शराब बिक्री, पशु तस्करी, अवैध खनन का कारोबार भी चरम पर
❒ सामाजिक कार्यकर्ता ने पुलिस आयुक्त से दोषी पुलिसकर्मियों की गोपनीय जांच की मांग की

कोरांव, प्रयागराज । कोरांव थाना अंतर्गत रामगढ़ पुलिस चौकी क्षेत्र में इन दिनों कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। चौकी के सामने से रोजाना दर्जनों ओवरलोड वाहन गुजर रहे हैं, लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

ओवरलोड से सड़कों का बुरा हाल क्षेत्र के लोगों का कहना है कि मध्य प्रदेश से बिना वैध प्रपत्रों के बड़े-बड़े हाईवा व ट्रक रामगढ़ चौकी के सामने से धड़ल्ले से गुजरते हैं। ओवरलोड वाहनों के दबाव से सड़कें टूटकर जर्जर हो गई हैं और आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। चर्चा है कि पुलिस की नाक के नीचे यह खेल चल रहा है, फिर भी कार्रवाई शून्य है।

नशे का कारोबार बेलगाम

स्थानीय लोगों ने बताया कि कई गांवों में गांजा व शराब की बिक्री जोरों पर है, जिससे युवा पीढ़ी नशे की चपेट में आ रही है। ऐसा नहीं है कि पुलिस को इसकी जानकारी नहीं है, लेकिन कभी-कभार खानापूर्ति के लिए कार्रवाई कर अधिकारियों की नजर में 'गुडवर्क' दिखाकर वाहवाही लूट ली जाती है।

पशु तस्करी व अवैध खनन

आरोप है कि क्षेत्र में चोरी-छिपे पशु तस्करी का कारोबार भी फल-फूल रहा है। साथ ही आसपास की नदियों से बालू का अवैध खनन व परिवहन धड़ल्ले से जारी है। इन सभी अवैध गतिविधियों की जानकारी पुलिस को पहले से है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सब मौन है।

पुलिस आयुक्त से शिकायत

सामाजिक कार्यकर्ता पंडित महेंद्र प्रसाद ने पुलिस आयुक्त प्रयागराज का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि रामगढ़ चौकी क्षेत्र में अवैध कारोबार चरम पर है। उन्होंने इस पूरे अवैध कारोबार में संलिप्त दोषी पुलिस कर्मियों की भूमिका की गोपनीय विभाग से जांच कराने की मांग की है। पंडित महेंद्र प्रसाद का कहना है कि ''जब चौकी के सामने से अवैध वाहन व तस्करी हो रही है तो यह बिना मिलीभगत संभव नहीं। उच्चाधिकारियों को स्वयं संज्ञान लेकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।''

वाराणसी कमिश्नरेट में जब्त किये गए अवैध मादक पदार्थों के विनष्टीकरण का कार्य सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। ऑपरेशन दहन के तहत थाना भेलपर पलिस द्वारा विभिन्न अभियोगों में जब्त कल 11.9 कि0ग्राम गांजा, 89.6 ग्राम अल्प्राजोल नशीला पाउडर व 0.008 कि0ग्रा0 हिरोइन (कुल कीमत करीब 08 लाख 10 हजार रूपये) के विनष्टीकरण की कार्यवाही करायी गयी।

पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 द्वारा चलाये जा रहे ''आपरेशन दहन' के अन्तर्गत पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी द्वारा कमिश्नरेट वाराणसी अन्तर्गत जब्त किये गए अवैध मादक पदार्थों के विनष्टीकरण हेतु गठित जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी के आदेश के क्रम में श्रीमान् पुलिस उपायुक्त जोन काशी कमिश्नरेट वाराणसी व श्रीमान् अपर पुलिस उपायुक्त जोन काशी कमिश्नरेट वाराणसी के पर्यवेक्षण व श्रीमान् सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली व प्रभारी निरीक्षक थाना भेलूपुर के नेतृत्व में दिनांक-13.06.2026 को थाना भेलूपुर पुलिस द्वारा क्षेत्रीय प्रदूषण बोर्ड भेलूपुर से समन्वय स्थापित कर विभिन्न अभियोगों में जब्त अवैध मादक पदार्थों के विनष्टीकरण की कार्यवाही सम्पादित की गयी। उपरोक्त विनष्टीकरण की सम्पूर्ण कार्यवाही की फोटोग्राफी/ वीडियो फुटेज तैयार करते हुए अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

विश्व क्षुद्रग्रह दिवस पर कार्यक्रम आज, कई वैज्ञानिक रहेंगे उपस्थित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

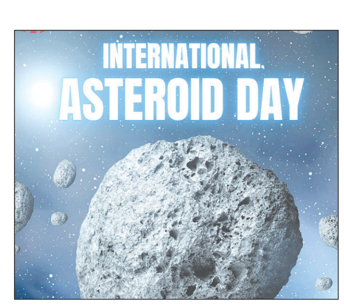

लखनऊ। खगोल विज्ञान, विज्ञान का एक ऐसा विषय है जिसमें न केवल विद्यार्थी अपितु जनसामान्य द्वारा भी रूचि ली जाती है। खगोल विज्ञान एक विषय के अतिरिक्त हॉबी के रूप में भी अनेकों विद्यार्थियों एवं जनसामान्य के मध्य लोकप्रिय है। एस्ट्रोयड खोज में विद्यार्थियों की विशेष रूचि होती है। विश्व की कई संस्थाओं द्वारा क्षुद्रग्रह खोज अभियान संचालित किये जाते हैं। यू0एस0ए0 की एक संस्थान ऋट्टए के अर्न्तगत क्षुद्रग्रह खोज अभियान (एस्ट्रोयड सर्च कैम्पेन) संचालित किये जाते हैं। ऋट्टए का कई अर्न्तराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ कोलाबेरेशन है। सिटीजन सांइटिस्ट को वास्तविक एवं उच्च गुणवत्ता का एस्ट्रोनामिकल डाटा ऋट्टए द्वारा उपलब्ध कराया जाता है।

हमारे सौरमण्डल में क्षुद्रग्रह की एक बेल्ट है जिसे एस्ट्रोयड बेल्ट कहते हैं इसके अतिरिक्त अपोलो, एटेन ग्रुप आदि के एस्ट्रोयडस पृथ्वी की कक्षा के काफी निकट रहते हैं जिससे मानव सभ्यता पर क्षुद्रग्रहो की वजह से लगातार खतरा बना रहता है। इन क्षुद्रग्रहों में से कई क्षुद्रग्रहों के बारे में अभी भी जानकारियाँ उपलब्ध नहीं हैं। एस्ट्रोयड सर्च कैम्पन के माध्यम से इन क्षुद्रग्रहों के बारे में पता चलता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रतिवर्ष 30 जून को विश्व क्षुद्रग्रह दिवस को मनाया जाता है। खगोलकीय में इस दिवस का बहुत महत्तव है इस दिवस का मुख्य उद्धेदश्य क्षुद्रग्रहों, नियर अर्थ ऑब्जेक्ट, बड़े मिटीयौरस तथा अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति आमजन, विशेषकर विद्यार्थियों एवं युवाओं में जागरूकता उत्पन्न करना है। विश्व क्षुद्रग्रह दिवस 30 जून 1908 को साइबेरिया के टूंगूस्का क्षेत्र में घटित इतिहास की सबसे बड़ी दर्ज प्राकृतिक क्षुद्रग्रह/उल्कापिण्डीय विस्फोट की स्मृति में मनाया जाता है। जिसे टूंगूस्का इंवेट के नाम से जाना जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार लगभग 50 मीटर व्यास का एक क्षुद्रग्रह पृथ्वाी के वायुमंडल में लगभग 27 किलोमीटर प्रति सेकण्ड गति से प्रवेश किया। दिनांक 30 जून 1908 को प्रातः 07:14 बजे टूंगूस्का, साइबेरिया, रूस में यह क्षुद्रग्रह पृथ्वी से लगभग 10 किलोमीटर की ऊचाई पर अत्याधिक ताप एवं दबाव के कारण फट गया इस घटना को क्षुद्रग्रह का एयरबर्स्ट कहा जाता है। इस घटना में क्षुद्रग्रह पृथ्वी से नहीं टकराया किंतु वायु में ही विस्फोट होकर लगभग 15 मेंगाटन टीएनटी के बराबर अनुमानित ऊर्जा उत्पन्न हुई। यह एक अत्यंत छोटे परमाणु बम से सैकड़ो गुना अधिक शक्तिशाली विस्फोट था। इसके कारण लगभग 2150 वर्ग किलोमीटर के जंगल नष्ट हो गये, लगभग 8 करोड़ पेड़ समाप्त हो गये तथा विस्फोट की ध्वनि एवं भूकंपीय तरंगे सैकड़ो किलोमीटर दूर तक रिकार्ड की गई। यूरोप के कई देशों में कई रातों तक नई ग्लो देखा गया जिससे रात्रि में भी अखबार पढ़े जा सकते थे। इस के कारण कोई भी क्रेटर नहीं बना।

विश्व क्षुद्रग्रह दिवस को मनाये जाने का प्रमुख उद्धेश्य यह है कि जनसामान्य को यह समझाया जा सके कि छोटे नियर अर्थ आब्जेक्ट, क्षुद्रग्रह पृथ्वी से टकराने के बजाये यदि पृथ्वी के निकट विस्फोट करते है तो वह एक बड़े क्षेत्र में विनाश कर सकते हैं।

अटल सरोवर तालाब के पास आरसीसी निर्माण में शुरू हुआ कार्य

❒ खबर प्रकाशित होते ही हरकत में आया प्रशासन, रास्ते की मिट्टी हटाई, लोगों को मिली राहत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव, प्रयागराज। नगर पंचायत कोरांव के बहादुर शाह नगर स्थित अटल सरोवर तालाब, थाना कोरांव के पीछे लेडियारी-कोरांव मुख्य संपर्क मार्ग पर हो रहे टएए निर्माण कार्य में लापरवाही की खबर त्कैनविज टाइम्सत अखबार में प्रकाशित होने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है।

क्या था मामलाः स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया था कि टएए ढलाई के दौरान निकली मिट्टी को घरों के सामने रख दिया गया, जिससे वाहन तो दूर बच्चों का निकलना भी मुश्किल हो गया था। साथ ही भीषण गर्मी में ढलाई के बाद तरावट न होने से टएए फटने का खतरा था। लोगों ने क्ख्र प्रयागराज से गुणवत्ता जांच की मांग की थी।

खबर का असर कैनविज टाइम्स में खबर प्रकाशित होते ही जिम्मेदारों ने संज्ञान लिया। बुधवार को निर्माण स्थल पर पानी से आरसीसी की तराई कराई गई। साथ ही रास्ते में पड़ी मिट्टी को हटवाकर रास्ता साफ कराया गया, जिससे स्थानीय लोगों को आने-जाने में बड़ी राहत मिली है। स्थानीय निवासी सुख लाल ने बताया कि ''अखबार में खबर छपने के बाद ठेकेदार ने तुरंत मजदूर लगाकर पानी डलवाया और मिट्टी हटवाई। अब बच्चों को स्कूल जाने में दिक्कत नहीं होगी।''लोगों ने कहा कि प्रशासन अगर पहले ही मानक का ध्यान रखता तो परेशानी नहीं होती। फिलहाल निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग बरकरार है, ताकि सरकारी धन का दुरुपयोग न हो।

मोहनलालगंज में सपा का शक्ति प्रदर्शन, जनसमस्याओं को लेकर सरकार पर साधा निशाना

❒ पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ताओं का तहसील पर प्रदर्शन, 13 सूत्रीय ज्ञापन राज्यपाल के नाम सौंपा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

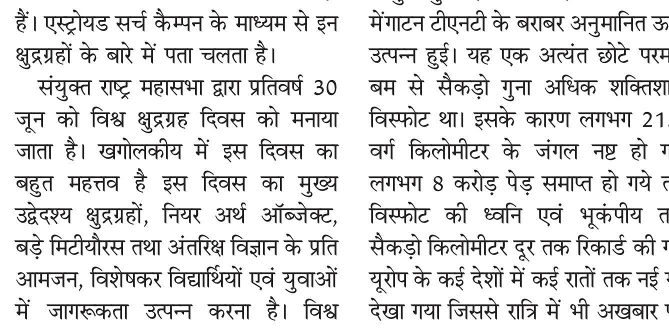

लखनऊ। समाजवादी पार्टी विधानसभा मोहनलालगंज इकाई के नेतृत्व में सोमवार को तहसील मुख्यालय पर विशाल धरना-प्रदर्शन कर महंगाई, बेरोजगारी, किसान समस्याओं और कानून-व्यवस्था समेत विभिन्न जनमुद्दों को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया। पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ताओं ने पदयात्रा करते हुए तहसील परिसर पहुंचकर राज्यपाल के नाम संबोधित 13 सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी पवन पटेल को सौंपा। इस दौरान एसीपी आर.के. सिंह भी मौजूद रहे।

धरने को संबोधित करते हुए अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने आरोप लगाया कि महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं, पेपर लीक और अघोषित बिजली कटौती से जनता परेशान है, जबकि सरकार जनहित के मुद्दों पर गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो समाजवादी पार्टी सड़क से सदन तक आंदोलन तेज करेगी। सांसद आर.के. चौधरी ने कानून-व्यवस्था, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के कथित उत्पीड़न तथा आयुष्मान योजना के क्रियान्वयन पर सवाल उठाए। वहीं श्रवण कुमार यादव और अमर पाल सिंह ने आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण, अधिवक्ताओं के साथ व्यवहार, किसानों को एमएसपी की गारंटी और विद्यालयों के आसपास शराब की दुकानों जैसे स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। ज्ञापन में महंगाई पर नियंत्रण, रोजगार, किसानों को राहत, महिला सुरक्षा, कानून-व्यवस्था में सुधार, भ्रष्टाचार पर अंकुश, आयुष्मान योजना का लाभ, तालाबों के पट्टाधारकों को कब्जा दिलाने समेत 13 प्रमुख मांगें शामिल रहीं। धरना-प्रदर्शन में सपा जिलाध्यक्ष जय सिंह जयंत, महासचिव शब्बीर खान, पूर्व विधायक श्याम किशोर यादव, जिला पंचायत सदस्य अरुण यादव, बार एसोसिएशन महामंत्री रामलखन यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इसी क्रम में रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मऊ नहर पुल के पास हुए इस हादसे में अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे युवक का पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गंभीर हालत में उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, मोतीगंज गांव निवासी 23 वर्षीय भागीरथ रविवार रात करीब नौ बजे किसी कार्य से वापस अपने घर लौट रहे थे। जब वह मऊ नहर पुल के पास पहुंचे, तभी सामने से तेज गति से आ रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि भागीरथ सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।हादसे के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंचे और घायल भागीरथ को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) महराजगंज पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार कियाचिकित्सकों ने जांच के दौरान पाया कि भागीरथ का दाहिना पैर गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है और उसमें फ्रैक्चर है।सीएचसी में तैनात चिकित्सक डॉ. अनिल भारद्वाज ने बताया कि घायल युवक की स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। फिलहाल जिला अस्पताल में उसका उपचार चल रहा है। घटना के बाद क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों के संचालन को लेकर लोगों में चिंता व्याप्त है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मऊ नहर पुल के आसपास अक्सर तेज गति से वाहन चलते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

मां गोमती सनातन आस्था का प्रतीक, उद्गम स्थल के विकास से खुलेगा पर्यटन का नया अध्याय: जयवीर सिंह

❒ आदि गंगा को मिलेगा नया पर्यटन स्वरूप, उद्गम स्थल के विकास पर व्यय होंगे 104.81 लाख रुपए

कैनविज टाइम्स संवाददाता।

लखनऊ । पीलीभीत की पूरनपुर विधानसभा में कलीनगर तहसील स्थित मां गोमती उद्गम स्थल को पर्यटन सुविधाओं से सुसज्जित कर आकर्षक पर्यटन एवं आस्था केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर 104.81 लाख रुपए व्यय होंगे, जिसकी पहली किस्त के रूप में 78 लाख रुपए जारी की गई है।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मानव सभ्यता का विकास सदैव नदियों के तटों पर हुआ है। प्रदेश की जीवनदायिनी एवं सांस्कृतिक आस्था की प्रतीक गोमती नदी का उद्गम पीलीभीत जनपद के माधोटांडा ग्राम के समीप गोमत ताल (पूर्व नाम फुलहर झील) से होता है। सनातन परंपरा में 'आदि गंगा' के रूप में प्रतिष्ठित गोमती नदी प्रदेश के विशाल भूभाग को सिंचित करते हुए करोड़ों लोगों के जीवन और आजीविका का आधार है। उन्होंने बताया कि पर्यटन विभाग द्वारा गोमती उद्गम स्थल को एक प्रमुख आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह प्रयास न केवल इस पवित्र स्थल की ऐतिहासिक एवं धार्मिक पहचान को वैश्विक स्तर पर विशिष्ट पहचान देगा, अपितु स्थानीय स्तर पर पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

पर्यटन विकास के ये होंगे कार्य

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग का यह प्रयास गोमती नदी की आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ राज्य में नदी आधारित पर्यटन को भी बढ़ावा देगी। परियोजना के तहत मल्टीपर्पज हॉल के निर्माण पर 48.69 लाख रुपए, शौचालय ब्लॉक निर्माण पर 13.44 लाख रुपए तथा शेड निर्माण पर 9.45 लाख रुपए खर्च होंगे। इसके अतिरिक्त यात्री सुविधाओं के विकास, इंटरलॉकिंग, उद्यान एवं सौंदर्यीकरण (हॉर्टिकल्चर), क्यूआर/बारकोड युक्त साइनेज तथा सोलर आधारित सुविधाओं का विकास किया जाएगा। कार्यदायी संस्था के रूप में उ0प्र0 राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) को जिम्मेदारी मिली है। गोमती नदी लगभग 960 किलोमीटर की यात्रा के दौरान पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई, सीतापुर, लखनऊ, बाराबंकी, सुल्तानपुर और जौनपुर सहित अन्य जनपदों के लिए जीवनदायिनी है। अंततः गाजीपुर/वाराणसी के निकट गंगा में विलीन हो जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार लंका विजय के पश्चात भगवान श्रीराम ने भी गोमती में स्नान कर पुण्य अर्जित किया था। गोमती नदी के किनारे ही नैमिषारण्य में 33 कोटि देवी-देवताओं ने तपस्या की थी। इसलिए यह नदी प्रदेश की आस्था, विश्वास और समृद्ध विरासत की महत्वपूर्ण वाहक मानी जाती है।

डॉ. विवेक और दाहिर को सृजन सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददात

लखनऊ । यूपी प्रेस क्लब और उ प्र साहित्य सभा ने 170 वां सृजन सम्मान समारोह आयोजित किया। सृजन सम्मान दिनेश दाहिर अज़मगढ़ी और सृजन प्रेरणा सम्मान वरिष्ठ डर्मेटोलॉजिस्ट समाजसेवी डॉ विवेक कुमार को दिया गया।

इस मौके पर वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी, स्माइलमैन सर्वेश अस्थाना, मुख्य अतिथि गिरधर खरे अध्यक्ष सच्चिदानंद शलभ व सुभाष गुरुदेव ने शाल व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। डॉ विवेक कुमार प्रतिदिन 30 कुष्ठ रोगियों और निर्धन त्वचा रोगियों की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा देते हैं। डॉ विवेक प्रतिदिन सवेरे से दोपहर तक समाज सेवा करते हैं।

योगी योगेश शुक्ल व सुभाष रसिया के संयुक्त संचालन में वर्षा श्रीवास्तव के संचालन में पूजा श्री की वाणी वंदना से प्रारम्भ हुए कवि सम्मेलन में अनिता अरोरा, कामिनी श्रीवास्तव, विनोद शुक्ल विनोद, विजय अग्रहरि, डॉ रुद्रमणि, रश्मि शरद, मनोरमा श्रीवास्तव, मनमोहन बाराकोटी, प्रतिभा श्रीवास्तव, प्रमोद श्रीवास्तव, शालिनी राय, पूर्णिमा भसीन, दीपिका, डॉ संदीप शर्मा, अनुराग मिश्रा, पूर्णिमा भसीन आदि ने कविताएँ पढ़ीं। धन्यवाद ज्ञापन सर्वेश अस्थाना ने किया।

समाजवादी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने तहसील कार्यालय किया घेराव, प्रदर्शन

❒ पेट्रोल, डीजल, गैस, बिजली के बढ़ते दामों, पेपर लीक, किसान एवं महिला उत्पीड़न को लेकर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ । सोमवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा बढ़ती महंगाई किसान उत्पीड़न बिजली कटौती फर्जी एनकाउंटर समेत अपनी 13 सूत्री मांगों को लेकर मोहनलालगंज तहसील परिसर में महामहिम राज्यपाल महोदया को संबोधित ज्ञापन उप जिला अधिकारी पवन पटेल एवं एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह को सौंपा। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं लखनऊ कैंट से विधायक प्रत्याशी अमरपाल सिंह के नेतृत्व में हजारों की संख्या में समाजवादी पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता एकजुट होकर सोमवार को मोहनलालगंज में पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के दिशा निर्देश पर एकत्र होकर भारी हुजूम के साथ नारेबाजी करते हुए बैलगाड़ी, घुड़सवारों के साथ तहसील प्रांगण में पहुंचकर विशाल धरना प्रदर्शन किया समाजवादी पार्टी लखनऊ कैंट क्षेत्र के प्रत्याशी अमरपाल सिंह ने बताया कि बढ़ती महंगाई, घरेलू उपयोग की वस्तुओं के बढ़ते दामों, बच्चों के पेपर लीक, किसान उत्पीड़न, फर्जी एनकाउंटर, लाचार कानून व्यवस्था, महिला उत्पीड़न, गैस डीजल के बढ़ते दामों से परेशान आम जनता के हित में वर्तमान सरकार के खिलाफ मोहनलालगंज क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के सांसद आरके चौधरी, पूर्व विधायक अमरीश पुष्कर,जिला अध्यक्ष जय सिंह जयंत, उपाध्यक्ष नवनीत सिंह पार्टी कार्यकर्ताओ एवं नेताओं के साथ तहसील मोहनलालगंज मुख्यालय पर हजारों की संख्या में आए समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं नेताओं के साथ सरकार की आंख कान खोलने के लिए एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। अमरपाल सिंह ने कहा कि स्कूलों कॉलेज के आसपास 200 मीटर में चल रहे शराब ठेको को हटाया जाए, मोहनलालगंज रेलवे स्टेशन पर आसपास बढ़ती जनसंख्या एवं पीजीआई अस्पताल आने वाले मरीजों की समस्याओं को देखते हुए ट्रेनों का ठहराव कराया जाए, मछली पालन हेतु किए गए पट्टे को पट्टा धारकों को कब्जा दिलाया जाए, महिला उत्पीड़न पर रोक लगाया जाए, पेपर लीक होने से छात्रों को होने वाली परेशानी से निजात दिलाया जाए, बढ़ती बिजली दरों एवं बिजली कटौती से किसानों एवं छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं भाजपा सरकार द्वारा आम जनता के हितों को परवाह किए बिना लगातार अप्रत्याशित रूप से डीजल पेट्रोल एवं गैस सहित खाद्य पदार्थों के दामों में बेतहाशा वृद्धि की जा रही है जिससे प्रदेश के निम्न, मध्यम वर्ग के साथ ही सभी वर्गों को बढ़ती महंगाई का सामना करना पड़ रहा है बढ़ती महंगाई से गृहणियों के घरों का बजट पूरी तरह चरमरा गया है जिसका समाजवादी पार्टी पूर्ण विरोध करती है। जब से देश में एवं प्रदेश में भाजपा सरकार आई है तब से किसी भी प्रतियोगी परीक्षा को पारदर्शी रूप से करा पाने में असफल रही है। कार्यक्रम में अरुणेश प्रताप सिंह दल्लू, पूर्व बार अध्यक्ष केपी सिंह, बार महामंत्री राम लखन यादव, जिला पंचायत सदस्य अरुण यादव, अर्चना रावत, हरिशंकर रावत, लवकुश यादव शैलेन्द्र यादव, शंकर रावत,आरिफ खान, नीतुल शर्मा, विपिन यादव, नागेश सिंह, अखिलेश यादव, ज्ञानेंद्र सिंह, समेत हजारों की संख्या में पुरुष एवं महिला कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गोसाईंगंज में क्षेत्र पंचायत बैठक संपन्न

लखनऊ । विकासखंड गोसाईंगंज के सभागार में सोमवार को क्षेत्र पंचायत की बैठक आयोजित हुई, जिसमें विकास कार्यों की प्रगति, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख विनय कुमार वर्मा 'डिंपल' ने की। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने विकास कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने और जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान पर भी विशेष जोर दिया। बैठक में क्षेत्र के ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया और विकासखंड से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने सुझाव एवं विचार रखे। अंत में जनहित को सर्वोपरि रखते हुए विकास कार्यों को गति देने का संकल्प लिया गया।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने सुनी लोगों की समस्याएं

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राजधानी लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित ''जनता दर्शन'' में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं एवं सभी समसयाओं के प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार जन समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है ओर इसलिए त्वरित समस्याओं का समाधान हो रहा है। किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा रहा है।

शिक्षक शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाएगा रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का जन्मदिवस

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। गोमती नगर स्थित एक निजी होटल में स्ववित्त पोषित विद्यालय प्रबंधक एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने की। बैठक में राजधानी एवं आसपास के क्षेत्रों से आए 200 से अधिक विद्यालय प्रबंधकों ने सहभागिता कर आगामी कार्यक्रमों एवं शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि आगामी 10 जुलाई को भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के जन्मदिवस की पूर्व संध्या 9 जुलाई को ''शिक्षक शौर्य दिवस'' का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर ग्यारह सौ उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित करने के साथ-साथ राष्ट्रभक्ति एवं शिक्षा के मूल्यों को बढ़ावा देने वाले विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। बैठक में राहुल सक्सेना, प्रीति वाजपेई, सुरेश शुक्ला, के.के. दुबे, अजीज खान, रितेश श्रीवास्तव, राजेश यादव सहित दो सौ से अधिक विद्यालय प्रबंधक उपस्थित रहे। सभी ने एकमत होकर ''शिक्षक शौर्य दिवस'' को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहभागिता का आश्वासन दिया।

फार्मासिस्टों ने उपमुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन, पदनाम और वेतनमान संशोधन की मांग

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। डिप्लोमा फार्मासिस्ट राजपत्रित अधिकारी एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश महामंत्री प्रदुम्न सिंह के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री ब्रजेश पाठक से मुलाकात कर फार्मासिस्ट संवर्ग की लंबित मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में एसोसिएशन ने भारत सरकार के 10 जून 2026 के राजपत्र के अनुरूप उत्तर प्रदेश के फार्मासिस्टों के पदनाम और वेतनमान में संशोधन किए जाने की मांग उठाई। संगठन का कहना है कि केंद्र सरकार के आदेशों के अनुरूप राज्य में भी संबंधित संशोधन शीघ्र लागू किए जाएं।प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री को अवगत कराया कि केंद्र सरकार द्वारा किए गए पदनाम परिवर्तन और वेतनमान संबंधी प्रावधान राज्य में भी लागू किए जाने चाहिए। इस दौरान प्रतिनिधियों ने फार्मासिस्टों की मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने का अनुरोध किया। एसोसिएशन के अनुसार, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने ज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को पत्रावली पर आवश्यक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। प्रतिनिधिमंडल में राजीव कुमार (प्रदेश प्रवक्ता एवं जिला अध्यक्ष, लखनऊ), श्रवण चौधरी (प्रदेश कोषाध्यक्ष) और अजय कश्यप (जिला मंत्री, लखनऊ) सहित अन्य पदाधिकारी भी शामिल रहे। एसोसिएशन ने उम्मीद जताई कि सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेगी।

प्रतिबंधित पॉलीथीन पर नगर निगम का शिकंजा, मोती महल पर 20 हजार का चालान

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। पर्यावरण संरक्षण एवं शहर को सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर निगम लखनऊ ने सोमवार को जोन-1 के हजरतगंज वार्ड में 'आरम्भ 8.0' अभियान के अंतर्गत प्रतिबंधित पॉलीथीन के विरुद्ध विशेष जांच एवं जनजागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान नगर निगम की आई.ई.सी. टीम ने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर पॉलीथीन प्रतिबंध के अनुपालन की समीक्षा की। मोती महल में मिली प्रतिबंधित पॉलीथीन, स्वच्छता में भी मिली खामियां निरीक्षण के दौरान प्रसिद्ध व्यावसायिक प्रतिष्ठान मोती महल में बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित पॉलीथीन बरामद की गई। इसके अलावा परिसर में स्वच्छता संबंधी गंभीर कमियां एवं गंदगी भी पाई गई। नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए जोनल सेनेटरी ऑफिसर श्री कुलदीपक जी एवं एसएफआई श्री संजीव जी के निर्देशन में प्रतिष्ठान के विरुद्ध 20,000 का चालान किया गया।

कार के नीचे फंसे युवक को दो किमी तक घसीटता रहा चालक, मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब,लखनऊ। महिगवां थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया। भैंसामऊ और पहाड़पुर के बीच तेज रफ्तार डिजायर कार की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए व्यक्ति की इलाज के दौरान केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में मौत हो गई। आरोप है कि हादसे के बाद चालक ने वाहन रोकने के बजाय घायल को करीब दो किलोमीटर तक कार के नीचे फंसाकर घसीटता रहा। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में लेकर कार को कब्जे में कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान मिश्रीपुर निवासी नंदलाल गौतम (50) पुत्र हीरालाल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रविवार रात वह किसी काम से निकले थे। इसी दौरान भैंसामऊ और पहाड़पुर के बीच तेज रफ्तार डिजायर कार (यूपी-78 सीएम-5179) ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि नंदलाल कार के निचले हिस्से में फंस गए।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद चालक ने वाहन रोकने के बजाय रफ्तार बढ़ा दी और नंदलाल को करीब दो किलोमीटर तक घसीटता हुआ ले गया। राहगीरों ने शोर मचाकर वाहन रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक नहीं रुका। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल नंदलाल को तत्काल इलाज के लिए केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर भेजा, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।पुलिस ने शुरुआती कार्रवाई के दौरान घायल को अज्ञात मानते हुए उपचार शुरू कराया था, लेकिन बाद में परिजनों के पहुंचने पर उसकी पहचान नंदलाल गौतम के रूप में हुई। मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों के मुताबिक, नंदलाल मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे।जांच के दौरान दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन और चालक की पहचान कर ली गई। कार चालक की पहचान शिव सिंह पुत्र गुरु प्रसाद, निवासी ग्राम बारी, थाना आसीवन, जनपद उन्नाव के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में लेकर वाहन को कब्जे में कर लिया है।

डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में नेट जीरो सरोजनीनगर 2040 बना हरित विकास का नया मॉडल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में सरोजनीनगर पर्यावरण संरक्षण, जलवायु नेतृत्व और सतत विकास के क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित कर रहा है। नेट जीरो सरोजनीनगर 2040 अभियान तेजी से जनआंदोलन का रूप ले चुका है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2040 तक सरोजनीनगर को नेट जीरो उत्सर्जन वाला मॉडल विधानसभा क्षेत्र बनाना है। ‘पर्यावरण संरक्षण से जलवायु नेतृत्व तक नया इतिहास रचता सरोजनीनगर’ के संकल्प के साथ अब तक 20,000 से अधिक नागरिक हरित भविष्य के निर्माण हेतु शपथ ले चुके हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित द ग्रीन शिफ्टः गोल्फ टूर्नामेंट अवॉर्ड्स 2026 ने पर्यावरण संरक्षण के संदेश को व्यापक स्तर पर पहुँचाया। इस आयोजन में बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। ‘खेल के साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प’ थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में जूनियर, वूमेन, वेटरंस सहित विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताएँ हुईं, जिनमें 23 खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया तथा विजेताओं को 6 लाख रुपये तक की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इस आयोजन ने खेल, जनभागीदारी और पर्यावरण संरक्षण के बीच एक मजबूत संबंध स्थापित किया।अभियान के अगले चरण में नेट जीरो इंडस्ट्री का शुभारंभ किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री सुरेश खन्ना की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस पहल का उद्देश्य एमएसएमई इकाइयों को सतत विकास और जलवायु संरक्षण का सक्रिय भागीदार बनाना है। इसके अंतर्गत युवा सशक्तिकरण केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहाँ युवाओं को प्रशिक्षण और पर्यावरणीय नेतृत्व के लिए तैयार किया जा रहा है। साथ ही 500 धार्मिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण वृक्षों का रोपण कर उन पर ट्री गार्ड लगाए गए। माँ तारा शक्ति सिलाई केंद्रों के माध्यम से 30,000 से अधिक ईको-फ्रेंडली बैग्स तैयार कर लगभग 50 स्कूलों एवं विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में वितरित किए गए, जिससे प्लास्टिक पर निर्भरता कम करने के साथ महिलाओं को आजीविका से भी जोड़ा गया।

एनवायरमेंट वॉरियर्स ऽ द गार्डियंस ऑफ द ग्रीन अभियान के माध्यम से उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इसके अंतर्गत 9 वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन कर्टेन रेजर इवेंट्स सफलतापूर्वक आयोजित किए गए, जिनमें पीलीभीत टाइगर रिज़र्व, कार्तर्णिकघात वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी, किशनपुर वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी और दुधवा नेशनल पार्क जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल रहे। वनकर्मियों की क्षमता बढ़ाने हेतु 250 साइकिलें, 2000 जैकेट्स, 100 दूरबीनें और 2 इलेक्ट्रिक स्कूटर वितरित किए गए, जबकि 25 उत्कृष्ट वनकर्मियों को सम्मानित भी किया गया।

भामाशाह जयंती पर याद किए गए त्याग और राष्ट्रसेवा के आदर्श

❒ जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज बहरौली में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित, विजेता छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम , लखनऊ । के बहरौली स्थित जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज में सोमवार को दानवीर भामाशाह जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए भामाशाह के त्याग, राष्ट्रभक्ति और महाराणा प्रताप के प्रति उनकी निष्ठा को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा ने भामाशाह के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। उन्होंने कहा कि भामाशाह का जीवन त्याग, देशभक्ति, निस्वार्थ सेवा और सच्ची मित्रता की प्रेरणा देता है। उनके आदर्श आज भी युवाओं के लिए मार्गदर्शक हैं। शिक्षक शंभू दत्त ने विद्यार्थियों से स्वदेशी अपनाने, जरूरतमंदों की सहायता करने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया। वहीं शिक्षक संजय अवस्थी ने कहा कि इतिहास केवल वीरता से नहीं, बल्कि त्याग और समर्पण से भी लिखा जाता है।? प्रतियोगिता में नंदिनी पटेल (कक्षा 9) ने प्रथम, मेनाज (कक्षा 10-बी) ने द्वितीय तथा अंशु गौतम (कक्षा 12-सी) एवं नैंसी वर्मा (कक्षा 10-ए) ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य ने विजेता एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को स्टेशनरी भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक संजय अवस्थी ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सीवर चोक और ओवरफ्लो की समस्या पर विधायक डा. नीरज बोरा सख्त, अधिकारियों को दिया 10 दिन का अल्टीमेटम

❒ जल निगम, जल कल और सुएज इण्डिया के साथ पुरनिया कार्यालय पर हुई बैठक

❒ जानकीपुरम, फैजुल्लागंज, जोन 3 और जोन 6 के सभी वार्डों की समस्याओं का तत्काल होगा निस्तारण

❒ लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और एजेंसियों पर होगी कड़ी कार्रवाई।

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । क्षेत्र की जनता को जलभराव, सीवर चोक और ओवरफ्लो की गंभीर समस्या से निजात दिलाने के लिए विधायक डा. नीरज बोरा ने आज पुरनिया स्थित कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण और उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में जल निगम, जल कल विभाग और सुएज इण्डिया के वरिष्ठ अधिकारी व प्रतिनिधि मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक के दौरान विधायक डा. नीरज बोरा ने संबंधित क्षेत्रों में सीवर व्यवस्था की बदहाली पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को सख्त लहजे में हिदायत देते हुए आदेश दिया कि जानकीपुरम, फैजुल्लागंज, जोन ३ और जोन ६ के अंतर्गत आने वाले सभी वार्डों में सीवर चोक और ओवरफ्लो की समस्याओं का अगले १० दिनों के भीतर हर हाल में स्थायी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

विधायक ने स्पष्ट किया कि सीवर से जुड़ी समस्याओं को लेकर जनता को और परेशान नहीं होने दिया जाएगा। अगले १० दिनों के भीतर प्रभावित वार्डों की सफाई और मरम्मत का कार्य पूरा हो जाना चाहिए। डा.नीरज बोरा ने सख्त लहजे में कहा कि यदि तय समय सीमा के भीतर कार्य पूरा नहीं हुआ या कार्य में किसी भी प्रकार की ढिलाई पाई गई, तो संबंधित अधिकारियों और सुएज इण्डिया एजेंसी के खिलाफ शासन स्तर पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जल निगम, जल कल और सुएज इण्डिया को आपस में बेहतर समन्वय बनाकर काम करने को कहा गया है ताकि सड़कों पर बहते सीवर के पानी और मैनहोल की समस्याओं को तुरंत ठीक किया जा सके। बैठक के अंत में विधायक डा. नीरज बोरा ने कहा, ''जानकीपुरम और फैजुल्लागंज सहित जोन ३ व ६ के कई वार्डों से लगातार सीवर ओवरफ्लो की शिकायतें मिल रही थीं, जिससे स्थानीय निवासियों का जीना दूभर हो रहा है और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। जनहित में कार्य करना हमारी पहली प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।'' बैठक में दिव्यांशु सिंह अधिशासी अभियंता जल निगम, मनोज कुशवाहा सहायक अभियंता जल निगम, गया प्रसाद सहायक अभियंता जल कल जोन 3, गौरव सिंह एवं संजीव शाही सुएज इंडिया प्रा.लि. से उपस्थित रहे।

सीतापुर में शिक्षा को मिली डिजिटल ताकत

❒ अकादमिक मेंटर्स को वितरित किए गए टैबलेट, निपुण भारत मिशन को मिलेगी नई गति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । खैराबाद सीतापुर में आयोजित ल्लअकादमिक मेंटर हेतु टैबलेट वितरण कार्य्रक्रमङ्क डायट प्राचार्य डॉ धर्मेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में जनपद के सभी अकादमिक रिसोर्स परसन, सदस्य स्टेट रिसोर्स ग्रुप एवं डायट मेंटर को सीखो सिखाओ फाउंडेशन द्वारा टैबलेट वितरित किये गए।

संस्था के प्रतिनिधि मनीष सिंह ने बताया की उत्तर प्रदेश एक मात्र ऐसा प्रदेश है जहाँ पर एक डेडिकेटेड कैडर विद्यालयों में शैक्षणिक गैप को भरने हेतु प्रयासरत है । इससे पूर्व समस्त मेंटर सहयोगत्मक पर्वेक्षण के दौरान अपने व्यक्तिगत डिवाइस का उपयोग करते थे जिससे उन्हें कई बार पर्वेक्षण के दौरान विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड रहा था । उन चुनौतियों का सामना करने में यह टैबलेट उपयोगी सिद्ध होंगे ऐसा विश्वास है । वर्तमान में लगभग 100 से ज्यादा मेंटर जनपद में सक्रिय भूमिका में है यदि वो सशक्त होगे तो इसका सीधा प्रभाव बच्चों की सीख पर पड़ेगा और जनपद शासन के मंशा अनुरूप निपुण के उद्देश्य हासिल कर सकेगा

संस्था के प्रतिनिधि अनुराग तिवारी ने जनपद में संस्था द्वारा संचालित कार्यक्रम के बारे विस्तृत चर्चा की । संस्था दक्षता आधारित शिक्षण एवं सामुदायिक सहभागिता के संस्थाईकरण हेतु विगत सात वर्षों से विभाग के साथ मिलकर प्रयासरत है साथ ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर शिक्षा से सरोकार रखने वाले विभाग जैसे शिक्षा, पंचायती राज, बाल विकास एवं स्वस्थ्य विभाग का आपसी समन्वय एवं निर्णय की प्रक्रिया में भूमिका के महत्त्व को रेखांकित किया । संस्था विगत वर्षों में सीतापुर जनपद के 440 विद्यालयों में स्मार्ट टी.वी. व यू.पी.एस. एवं 5 विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब के स्थापना की है जिससे समुदाय व विद्यालय में सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल ने समस्त ए0आर0पी0 को टेबलेट का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण, बच्चों के स्पॉट असेसमेंट एवं डाटा विश्लेषण के दौरान समुचित उपयोग एवं टेबलेट की सुरक्षा की जिम्मेदारी देते हुए विस्तृत निर्देश दिए साथ ही एप में गुणवत्तापूर्ण डाटा भरे जाने को लेकर ध्यान आकृष्ट कराया एवं संस्था द्वारा विभाग को टेबलेट उपलब्ध कराये जाने का धन्यवाद ज्ञापित किया

कार्यक्रम में एसआरजी करुणेश मिश्र, आलोक श्रीवास्तव एवं मदनेश मिश्र, डायट प्रवक्ता , खण्ड शिक्षा अधिकारी सहित जिले के समस्त ए0आर0पी0 उपस्थित रहे।

धरती की सेहत बचेगी, तभी बढ़ेगी किसानों की समृद्धि: कृषि वैज्ञानिक

❒ रासायनिक खादों के असंतुलित प्रयोग से घट रही मिट्टी की उर्वरता: डॉ. तोमर

❒ रसोई के कचरे और कृषि अपशिष्ट से तैयार होगी उच्च गुणवत्ता की जैविक खाद: डॉ. रीमा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र, कटिया, सीतापुर द्वारा जनपद के विकास खंड बिसवां के ग्राम सबदलपुर में एक दिवसीय जागरूकता कृषक गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, कृषि लागत में कमी लाने, उत्पादन वृद्धि तथा कृषि क्षेत्र में नए नवाचारों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया और कृषि वैज्ञानिकों से सीधे संवाद स्थापित कर अपनी कृषि संबंधी विभिन्न समस्याओं का मौके पर ही समाधान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के प्रभारी एवं कृषि विज्ञान केंद्र, कटिया के मृदा वैज्ञानिक डॉ. सचिन प्रताप तोमर ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि 'खेत बचाओ अभियान' का मूल उद्देश्य मृदा की प्राकृतिक उर्वरता को बनाए रखना, उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना तथा किसानों को टिकाऊ एवं प्राकृतिक खेती की दिशा में प्रेरित करना है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध और असंतुलित प्रयोग से भूमि की गुणवत्ता और सेहत पर बेहद बुरा प्रभाव पड़ रहा है। वर्तमान समय की मांग को देखते हुए अब मृदा परीक्षण (मिट्टी जांच) आधारित खेती को अपनाना बेहद आवश्यक हो गया है। इसके साथ ही डॉ. तोमर ने किसानों को जैविक खाद, हरी खाद के उपयोग तथा फसल अवशेष प्रबंधन के वैज्ञानिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए उन्नत बीजों के चयन, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, समयबद्ध बुवाई, सही फसल चक्र और जल संरक्षण तकनीकों को व्यवहार में लाना अनिवार्य है। केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. रीमा ने गोष्ठी में उपस्थित महिलाओं और किसानों को जलवायु अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि के गुर सिखाए। उन्होंने महिलाओं को जैविक खेती, वर्षा जल संचयन, मल्चिंग तकनीक, रसोई के कचरे के पुनर्चक्रण तथा केंचुआ खाद उत्पादन जैसी गृह-स्तरीय तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. रीमा ने बताया कि रसोई एवं कृषि से निकलने वाले अपशिष्ट का वैज्ञानिक तरीकों से प्रबंधन करके उच्च गुणवत्ता की जैविक खाद तैयार की जा सकती है, जिससे खेतों में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा और लाभकारी सूक्ष्मजीवों में वृद्धि होती है, जो अंततः रासायनिक उर्वरकों पर हमारी निर्भरता को कम करती है।

120 वर्ष पुराने नजूल पट्टे पर प्रशासन सख्त, पक्षकारों से मांगा जवाब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। शहर के एक महत्वपूर्ण नजूल भूखंड से जुड़े वर्ष 1906 के पुराने पट्टे की वैधता को लेकर जिला प्रशासन ने विधिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. द्वारा सार्वजनिक सूचना एवं कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए संबंधित पट्टाधारकों, उनके विधिक उत्तराधिकारियों एवं अन्य दावेदारों से 10 जुलाई 2026 तक अपना पक्ष, अभिलेख एवं साक्ष्य प्रस्तुत करने को कहा गया है।

नोटिस के अनुसार ग्राम छावनी कदीम, परगना खैराबाद स्थित नजूल भूखंड संख्या-1477, जिसमें गाटा संख्या 547, 568, 569 एवं 570 शामिल हैं और कुल क्षेत्रफल 1.958 हेक्टेयर है, वर्ष 1906 में निष्पादित पट्टे के अंतर्गत दर्ज है। प्रशासन का कहना है कि उपलब्ध अभिलेखों में पट्टे के नवीनीकरण अथवा उसकी वैध अवधि बढ़ाए जाने का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि नजूल नियमों के अनुसार भवन प्रयोजन के लिए दिया गया पट्टा अधिकतम 90 वर्ष तक ही प्रभावी हो सकता है। चूंकि संबंधित पट्टा वर्ष 1906 का है, इसलिए इसकी विधिक अवधि समाप्त मानी जा रही है। साथ ही भूमि जिला चिकित्सालय के विस्तार एवं अन्य सार्वजनिक उपयोग के लिए आवश्यक बताई गई है। प्रशासन ने नोटिस में कहा है कि यदि निर्धारित समय सीमा तक संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होता है तो उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर पट्टा निरस्त करते हुए भूमि को राज्य सरकार के पक्ष में पुनर्गृहीत (Resumption) करने की कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी द्वारा जारी नोटिस में संबंधित पक्षों को अपने दावे, अभिलेख एवं साक्ष्य प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान कार्यवाही केवल नजूल पट्टे की वैधता, अवधि, नवीनीकरण और पुनर्ग्रहण तक सीमित है तथा इसे किसी निजी स्वामित्व या उत्तराधिकार के अधिकारों का अंतिम निर्णय नहीं माना जाएगा। प्रशासन ने नोटिस की प्रतियां संबंधित अधिकारियों को भेजते हुए समाचार पत्रों में प्रकाशन एवं संबंधित स्थल पर चस्पा कराने के भी निर्देश दिए हैं।

अपहरण व दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

शाहजहांपुर। थाना सदर बाजार और थाना पुवायां की संयुक्त पुलिस टीम ने अपहरण व दुष्कर्म आदि की धाराओं में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। बीती 20 जून को थाना सदर बाजार पुलिस ने एक युवती की तहरीर पर थाना पुवायां क्षेत्र के गांव भूरखेड़ा अनावा निवासी विशाल शर्मा, अखिलेश शर्मा पुत्र राधाकृष्ण शर्मा, नीरजा पत्नी अखिलेश शर्मा और करन शर्मा के खिलाफ युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने, शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने, धोखाधड़ी, मारपीट, जातिसूचक गाली-गलौज और जान से मारने आदि गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। इसी क्रम में थाना सदर बाजार और थाना पुवायां पुलिस की संयुक्त टीम ने उक्त अभियोग में वांछित अभियुक्त विशाल शर्मा को उसके घर गांव भूरखेड़ा से गिरफ्तार किया।

वहीं, बताया जा रहा है कि दविश देने पहुंची पुलिस पर अभियुक्त विशाल शर्मा ने हमला कर दिया। दरोगा और सिपाही से गाली-गलौज कर मारपीट की और दरोगा की वर्दी फाड़ दी। पुलिस ने बमुश्किल अभियुक्त विशाल शर्मा को गिरफ्तार किया।

एसपी ने थाना कोतवाली का किया आकस्मिक निरीक्षण, दिए निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर । पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने एवं पुलिस कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से सोमवार को थाना कोतवाली का आकस्मिक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने थाना परिसर में साफ-सफाई, निर्माणाधीन बैरक, भोजनालय, पेयजल व्यवस्था, मालखाना, शस्त्रागार एवं बंदीगृह का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को परिसर को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने, मालों एवं शस्त्रों के सुरक्षित रख-रखाव तथा बंदियों की सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाने पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट प्रशिक्षुओं से संवाद कर उनके प्रशिक्षण की जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें थाना कार्यप्रणाली, विवेचना, जनसुनवाई एवं व्यवहारिक पुलिसिंग से संबंधित आवश्यक जानकारी दी। तत्पश्चात एसपी ने कार्यालय अभिलेखों का निरीक्षण करते हुए अपराध रजिस्टर, आगंतुक रजिस्टर, सामान्य डायरी (जीडी), बीट बुक, हिस्ट्रीशीटर रजिस्टर, टॉप-10 अपराधियों की सूची, गुंडा एक्ट एवं गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई, वारण्ट एवं समनों की तामील, लंबित विवेचनाओं तथा अभियोगों की समीक्षा की। उन्होंने महिला हेल्प डेस्क/मिशन शक्ति कक्ष एवं सीसीटीएनएस कक्ष का निरीक्षण कर महिलाओं से संबंधित शिकायतों के त्वरित एवं संवेदनशील निस्तारण, ऑनलाइन अभिलेखों के समयबद्ध अद्यतन, लंबित विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं अपराध नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कहा कि बीट प्रभारी आदि अपने-अपने क्षेत्रों में सतत भ्रमणशील रहकर संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि बनाए रखें और स्थानीय नागरिकों से समन्वय स्थापित कर सूचना तंत्र को सुदृढ़ करें। उन्होंने समस्त पुलिस बल को अनुशासन, समयपालन एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ ड्यूटी करने, आमजन के साथ शालीन एवं संवेदनशील व्यवहार बनाए रखने तथा फरियादियों की शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया।

लखीमपुर खीरी पुलिस ने 5 शातिर दबोचे, जेवरात और तमंचा बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के जनपद लखीमपुर खीरी में लंबे समय से पुलिस के लिए चुनौती बने चोर गिरोह के पांच अपराधियों को खीरी पुलिस और स्वाट/सर्विलांस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। इनके पकड़े जाने से खीरी और कोतवाली सदर क्षेत्र में हुई चोरी की कई बड़ी घटनाओं का सनसनीखेज खुलासा हुआ है।

एसपी खीरी डॉ. ख्याति गर्ग ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान मुनव्वर, प्रमोद कुमार, रामनारायण, संजय और उत्तम के रूप में हुई है। ये सभी खीरी जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के रहने वाले हैं। पुलिस टीम ने अपराधियों के पास से चोरी का भारी मात्रा में माल बरामद किया है, जिसमें चाँदी 10 जोड़ी पायल, 20 अदद बिछुआ, 1 करधनी और 8 पुराने सिक्के शामिल हैं, सोना की 5 अंगूठी, 1 ओम लॉकेट, 3 जोड़ी झुमके, 1 मांग टीका, मांग बिन्दी, 2 मंगलसूत्र और नाक की बालियां हैं। इसी के साथ नगदी 7,100 नगद और अभियुक्त मुनव्वर के पास से एक 315 बोर का अवैध तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। इन चोरों के खिलाफ थाना खीरी और कोतवाली सदर में भारतीय न्याय संहिता (उगट्ट) की विभिन्न धाराओं (जैसे 305(थ), 331(4), 317) और आर्म्स एक्ट के तहत आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ सख्त विधिक कार्यवाही करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया है।

सपा नेताओं ने व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाई भामाशाह की जयंती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर शाहजहांपुर बिजलीपुरा स्थित सपा के जिला कार्यालय पर व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में भामाशाह की जयंती मनाई गई। इस दौरान समाजवादी पार्टी के सभी नेताओं व पदाधिकारीयों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए और उनको याद किया।

इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन तनवीर खान की अध्यक्षता में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया और भामाशाह के योगदान पर चर्चा की गई। इस मौके पर पूर्व मंत्री अवधेश कुमार वर्मा, पूर्व एमएलसी अमित यादव उर्फ रिंकू, पूर्व विधायक रोशनलाल वर्मा, सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश प्रमुख महासचिव सैयद रिजवान अहमद, सपा प्रदेश सचिव रामसूरत यादव, विजय सिंह, सपा नगर विधानसभा अध्यक्ष अतिउल्ला सिद्दीकी, सपा महानगर अध्यक्ष चौधरी रामकुमार भोजवाल, सपा जिला उपाध्यक्ष संजीव कुमार वर्मा, अवधेश कुमार पाल, सपा छात्र सभा के जिलाध्यक्ष प्रसून कुमार कनौजिया, सपा अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष हफीज अंसारी, सपा महिला सभा की जिलाध्यक्ष किरन कठेरिया, महिला सभा की जिला महासचिव मंजू यादव, सपा महिला सभा की महानगर अध्यक्ष जफरीन, संतोष पाल, नीलम, राजेश सिंह, तेजपाल फौजी, सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव मोनू कुरैशी, गुफरान खान, मोहम्मद रमीज, मोहसिन खान, सुरजीत सिंह, वकार खान, पार्वती सैनी, सविता कठेरिया, रामरतन लाल सोनी, आसमा बी, हर्ष यादव, तैय्यब खान, मोहम्मद तौफीक, मोहम्मद तौसीफ, सुनील यादव, सचिन वर्मा, परविंदर यादव, यश मौर्य, श्लोक मौर्य, नीरज कुमार, आरिफ खान सपा जिला अध्यक्ष के प्रतिनिधि शाहनवाज आदि मौजूद रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पर जोश, समर्पण और संगठन शक्ति का भव्य प्रदर्शन

कमलापुर, सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कमलापुर मंडल के नागेश्वर नाथ धाम, पतारा में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती संस्मरण पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित जिला कार्यकर्ता सम्मेलन ऐतिहासिक उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में

मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जल शक्ति मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया।सम्मेलन में विधायक ज्ञान तिवारी, निर्मल वर्मा, आशा मौर्या, रामकृष्ण भार्गव, एमएलसी पवन सिंह चौहान, सुधाकर शुक्ल, बच्चा प्रसाद बाजपेई, कुंवर दिनकर प्रताप सिंह, नैमिष रत्न तिवारी, सचिन मिश्र, सुधाकर शुक्ला भरत त्रिपाठी राकेश त्रिपाठी अजय भार्गव सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का सफल संयोजक जिला पंचायत सदस्य दीपक शुक्ल के कुशल नेतृत्व में हुआ, जब कि मंडल अध्यक्ष आशुतोष मिश्र ने संगठनात्मक मजबूती का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। मंडल मीडिया प्रभारी ऋषि मिश्र, गन्ना चेयरमैन प्रतिनिधि रवि प्रकाश सिंह, नागेन्द्र सिंह अरविंद तिवारी, छोटू मिश्रा शक्ति केन्द्र प्रभारी सहित सैकड़ों की संख्या में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश और अनुशासन के साथ कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया। मुख्य अतिथि का संबोधन: अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान के लिए समर्पित था। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे उनके सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करें। उन्होंने कहा कि ल्लसंगठन की ताकत ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी हैङ्क और हर कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है। उन्होंने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनौतियों के लिए तैयार रहने, जनता के बीच सक्रिय संवाद बनाए रखने और सेवा भाव के साथ कार्य करने का संदेश दिया। डॉ. सिंह ने युवाओं की भागीदारी पर विशेष जोर देते हुए कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है, इसलिए अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ना समय की मांग है। उन्होंने अंत में सभी कार्यकर्ताओं से संकल्प लेने को कहा कि वे राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। सम्मेलन के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा जन-जन तक पार्टी की नीतियों को पहुंचाने का संकल्प लिया।

जनभागीदारी से ही साकार होगा टीबी मुक्त जनपद का सपना : सांसद के.एल. शर्मा

❒ 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत समय पर जांच और उपचार कराने की अपील

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जनपद में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत टीबी रोगियों की शीघ्र पहचान, समय पर उपचार तथा जनजागरूकता बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

इसी क्रम में सांसद के.एल. शर्मा ने जनपदवासियों से टीबी उन्मूलन अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि ''टीबी मुक्त जनपद का सपना जनभागीदारी से ही साकार होगा।'' उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय तक लगातार खांसी, बुखार, लगातार वजन कम होना, रात में अत्यधिक पसीना आना अथवा बलगम के साथ खून आना जैसे लक्षण दिखाई दें तो इसे नजरअंदाज न करें। ऐसे व्यक्ति को तत्काल अपने निकटतम सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर टीबी की जांच करानी चाहिए। सांसद ने कहा कि टीबी का समय पर पता लगने और नियमित उपचार से इस बीमारी को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि टीबी से जुड़े भ्रम और सामाजिक कलंक को समाप्त करें तथा अपने आसपास ऐसे लक्षण वाले लोगों को भी जांच कराने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि जनपद के सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी की जांच, दवाएं और उपचार पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध हैं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चन्द्रा ने बताया कि 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जनपद में हाई-रिस्क आबादी की सक्रिय स्क्रीनिंग, घर-घर संपर्क, निक्षय शिविरों का आयोजन तथा संदिग्ध मरीजों की त्वरित जांच कर उन्हें उपचार से जोड़ने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक संभावित टीबी मरीजों की समय रहते पहचान कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना है, जिससे संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ा जा सके। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि टीबी के लक्षण दिखाई देने पर बिना किसी संकोच के जांच कराएं और उपचार बीच में न छोड़ें। जिला क्षय रोग अधिकारी (डीटीओ) डॉ. अनुपम सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान अब तक 30157 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। इनमें से 2857 संभावित मरीजों की जांच कराई गई, जबकि 1993 नए टीबी मरीजों की पहचान कर उन्हें उपचार से जोड़ दिया गया है।

सहकारिता के सिद्धांतों का पालन करने की दिलाई शपथ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। देशव्यापी सहकारिता सप्ताह-2026 के उपलक्ष्य में सोमवार को जिला सहकारी बैंक के अटल सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष डीपीएस राठौर ने बैंक के अधिकारियों, कर्मचारियों और प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) के प्रतिनिधियों को सहकारिता के सिद्धांतों का पालन ईमानदारी से करने की शपथ दिलाई। डीपीएस राठौर ने कहा कि सहकारिता केवल एक बैंकिंग व्यवस्था नहीं है। बल्कि यह समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के आर्थिक व सामाजिक उत्थान का सशक्त माध्यम है। उन्होंने प्रधानमंत्री के 'सहकार से समृद्धि' संकल्प को साकार करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने एकता, समानता और आपसी सहयोग के सिद्धांतों के प्रति निष्ठावान रहने का प्रण लिया। सहायक आयुक्त सहकारिता गणेश गुप्ता ने बताया कि सहकारिता सप्ताह 29 जून से 6 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान किसानों से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला सहकारी बैंक सौरभ द्विवेदी ने कहा कि एक जुलाई को विशेष सदस्यता अभियान चलेगा। एडीसीओ बैंकिंग हरिकेश परमार ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस दौरान जिला सहकारी बैंक के अधिकारी, कर्मचारी और प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) के प्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

नशा मुक्ति भारत अभियान के अंतर्गत अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम (ई.एल.पी.) का आयोजन

रायबरेली, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता की अध्यक्षता में माय भारत के तत्वावधान में नशा मुक्ति भारत अभियान के अंतर्गत अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम (ई.एल.पी.) का आयोजन महात्मा गांधी सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के

प्रति जागरूक करते हुए उन्हें सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रेरित करना था। मुख्य विकास अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि नशा युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और भविष्य को प्रभावित करता है। इसे रोकने के लिए विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अन्य शिक्षण संस्थानों में निरंतर जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग यदि नशे से दूर रहकर सकारात्मक गतिविधियों में भागीदारी करेगा तो समाज और राष्ट्र दोनों सशक्त होंगे। इस अवसर पर अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम (ई.एल.पी.) के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले माय भारत के मुख्य युवा स्वयंसेवकों अनुष्का तिवारी, तन्वी द्विवेदी, नीहारिका सिंह, विशेष सिंह एवं अनन्त यादव को मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं युवा स्वयंसेवक सौम्या अवस्थी ने नशा मुक्ति विषय पर अपनी स्वरचित प्रेरणादायी कविता प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के समापन सत्र की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी ने की। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए नशामुक्त जीवन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। प्रत्येक युवा का दायित्व है कि वह स्वयं नशे से दूर रहे तथा अपने मित्रों, परिवार और समाज को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में स्वस्थ, जागरूक एवं नशामुक्त युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के प्रभावी माध्यम हैं और प्रत्येक नागरिक को इसमें सक्रिय सहभागिता निभानी चाहिए। जिला युवा अधिकारी वर्तिका सिंह ने बताया कि माय भारत के अंतर्गत प्रत्येक माह एक या दो अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम (ई.एल.पी.) आयोजित किए जाते हैं, जिनके माध्यम से युवाओं को विभिन्न विभागों एवं सामाजिक गतिविधियों से जोड़कर व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाता है।

सिविल लाइन क्षेत्र में दबंगों का आतंक, इंस्पेक्टर का सपोर्ट, दबंगों के आतंक का वीडियो वायरल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में दबंगों का आतंक दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है, सुस्त-पुलिसिंग को लेकर प्रभारी नकारा साबित हो रहा है। वही थाना सिविल लाइन क्षेत्र के गांव माझिया का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पुलिस का सुस्त रवैया प्रभारी की नाकामी साबित होती दिखाई दे रही है। आपको बता दें कि सिविल लाइन थाना क्षेत्र के गांव मझिया रहने वाले जगदीश ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि प्लाटिंग विक्रय करने के दौरान दबंगों ने हमला बोल दिया वहीं पीड़ित को लाठी-डंडा व फावड़ा, ईट से लैस होकर आए दबंगों ने चारों तरफ से घेर लिया और पीड़ित को फिल्मी स्टाइल में मारा पीटा गया, जिसमें पीड़ित को गंभीर चोटे आई। वही पीड़ित थाने आया और प्रभारी ने मुकदमा लिखने की वजह उसे थाने से भगा दिया। वही नकारा प्रभारी की कार्यशैली को लेकर पुलिस विभाग भी अब चिंतित है। वही पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया है कि प्रभारी तहरीर बदलने को लेकर दबाव बना रहा है। और दबंगो का खुला समर्थन देकर कानून व्यवस्था की धज्जिया उड़ा रहा है। वहीं जिले तेजतर्रार एसएसपी अंकिता शर्मा को व्यवस्था को बेहतर बनाने में लगी हुई है। लेकिन प्रभारी की कार्यशैली और पीड़ित की तहरीर बदलवाकर और दबंग का खुला समर्थन देकर विभाग की छवि खराब करने में लगा हुआ है। वहीं पूरी घटनाक्रम को लेकर एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें प्रभारी द्वारा दबगों का खुला सपोर्ट पीड़ित को लाठी-डंडे व फावड़ा ईट से लैस होकर जान से मारने की नियत से वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वही पीड़ित ने एसएसपी के समक्ष पेश होकर नाकारा प्रभारी की करतूते बतायी, वही प्रभारी द्वारा तहरीर बदलवाने को दबाव को लेकर पीड़ित ने एसएसपी को बताया, वही वायरल वीडियो को लेकर कैनविज टाइम्स पुष्टि नहीं करता है, लेकिन कानून व्यवस्था पोल-खोलता यह वीडियो जरूर नजर आ रहा है, वहीं इंस्पेक्टर इस मामले को लेकर कुछ बताने को तैयार नहीं है। क्योंकि दबंगों का खुला समर्थन प्राप्त है।

जिला सैनिक कल्याण विभाग की योजनाओं से पूर्व सैनिकों एवं आश्रितों को मिल रहा लाभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में संचालित विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं के माध्यम से पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को लाभान्वित किया जा रहा है। विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का त्वरित सत्यापन एवं अग्रसारण सुनिश्चित किया जा रहा है।

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने बताया कि केन्द्रीय सैनिक बोर्ड की पुत्री विवाह अनुदान योजना के अंतर्गत कुल पांच आवेदन ऑनलाइन प्राप्त हुए, जिनमें से एक पात्र लाभार्थी को 50 हजार रुपये की अनुदान राशि का भुगतान किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त दो अन्य पात्र आवेदनों का सत्यापन कर उन्हें केन्द्रीय सैनिक बोर्ड, नई दिल्ली को प्रेषित किया गया है तथा उनकी स्वीकृति भी प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया कि शिक्षा अनुदान योजना के अंतर्गत 98 आवेदन ऑनलाइन प्राप्त हुए, जिनमें से 93 लाभार्थियों के आवेदन पत्रों का सत्यापन कर उन्हें केन्द्रीय सैनिक बोर्ड, नई दिल्ली को अग्रसारित किया गया है तथा उन्हें स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत छह आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से तीन लाभार्थियों के आवेदन केन्द्रीय सैनिक बोर्ड द्वारा स्वीकृत किए जा चुके हैं।

इसके अतिरिक्त राज्य सैनिक पुनर्वास निधि से संचालित छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत प्राप्त दो आवेदनों का सत्यापन कर उन्हें राज्य सैनिक पुनर्वास निधि, लखनऊ को प्रेषित किया गया है। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास विभाग द्वारा पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके आश्रितों के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध तरीके से लाभ प्राप्त हो सके।

नगर पालिका के तीन साल बेमिसाल : फात्मा रज़ा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। नगर पालिका परिषद के तीन वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रविवार देर शाम नगर पालिका कार्यालय परिसर में आयोजित उपलब्धि समारोह में विकास कार्यों का विस्तृत लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सपा सांसद आदित्य यादव ने नगर पालिका अध्यक्ष फात्मा रज़ा के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि पिछले तीन वर्षों में बदायूँ शहर में अनेक ऐतिहासिक विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने के बाद नगर के विकास को और अधिक गति मिलेगी तथा बदायूँ की तस्वीर पूरी तरह बदलने का कार्य किया जाएगा।

सांसद आदित्य यादव ने कहा कि नगर पालिका द्वारा कराए गए विकास कार्य केवल निर्माण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उन्होंने शहर के बुनियादी ढांचे को नई मजबूती प्रदान की है। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और सफाई जैसे क्षेत्रों में हुए कार्य आम नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने वाले हैं। उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष फात्मा रज़ा और पूरी टीम को तीन वर्षों की उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए आगे भी जनहित में इसी तरह कार्य करते रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व मंत्री आबिद रज़ा ने कहा कि नगर पालिका का कार्य प्रत्येक नागरिक के दैनिक जीवन से जुड़ा होता है और यही कारण है कि यहां किया गया विकास सीधे जनता के जीवन को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में शहर की जनता ने जिस भरोसे के साथ फात्मा रज़ा को नगर पालिका अध्यक्ष चुना था, उन्होंने विकास कार्यों के माध्यम से उस विश्वास को मजबूत किया है। उन्होंने फात्मा रज़ा से अगले दो वर्षों में भी इसी प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प के साथ विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष फात्मा रज़ा ने अपने तीन वर्ष के कार्यकाल का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि उनका संकल्प शुरू से ही बिना किसी जाति, धर्म या क्षेत्रीय भेदभाव के पूरे शहर का समान रूप से विकास करना रहा है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका ने हर वार्ड की आवश्यकता के अनुरूप विकास योजनाएं तैयार कीं और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया। उनका उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं बल्कि शहर के प्रत्येक नागरिक तक विकास की रोशनी पहुंचाना रहा।

उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में नगर पालिका परिषद द्वारा 189 सड़कों एवं गलियों का निर्माण कराया गया, जबकि जल निकासी व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए 33 नए नालों का निर्माण कराया गया। पेयजल संकट से राहत दिलाने के उद्देश्य से छह मिनी नलकूप स्थापित किए गए, कई इलाकों में नई पाइप लाइनें बिछाई गईं, आवश्यकता वाले क्षेत्रों में पानी के टैंकर उपलब्ध कराए गए तथा लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए आरओ प्लांट स्थापित किए गए। फात्मा रज़ा ने बताया कि सफाई व्यवस्था को आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए तीन एमआरएफ सेंटर स्थापित किए गए। इसके साथ ही तीन जेसीबी मशीनें, दस ट्रैक्टर-ट्रॉलियां, 41 ई-रिक्शा, पांच टैंपो और आठ बड़े कूड़ेदान खरीदे गए, जिससे कूड़ा उठान और सफाई व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक सुदृढ़ हुई है। उन्होंने कहा कि शहर की प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 900 एलईडी स्ट्रीट लाइटें तथा प्रमुख चौराहों एवं मार्गों पर ऑक्टागोनल पोल के साथ आधुनिक एलईडी लाइटें स्थापित कराई गईं। इन सभी विकास कार्यों पर लगभग 49 करोड़ 89 लाख 93 हजार रुपये व्यय किए गए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के साथ कर्मचारियों के हितों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। नगर पालिका कर्मचारियों के वर्षों से लंबित 16 करोड़ 73 लाख 12 हजार रुपये के बकाया का भुगतान कराया गया, जिससे कर्मचारियों में नई ऊर्जा और विश्वास पैदा हुआ। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्य पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ कराया गया। नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों तक पहुंचने वाले मार्गों का भी विशेष रूप से निर्माण कराया गया। पंजाबी चौक से गुरुद्वारा मार्ग, इंद्रा चौक स्थित चर्च तक जाने वाली सड़क, जामा मस्जिद क्षेत्र की सड़कें तथा छोटे सरकार की दरगाह तक पहुंचने वाले मार्गों को प्राथमिकता देकर तैयार कराया गया। उन्होंने कहा कि नगर पालिका ने सभी धर्मों के लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए विकास को सामाजिक समरसता का माध्यम बनाया है। उन्होंने दावा किया कि तीन वर्षों में बनी लगभग 50 प्रतिशत सड़कें हिंदू बहुल क्षेत्रों तथा लगभग 50 प्रतिशत सड़कें मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में बनाई गईं। विकास कार्यों का आधार केवल जनहित और आवश्यकता रही, न कि किसी प्रकार का भेदभाव। यही कारण है कि आज शहर के प्रत्येक क्षेत्र में विकास कार्य स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। फात्मा रज़ा ने अपने संबोधन में तीन वर्षों की उपलब्धियों का श्रेय पूर्व मंत्री आबिद रज़ा को देते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व, निरंतर मार्गदर्शन और सर्वसमाज को साथ लेकर चलने की सोच से प्रेरणा लेकर ही नगर पालिका लगभग 50 करोड़ रुपये के विकास कार्य कराने में सफल हुई है। उन्होंने नगर पालिका के सभासदों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा शहरवासियों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी बदायूँ के विकास की रफ्तार इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगा।

जूनियर इंजीनियर की सड़क हादसे में मौत परिवारजनों ने लगाया हत्या का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड के जूनियर इंजीनियर की मौत के मामले में उनके भाई ने इसे सड़क हादसा मानने से इन्कार किया। उन्होंने साजिश के तहत हत्या का आरोप लगाया है। भाई ने पुलिस से निष्पक्ष जांच और हत्या की रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की। आपको बता दें कि पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड के जूनियर इंजीनियर जितेंद्र सिंह चंदेल की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। सोमवार को बदायूं पहुंचे मृतक के भाई ने इसे सड़क हादसा मानने से इनकार करते हुए साजिश के तहत हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। भाई ने पुलिस से निष्पक्ष जांच कर हत्या की रिपोर्ट दर्ज करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मध्यप्रदेश के छतरपुर के नौगांव निवासी जेई जितेंद्र सिंह चंदेल का शव रविवार शाम उघैती थाना क्षेत्र में सड़क किनारे खंदी में मिला था। उनके बड़े भाई विनय सिंह चंदेल ने पोस्टमॉर्टम हाउस पर बताया कि जितेंद्र सिंह चंदेल की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी और जिस परिस्थितियों में उनका शव व बाइक खंती में मिली है, उससे मामला संदिग्ध प्रतीत होता है। उनका आरोप है कि पहले हत्या की गई और बाद में इसे हादसे का रूप देने का प्रयास किया गया। उन्होंने पुलिस से पूरे घटनाक्रम की गहन जांच कराने, मोबाइल की कॉल डिटेल, लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच कराने की मांग की है। गौरततलब है कि रविवार की शाम करीब चार बजे राहगीरों के माध्यम से गांव वालों को उघैती थाना क्षेत्र के चाचीपुर भट्ठे के पास सड़क किनारे खंदी में शव पड़े होने की सूचना मिली थी। गांव वालों ने यह बात प्रधान को बताई। प्रधान से सूचना मिलने के बाद शाम 5.30 बजे पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। शव की शिनाख्त जेई जितेंद्र सिंह चंदेल के रूप में हुई। पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुला लिया। टीम ने मौके पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक वह मूल रूप से नौगांव छतरपुर के रहने वाले थे। 27 जून को दोपहर इंजीनियर बाइक से गांव विक्रमपुर चौशेरा थाना इस्लामनगर के लिए क्वालिटी चेकिंग के काम से निकले थे, जो देर रात तक वापस नहीं आए। काफी ढूंढने के बाद भी उनका पता नहीं लगा। उनका मोबाइल भी स्विच ऑफ जा रहा था। कंपनी के अधिकारी पवन कुमार वर्मा ने शनिवार शाम बिनावर थाने में गुमशुदगी की तहरीर दी थी। वही उघैती इंस्पेक्टर ऋषिपाल सिंह ने बताया कि पीएम करकरके शव परिजनों को दे दिया गया है, और परिजनों की ओर अभी तहरीर नहीं दी गई है, तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पिछली सरकारों ने प्रदेश को बर्बाद किया था : गिरीश चंद्र यादव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में प्रदेश के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद्र यादव ने लुंबिनी दूध्धी राष्ट्रीय राजमार्ग से आईटीआई इंदिरा गांधी स्टेडियम होकर जाने वाली करंजाकला सैदपुर गड़ऊर देवकली भदेठी सड़क के चौड़ीकरण का शिलान्यास सोमवार को किया । उन्होंने बताया कि यह 9 करोड़ 26 लाख की लागत से सड़क का निर्माण होगा। इसके अलावा शहर में फ्लाईओवर व रेलवे अंडर पास की सौगातें मिल चुकी हैं। जल्द ही सब निर्माण होगा। प्रदेश के स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने सड़क चौड़ीकरण शिलान्यास के बाद इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, बसपा जो भी सरकारी रही हैं वह देश और प्रदेश को बर्बाद किया था। जब से भाजपा ने सत्ता सम्भाली है तब से विकास के लिए वह हर संभव कदम उठा रही है। लोगों को बिजली पानी शिक्षा स्वास्थ्य चिकित्सा सड़क अन्य संसाधन की सुविधायें बढ़ी हैं। उन्होंने कहा जौनपुर जिले में प्रदेश के मुख्यमंत्री को हमने फ्लाईओवर का डिमांड किया तो उन्होंने कहा कि सारा फ्लाईओवर जौनपुर में ही बनवाएंगे क्या ? उन्होंने जगदीशपुर आदमपुर नईगंज प्रयागराज रोड पर तत्काल फ्लाईओवर की स्वीकृति दी। साथ में खेतासराय के आगे रेलवे फ्लाईओवर की जल्द ही स्वीकृति मिल जाएगी और करीब एक दर्जन स्थानो पर रेलवे अंडरपास बनने की स्वीकृति मिल गई है। कई जगह बन भी चुके हैं। जल्द ही रेलवे पार करने की समस्या हो या अन्य जाम की समस्या हो सब समाप्त हो जाएंगी। रिंग रोड शीघ्र कंप्लीट होंगे। आवागमन की सुविधा बेहतर होगी। चौमुखी विकास योगी मोदी सरकार कर रही है। हमने तत्परता से गोमती नदी की समस्याओं का समाधान किया और आगे सकारात्मक पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को जो भी सुविधा जरूरत होगी उसे तत्काल उपलब्ध कराया जाएगा । भाजपा नेता सुनील कुमार यादव मम्मन ने संबोधित करते हुए कहा कि बिजली पानी स्वास्थ्य चिकित्सा खेल संसाधन के साथ- ग्रामीण क्षेत्रों में हर तरह की समस्याओं के निदान पर ध्यान दिए जा रहे हैं। शौचालय नाली खड़ंजा बिजली व्यवस्था पानी व्यवस्था बेहतर किया गया। विकास की गंगा योगी मोदी सरकार बहा रही है।

कासगंज में ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश, प्रशिक्षु महिला पायलट घायल

कासगंज । उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में सोमवार पूर्वान्ह एक प्रशिक्षण विमान अचानक अनियंत्रित होकर क्रैश हो गया। विमान के हाई टेंशन तार से टकराने के बाद निर्माणाधीन सड़क के किनारे गिरने से महिला प्रशिक्षु पायलट घायल हो गई है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि आज दोपहर बाद करीब 3:30 बजे अलीगढ़ जनपद के धनीपुर हवाई पट्टी से अपने नियमित प्रशिक्षण पर निकला प्रशिक्षण विमान हवा में ही अनियंत्रित होकर कासगंज जनपद के क्षेत्र में पुलिस लाइन के निकट निर्माणाधीन बरेली-मथुरा राजमार्ग मार्ग के किनारे जा गिरा। इस ट्रेनीज टू सीटर एयरक्राफ्ट संख्या वीटी-एएफबी से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिला पायलट गंभीर रूप से घायल हो गई। पायलट की पहचान मुम्बई (महाराष्ट्र) के पावई विहार निवासी कायनात पुत्री कादिरखान (27 वर्ष) के रूप में हुई। विमान दुर्घटना की सूचना मिलने पर जिला प्रशासन में हड़कंप बच गया। तत्काल स्थानीय पुलिस प्रशासन की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई।

कोचिंग संस्थानों की समस्याओं के समाधान हेतु जिला प्रशासन का विशेष शिविर आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। जनपद में संचालित कोचिंग संस्थानों की समस्याओं के समाधान एवं निर्धारित मानकों की पूर्ति के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय विशेष शिविर के प्रथम दिवस का आयोजन रायबरेली विकास प्राधिकरण सभागार में किया गया। शिविर में विकास प्राधिकरण, माध्यमिक शिक्षा विभाग, अग्निशमन विभाग एवं विद्युत सुरक्षा विभाग सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिला विद्यालय निरीक्षक (कक्ष्ट्ट) को इस शिविर का नोडल अधिकारी नामित किया गया है। शिविर में बड़ी संख्या में कोचिंग संचालकों ने भाग लेकर पंजीकरण एवं निर्धारित मानकों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने संचालकों की समस्याएं सुनीं तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। नोडल अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक ने स्पष्ट किया कि किसी भी कोचिंग संचालक को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संचालक पंजीकरण कराकर एवं निर्धारित मानकों की पूर्ति करते हुए अपने संस्थानों का संचालन कर सकते हैं। हालांकि सभी आवश्यक मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा। इस अवसर पर कोचिंग फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया, रायबरेली के अध्यक्ष विक्रम सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा विशेष शिविर आयोजित किया जाना सराहनीय पहल है, लेकिन वर्तमान कोचिंग अधिनियम एवं नियमों के अंतर्गत अधिकांश छोटे एवं मध्यम कोचिंग संस्थानों के लिए सभी मानकों को पूरा करना अत्यंत कठिन है। उन्होंने कहा कि कोचिंग फ़ेडरेशन लगातार कोचिंग संस्थानों को तत्काल संचालन की अनुमति दिलाने के लिए जनप्रतिनिधियों एवं शासन-प्रशासन से निरंतर संपर्क कर रहा है। यदि शीघ्र ही कोचिंग संस्थानों के संचालन की अनुमति नहीं दी गई तो हजारों विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होगी तथा इस क्षेत्र से जुड़े शिक्षकों, कार्यालय कर्मचारियों, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों और प्रबंधकों सहित बड़ी संख्या में लोगों के समक्ष रोजगार का संकट खड़ा हो जाएगा।

विक्रम सिंह ने कहा कि कोचिंग अधिनियम में व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए पुनर्विचार एवं आवश्यक संशोधन किए जाने की आवश्यकता है, ताकि विद्यार्थियों की शिक्षा बाधित न हो, छोटे एवं मध्यम कोचिंग संस्थान सुचारु रूप से संचालित हो सकें तथा इस क्षेत्र से जुड़े हजारों लोगों का रोजगार सुरक्षित रह सके। उन्होंने सभी कोचिंग संचालकों से अपील की कि वे प्रशासन द्वारा आयोजित आगामी शिविरों में भी उपस्थित होकर आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करें तथा प्रशासन के साथ सहयोग बनाए रखें।

लिफ्ट देने के बहाने बाइक सवार ने महिला से की अश्लील हरकत

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता। सहसवान कोतवाली क्षेत्र में लिफ्ट देने के बहाने एक युवक महिला को बाइक पर बैठाकर जंगल में ले गया। वहां आरोपी ने महिला के साथ अश्लील हरकत की। पुलिस ने महिला की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र निवासी एक महिला का कहना है कि वह शनिवार को सहसवान आई थी। वापस गांव जाने के लिए वह वाहन का इंतजार कर रही थी। काफी देर तक उसे कोई वाहन नहीं मिला। इसी दौरान गांव भवानीपुर निवासी अहमद अपनी बाइक से जा रहा था। पीड़िता ने उससे गांव छोड़ने का आग्रह किया। युवक ने उसे बाइक पर बैठा लिया। महिला का आरोप है कि युवक उसे मुख्य रास्ते के बजाय जंगल की ओर ले गया। वहां एकांत में बाइक रोककर उससे छेड़खानी करने लगा। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से बाइक लेकर भाग निकला। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। वहीं, सीओ सहसवान अशोक कुमार सिंह ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है, जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आयोग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूर्ण करें अधिकारी, सीडीओ ने की संपूर्णता अभियान 2.0 की समीक्षा

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। मुख्य विकास अधिकारी, बदायूँ की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में आकांक्षात्मक विकास खण्ड उसावाँ, कादरचौक, सालारपुर, वजीरगंज एवं नीति आयोग द्वारा आवास विकास खण्ड अंबियापुर एवं आसफपुर के अन्तर्गत सम्पूर्णता अभियान 2.0, परिवार आई0डी0 की दैनिक प्रगति, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण / मुख्यमंत्री आवास योजना, मनरेगा एवं आजीविका मिशन योजना की समीक्षा की गई। बैठक में जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण / ग्रामीण श्रम रोजगार ग्रामीण स्वतः रोजगार, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत एवं खण्ड विकास अधिकारियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में सम्पूर्णता अभियान 2.0 पर विस्तार से चर्चा की गई एवं आगामी सम्पूर्णता अभियान की तैयारियों के सम्बन्ध में समस्त सम्बन्धित लाभार्थियों को अपने इंडीकेटर्स की आयोग से निर्धारित लक्ष्य अनुसार शतप्रतिशत पूर्ति करने के निर्देश दिये गये। खण्ड विकास अधिकारियों एवं शोधार्थियों को यह भी निर्देश दिये गये कि वह अपने-अपने विकास खण्ड से कराये गये उत्कृष्ट कार्यों की सफलता की कम से कम 01 कहानी तैयार कर उपलब्ध करायें। परिवार आई0डी0 की प्रगति की समीक्षा की गई निर्देश दिये गये कि नगर क्षेत्र / नगर पंचायतों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों में कैम्प लगाकर परिवार आई0डी0 बनवाने की कार्य योजना तैयार कर आई0डी0 बनवायें। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण / मुख्यमंत्री आवास योजना, मनरेगा योजना एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन योजना की भी समीक्षा की गई। मनरेगा योजनान्तर्गत मियावाकी पद्धति से सघन वृक्षारोपण करने एवं जल संरक्षण करने हेतु तालाबों के लिए भूमि चिहिन्त करने के निर्देश दिये गये।

पुलिस ने मारपीट की घटना में वांछित युवक को गिरफ्तार कर भेजा जेल

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना जामो पुलिस ने मारपीट की घटना में वांछित एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है जिनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक हथौड़ी बरामद किया है।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना जामो पुलिस द्वारा तलाश वांछित, देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर मारपीट की घटना में वांछित अर्जुन पुत्र नन्हेलाल निवासी ग्राम पूरे सिंह मिश्र मजरे सूखीबाजगढ़ थाना जामो को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम ने पकड़े गये युवक की निशानदेही पर मारपीट की घटना में प्रयुक्त एक हथौड़ी को बरामद किया गया। इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार युवक द्वारा बीती बीस जून को हरिशंकर विश्वकर्मा के साथ मारपीट की गई थी। उनतीस जून को इलाज के दौरान हरिशंकर विश्वकर्मा की मृत्यु हो गई है। इस सम्बंध में थाना जामो के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस द्वारा अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

युवा व्यापार मंडल ने धूमधाम से मनाई दानवीर भामाशाह की जयंती

संभल। युवा व्यापार मंडल ने धूमधाम से मनाई दानवीर भामाशाह की जयंती और शपथ ली की अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की युवा इकाई प्रत्येक व्यापारी के साथ खड़ा रहेगा वो व्यापारी छोटा हो या बड़ा व्यापारी हो वा समाज सेवा का लिया संकल्प। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की युवा इकाई के तत्वावधान में देश के महान गौरव और अद्वितीय दानी भामाशाह की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन युवा इकाई के नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय 'अन्नू' के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित व्यापारियों ने भामाशाह के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय 'अन्नू' ने कहा की दानवीर शिरोमणि भामाशाह का त्याग और राष्ट्रभक्ति पूरे विश्व के लिए अद्वितीय उदाहरण है। जब देश और मातृभूमि की रक्षा के लिए महाराणा प्रताप संकट में थे, तब भामाशाह ने अपनी जीवनभर की पूंजी देश के लिए समर्पित कर दी थी। आज के युवा व्यापारियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। हमारा उद्देश्य केवल व्यापार करना नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाना भी है। व्यापार मंडल संकट की हर घड़ी में समाज और व्यापारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा। युवा इकाई के पदाधिकारियों ने उनके पदचिह्नों पर चलते हुए व्यापार में ईमानदारी और समाज कल्याण के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का संकल्प दोहराया। इस दौरान संगठन को मजबूत करने और स्थानीय व्यापारियों की समस्याओं के समाधान पर भी चर्चा हुई। संकल्प लेने में निशांत शर्मा उमेर शम्सी सोनू अग्रवाल संजू दीपक कमल राजू चड्ढा महताब बबलू अमित आदि प्रमुख पदाधिकारी, स्थानीय व्यापारी मौजूद रहे।

आपदा के समय सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से बचाई जा सकती हैं जानें : महेश कुमार

कानपुर। आग जैसी आपदाओं से होने वाले नुकसान को सतर्कता, प्रशिक्षण और समय पर की गई कार्रवाई से काफी हद तक कम किया जा सकता है। अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन और कर्मचारियों का नियमित प्रशिक्षण मरीजों की सुरक्षा के लिए बेहद आवश्यक है। यह बातें सोमवार को पुलिस कमिश्नरेट के नोडल अधिकारी एवं एडीसीपी महेश कुमार ने तीन दिवसीय अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर कहीं।

बिगत दिनों लखनऊ में हुए अग्निकांड के बाद कानपुर पुलिस के द्वारा आपातकालीन स्थिति सें बचने के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत आज अंतिम दिन प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन शहर के विभिन्न अस्पतालों के संचालकों और प्रबंधन से जुड़े प्रतिनिधियों को आग लगने की स्थिति में बचाव, राहत कार्य और सुरक्षित निकासी (इवैक्यूएशन) की विस्तृत जानकारी दी गई। फायर विभाग की टीम ने अस्पतालों में आग लगने के संभावित कारणों, उनसे बचाव के उपायों और आपात स्थिति में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को अग्निशमन उपकरणों के सही इस्तेमाल, मरीजों और कर्मचारियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की प्रक्रिया तथा शुरुआती स्तर पर आग पर काबू पाने के व्यावहारिक तरीके बताए गए। साथ ही मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा की स्थिति में त्वरित और समन्वित कार्रवाई का अभ्यास भी कराया गया।

एडीसीपी महेश कुमार ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान कोचिंग संस्थानों, होटल संचालकों और अस्पताल प्रबंधन के लिए अलग-अलग सत्र आयोजित किए गए। इसका उद्देश्य विभिन्न संस्थानों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आवश्यक कौशल विकसित करना था। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी दुर्घटना के दौरान वीडियो बनाने के बजाय पीड़ितों की मदद के लिए आगे आएं और तत्काल पुलिस तथा फायर विभाग को सूचना दें। उन्होंने कहा कि समय पर मिली सहायता और सही सूचना कई लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

इटावा : सदर तहसील में जर्जर भवन ध्वस्तीकरण के समय लिंटर गिरा, एक मजदूर की मौत, दूसरा घायल

इटावा। उत्तरप्रदेश के इटावा जनपद में थाना कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत सदर तहसील परिसर में सोमवार को ध्वस्तीकरण किए जा रहे जर्जर भवन का लिंटर टूटकर नीचे गिर गया । लिंटर के नीचे दो मजदूर दब गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन कर लेंटर के नीचे दबे मजदूरों को बाहर निकाला और उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा जहां एक मजदूर को मृत घोषित कर दिया गया जबकि दूसरे का उपचार हो रहा है। तहसील में हादसे के चश्मदीद मुहम्मद अनीस ने बताया कि आज वह तहसील में लेखपाल से मिलने आए थे, तभी तहसील में भगदड़ का माहौल हो गया। मैने मौके पर जाकर देखा तो पता चला कि एक जर्जर भवन जिसके ध्वस्तीकरण का काम चल रहा था जिसके लेंटर टूटकर नीचे गिर गया । मलबे के नीचे दो मजदूर दब गए है पुलिस ने रेस्क्यू कर उन्हें बाहर निकाला है।

जिलाधिकारी शुभ्रांत शुक्ला ने बताया कि सदर तहसील परिसर में जर्जर भवन जिसके ध्वस्तीकरण का कार्य करवाया जा रहा था जिसके दौरान भवन का लेंटर टूटकर नीचे गिर गया और हादसे में लेंटर के नीचे मलबे में दबकर एक मजदूर साहिल पुत्र राजू खान निवासी मेवाती टोला की मौत हो गई है और शोएब पुत्र छोटे खान निवासी मेवाती टोला घायल हुआ है ।

बेसमेंट में रेस्टोरेंट, हादसों को दावत

बेसमेंट में सिर्फ पार्किंग व स्टोर की अनुमति

जानकारों का कहना है कि बेसमेंट में अस्पताल, पैथॉलाजी, लैब, रेस्टोरेंट,पार्टी हॉल समेत अन्य कारोबार चलाना दमकल अधिनियम का उल्लंघन है।यही नहीं राज्य सरकार की गाइडलाइन में भी बेसमेंट में कोचिंग सेंटर, व्यावसायिक गतिविधियां प्रतिबंधित हैं।ऐसी गतिविधियां वेंटिलेशन की कमी के कारण जानलेवा साबित हो सकती हैं।

चंद मिनटों में भर जाता धुआं

अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक यदि किसी व्यावसायिक भवन के बेसमेंट में आग लग जाए तो वहां फायर सेफ्टी के बिना चंद मिन टों में ही धुआं भर जाता है।धुआं निकलने की जग ह न हो तो वहां काम कर रहे लोगों का दम घुटना तय है। बेसमेंट में न तो कोई खिड़की होती है और न ही पर्याप्त ऑक्सीजन।शॉर्ट सर्किट या अन्य का रणों से कभी आग लग जाए तो बड़ी अनहोनी हो सकती है।

जानते सब हैं मगर कोई कुछ नहीं करता

ऐसा नहीं है कि प्रशासनिक अधिकारियों को नगर के अलग-अलग हिस्सों में बेसमेंट में कोचिंग सेंटर, पैथोलॉजी लैब आदि के संचालन की जानकारी न हीं है।सब पता होने के बावजूद स्थानीय प्रशासन नगर पंचायत प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और दम कल विभाग किसी तरह की कार्रवाई नहीं करता है।इससे इन विभागों के अधिकारियों की कार्यप्र णाली पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। व्याव सायिक भवनों के मानक जांचने के लिए एक टीम गठित की जाएगी।अभी शासन के निर्देश पर को चिंग सेंटरों की जांच कराई गई है। यह कार्रवाई लगातार चलती रहेगी।नियमों की अनदेखी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।सिटी मजिस्ट्रेट गोंडा,

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। नियम कानून को ताक पर रख जनपद में सैकड़ों कारोबारी बेसमेंट में व्यावसायिक गतिवि धियों का संचालन कर रहे हैं। ऐसे में आपदा की स्थिति में यहां लोगों की जान दांव पर है। जिला मुख्यालय से लेकर आस-पास के कस्बों में कई होटल के पार्टी हॉल,किचन, खाने के लिए टेबल हॉल बेसमेंट में संचालित हो रहे हैं,इनमें आने जाने के लिए रास्ता भी एक ही है।जनपद में करीब एक हजार से अधिक व्यावसायिक भवन हैं। अधिकतर के पास भवन का नक्शा स्वीकृत नहीं है।व्यावसा यिक गतिविधियां होने के बाद भी अग्निशमन वि भाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी)नहीं लिया गया है। इनमें कई जगहों पर बेसमेंट में कारोबारी गतिविधियां चल रही हैं।बेसमेंट में चलने वाले प्रति ष्ठानों में न तो पर्याप्त वेंटिलेशन है और न ही आपा तकालीन निकासी के उचित इंतजाम।बिल्डिंग बा यलॉज के मुताबिक बेसमेंट में सिर्फ पार्किंग व स्टो रेज की ही इजाजत है। सोमवार को कैनविज टाइ म्स ने पड़ताल कर हकीकत जांची तो गोंडा जिला मुख्यालय पर कई होटल ऐसे दिखे जिनके बेसमेंट में कारोबारी गतिविधियां संचालित होती मिलीं है। एक में तो पार्टी के लिए हॉल सजाया गया था।एक में किचनशेड नजर आया,अंबेडकर चौराहे के पास एक होटल में बेसमेंट में लोगों के बैठकर खाने का इंतजाम है। यही हाल एलबीएस चौराहा, रोडवेज बस स्टॉप,चौक बाजार,स्टेशन रोड, आवासविकास सर्कुलर रोड पर बने होटल, मॉल जैसी इमारतों का नजर आया।यहां भी बेसमेंट में कारोबारी गतिवि धियां संचालित होती नजर आईं। लखनऊ हादसे के बाद प्रशासन भले ही बेसमेंट में चल रही कारो बारी गतिविधियों पर सख्ती के दावे कर रहा हो ले किन इसका असर नहीं दिख रहा है।

खलिहान की भूमि पर अवैध आक्रमण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। शासन प्रशासन के द्वारा लाख प्रयास करने के बावजूद भी ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी जमीनों पर अवैध आक्रमण करना लोगों द्वारा आम बात हो गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कोत वाली देहात के सालपुर सेमरा ग्राम पंचायत सिक ली पुरवा में रहमत अली उर्फ टीड़ी के द्वारा सरका री खलिहान की भूमि गाटा संख्या 452 पर अवैध रूप से आक्रमण करके झुग्गी झोपड़ी ,जानवरों का नादा, चारा काटने की मशीन, मुर्गी का दरबा आदि के साथ मिट्टी पाट करके अवैध रूप से अति क्रमण कर रखा गया है।

शिकायत के बाद भी नहीं हो रही कार्रवाई

उपरोक्त अतिक्रमणकारी रहमत अली के द्वारा अवैध रूप से किये गये खलिहान अतिक्रमण को लेकर संपूर्ण समाधान दिवस प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली देहात,जिलाधिकारी को शमशेर नूर आलम नौशाद बबन एचपी श्रीवास्तव आदि के द्वारा कई बार शिकायती पत्र दिया जा चुका है परं तु समस्या आज भी ज्यों की त्यों बनी है और उप रोक्त खलिहान से अवैध अतिक्रमण नहीं हट सका है,स्थानीय लोगों के द्वारा समाचार पत्र के माध्यम से शासन प्रशासन तक अपनी बात पहुंचते हुए उपरोक्त खलिहान से आक्रमण हटाने की मांग की है।वहीं इस संबंध में क्षेत्रीय लेखपाल प्रिस मौर्य से दूरभाष पर वार्ता किया गया तो उन्होंने बताया कि 21 जून को मौके पर जाकर गांव वालों के बीच में उपरोक्त खलिहान का सीमांकन करके खलिहान में आक्रमण किए हुए रहमत अली उर्फ टीड़ी को 15 दिन का समय अतिक्रमण हटाने के लिए दिया गया है।यदि उनके द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाया जाता है तो 15 दिन के बाद में पुलिस को साथ लेकर कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने दिव्यांग व्यक्ति को दिलाई ट्राईसाइकिल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा।जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनता दर्शन जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान संवेद नशील एवं सराहनीय पहल देखने को मिली। जन सुनवाई के क्रम में दिव्यांग शिकायतकर्ता रामसरन पुत्र बड़कऊ,निवासी ग्राम गंगा पण्डरी इटियाथोक, गोण्डा ने अपनी समस्या को लेकर उपस्थित हुए। उनकी स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अपने कार्यालय कक्ष से बाहर आकर उनकी बातों को गंभीरता एवं भावपूर्ण ढंग से सुना।रामसरन ने अपनी दैनिक जीवन की कठि नाइयों को साझा करते हुए आवागमन में आ रही समस्याओं से अवगत कराया।जिलाधिकारी ने त त्काल मामले की गंभीरता को समझते हुए संबंधि त विभाग के अधिकारियों से मौके पर ही वार्ता की और आवश्यक निर्देश दिए। उनकी तत्परता और सकारात्मक पहल के परिणामस्वरूप कलेक्ट्रेट परिसर में ही दिव्यांगजन को ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई गई।साथ ही उपरोक्त व्यक्ति को दिव्यांग पेंशन व अन्य योजनाओं का लाभ शीघ्र तिशीघ्र दिलाने के निर्देश दिये हैं।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने जिलाधिकारी की इस संवेदन शीलता एवं त्वरित कार्यवाही की सराहना की। यह पहल न केवल प्रशासन की जवाबदेही को दर्शाती है,बल्कि समाज के कमजोर वर्गों के प्रति सहानु भूति और सहयोग की भावना को भी मजबूत करती है।जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि हर जरूरतमंद व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि दिव्यांगजन एवं अन्य पात्र लाभार्थियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समा धान सुनिश्चित किया जाए।मौके पर जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी सुश्री माधवी। पाण्डेय, वसीम अहमद दिव्यांग विभाग उपस्थित रहे।

पहली बारिश में ही धह गई मनकापुर रेलवे स्टेशन की दीवार

केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री के गृह क्षेत्र के मनकापुर रेलवे स्टेशन पर चार माह पहले आठ लाख रूपये की लागत से बनी बाउंड्री हुई धराशाही

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री के गृह क्षेत्र के रेलवे स्टेशन मनकापुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-एक पर चार महीने पहले बनी सुरक्षा दीवार सोम वार सुबह पहली बारिश में ढह गई है।करीब आठ लाख रुपये की लागत से निर्मित इस दीवार के गि रने के बाद निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर स वाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, यह सुरक्षा दीवाल पिछले वर्ष बारिश में क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके पुनर्निर्माण का ठेका रेलवे प्रशासन ने श्रीरा म कंस्ट्रक्शन को दिया था।लगभग आठ लाख रुप ये की लागत से तैयार हुई यह दीवार पहली ही बा रिश का सामना नहीं कर सकी और नींव समेत ध राशायी हो गई।कार्य के निरीक्षण अधिकारी (आई ओ) रणधीर मौर्य ने बताया कि निर्माण कार्य का ठे का श्रीरामकंस्ट्रक्शन के प्रोपराइटर के.पी.वर्मा को दिया गया था।उन्होंने कहा कि ठेकेदार का भुगता न अभी तक नहीं किया गया है। साथ ही उन्होंने पूरे मामले की जांच कराने के निर्देश दिए हैं।यदि जांच में निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया,तो संबंधित ठेकेदार के खिलाफ निय मानुसार कार्रवाई की जाएगी।वहीं, ठेकेदार के.पी. वर्मा ने निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही से इनकार किया है।उनका कहना है कि दीवार का निर्माण निर्धारित मानकों और गुणवत्ता के अनुसार किया गया था।उन्होंने आरोप लगाया कि दीवार के पास प्लेटफॉर्म पर केबल बिछाने का कार्य किसी अन्य एजेंसी को दिया गया था। उस एजेंसी द्वारा नींव के समीप की गई खुदाई में बारिश का पानी भर गया,जिससे नींव कमजोर हो गई और दीवार गिर गई।उन्होंने यह भी बताया कि उनके कार्य का भुगतान अभी तक लंबित है।

अब जांच रिपोर्ट से ही स्पष्ट होगा कि दीवार का गिरना निर्माण में ला परवाही का परिणाम था या दूसरी एजेंसी द्वारा की गई खुदाई के कारण नींव कमजोर होने से यह हाद सा हुआ।जांच के बाद यह भी तय होगा कि कार वाई निर्माण करने वाले ठेकेदार पर होगी या फिर कार्य की निगरानी करने वाले रेलवे के निरीक्षण अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

पर्यावरण संरक्षण और नशा उन्मूलन को लेकर जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच। पर्यावरण संरक्षण, जल बचाने और समाज को नशे के दुष्प्रभावों से मुक्त करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान (संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश) के तत्वावधान में सोमवार को बाल शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज सभागार में पर्यावरण, जल संरक्षण एवं नशा उन्मूलन विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में नगर एवं ग्रामीण अंचल के विभिन्न विद्यालयों व महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं, शिक्षक, आचार्य, प्राचार्य, प्रबंधक सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी, शिक्षाविद एवं पर्यावरणविद शामिल हुए। उपस्थित लोगों ने पर्यावरण एवं जल संरक्षण तथा अवैध नशा कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे जन जागरण अभियान से जन-जन को जोड़ने का सामूहिक संकल्प लिया। संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महामना मालवीय मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ई. हरिशंकर सिंह ने कहा कि पर्यावरण और जल संरक्षण मानव जीवन के लिए अनिवार्य आवश्यकता है। हम सभी का दायित्व है कि सामूहिक रूप से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें और उनका संरक्षण भी करें, जिससे पर्यावरण मानवानुकूल बना रहे। उन्होंने कहा कि नशा उन्मूलन सामाजिक जिम्मेदारी है। हम सभी को मिलकर अवैध नशे के खिलाफ जन जागरण अभियान चलाना चाहिए, तभी इस पर प्रभावी रोक लग सकेगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रद्धा पाण्डेय ने कहा कि छात्रों और युवाओं में नशे का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। इस पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जन जागरण अभियान चलाया जाना समाज हित में आवश्यक है।

उपनिदेशक कृषि (डी.डी.ए.जी.) विनय वर्मा ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए प्रकृति आधारित परंपरागत खेती-किसानी को अपनाना जरूरी है। रसायन एवं उर्वरक रहित कृषि, गौ पालन और सब्जी उत्पादन के माध्यम से स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दिया जा सकता है।

आयोजक महामना मालवीय मिशन अध्यक्ष (अवध) संजीव श्रीवास्तव एडवोकेट ने बताया कि संगठन द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए पंचवटी प्रजाति के वृक्षों का रोपण कर स्थानीय जन सहयोग से उनके संरक्षण का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही अवैध नशा कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जन जागरण अभियान भी चलाया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षा एवं समाजशास्त्री डॉ. तस्लीम जैदी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन पर्यावरणविद राकेश चंद्र श्रीवास्तव एडवोकेट ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बाल शिक्षा निकेतन की प्राचार्य अर्चना मराठे ने की। कार्यक्रम को मालवीय मिशन जिला संयोजक अनिल मिश्रा एडवोकेट, संघ विचारक ओम प्रकाश सक्सेना, संविधान विशेषज्ञ अनिल त्रिपाठी, प्रवक्ता डॉ. पंकज श्रीवास्तव, शिक्षाविद अरशद रईस, योगाचार्य सुशील बाजपेई, प्रोफेसर सरिता वर्मा आदि ने संबोधित किया और संगठन द्वारा चलाए जा रहे जल एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान तथा अवैध नशा कारोबार पर नियंत्रण के लिए सतत जन जागरण अभियान चलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में शामिल 200 छात्र-छात्राओं को बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ द्वारा प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। आयोजन में प्रमुख रूप से प्राचार्य दिलशाद बानो, शिक्षाविद डॉ. अनिल श्रीवास्तव, मनीषा हंसा, दुर्गेश नंदनी, प्रशासनिक अधिकारी कृष्णा लाल, गायत्री परिजन जगदीश मिश्र, मीना पांडेय सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। समापन अवसर पर उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से नशा विरोधी अभियान एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जन जागरण अभियान चलाने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस पर याद किये गये प्रोफ़ेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच। भारत में प्रतिवर्ष 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारतीय सांख्यिकी के जनक कहे जाने वाले महान वैज्ञानिक और अर्थशास्त्री प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। स्वतंत्र भारत के पहले योजना आयोग के प्रमुख सदस्य रहे प्रो. पी.सी. महालनोबिस द्वारा वर्ष 1931 में भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना की गई थी।

उल्लेखनीय है कि ''प्रशासनिक डेटा की क्षमता को उजागर करना'' की थीम पर मनाये जाने वाले 20वें राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के अवसर विकास भवन स्थित जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रो. पी.सी. महालनोबिस के चित्र पर जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी घासी राम, अपर सांख्यिकीय अधिकारी जितेन्द्र प्रसाद, तीरथ राम वर्मा, अवधेश कुमार भारती, अजय कुमार, दिनेश कुमार सिंह व विनोद कुमार, सहायक सांख्यिकीय अधिकारी राकेश चन्द्र पाठक, वरिष्ठ सहायक भगवान दीन भार्गव, कलाकार क्षितिज कुमार साहू व अन्य कार्मिकों द्वारा माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी घासी राम ने बताया कि सांख्यिकीय प्रणाली और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण में प्रोफेसर पी.सी. महालनोबिस के योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहाकि आर्थिक नियोजन और नीति निर्माण में सांख्यिकी के महत्व और इसकी भूमिका के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना भी आयोजन का मुख्य उद्देश्य है।

जल निकासी की व्यवस्था ध्वस्त, मनकापुर ब्लॉक परिसर बना तालाब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। ब्लॉक परिसर मनकापुर विगत दो दिनों से बरसात ने सारे प्रबंधों की पोल खोल दी है। गांव गलियों से लेकर ब्लॉक मुख्यालय तक जल निका सी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण जल जमाव की स्थिति बनी हुई है।मामले को लेकर जि म्मेदार अंजान बने हुए हैं। क्षेत्र के गांव से लेकर ब्लाक परिसर जल निकासी की समुचित व्यवस्था ना होने से जलजमाव की समस्या से जूझ रहे हैं। विगत दो दिनों से बरसात के कारण बल्कि गांव की गलियां ही नहीं नगर पंचायत क्षेत्र में बने मन कापुर ब्लॉक परिसर में जलजमाव की हालत बनी हुई है।इससे यह साबित हो रहा है कि ब्लॉक को हाईटेक बनाने की कवायद नाकाम साबित हो रही है।जल निकासी और सुंदरीकरण का ढिंढोरा पीटा था।पर जल निकासी की समस्या दूर नहीं जस का तस बनी हुई है।नाली का निर्माण ना होने से ब्लॉक परिसर में जलभराव की स्थिति बनी रहती है। ब्लॉ क परिसर से पानी ना बहने से संक्रमण की बीमा री फैलने कि संभावना तेज हो गई है।वहीं ब्लॉक परिसर में आने वाले कुछ लोगों का कहना है कि सरकार विकास के प्रति कितना भी ध्यान दें मगर स्थानीय जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते आम जनमानस को मुश्किलों का सामना करने की मज बूरी है।कुछ लोगों ने कहा कि जब ब्लॉक परिसर का यह हाल है यहां पर जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं जबकि यहां जिले से लेकर प्रदेश तक के अधिकारियों का आना जाना लगा रहता है।तो आप अंदाजा इसी से लगा सकते हैं की गांव की जल निकासी की व्यवस्था क्या होगी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सौरभ पुत्र वैष्णो दास मिश्रा त्रुटि वश मेरे पैन कार्ड में दर्ज हो गया था,जबकि मेरे सभी अभिलेखों में सही और वास्तविक नाम अतुल मिश्रा पुत्र वैष्णो दास मिश्रा है।भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।

प्रार्थी
अतुल मिश्रा पुत्र
वैष्णो दास मिश्रा
ग्राम व पोस्ट पूरे दादू
जनपद गौंडा, उत्तर प्रदेश..

गेस्ट हाउस में कर्मचारी से मारपीट मामले में सपा सांसद के तीन समर्थक गिरफ्तार

वीआईपी सूट खुलवाने के विवाद में कार्रवाई, सरकारी कार्य में बाधा और धमकी देने का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। कोतवाली नगर स्थित लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) गेस्ट हाउस में कर्मचारी के साथ कथित मारपीट और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में पुलिस ने सपा सांसद राम भुआल निषाद के तीन समर्थकों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई एसपी चारू निगम के निर्देश पर की गई।

जानकारी के अनुसार, घटना 27 जून को हुई जब अभियुक्तों ने गेस्ट हाउस के वीआईपी सूट नंबर-01 को खुलवाने के लिए कर्मचारी पर दबाव बनाया। कर्मचारी द्वारा नियमों का हवाला देते हुए सूट खोलने से इनकार करने पर आरोप है कि उसके साथ गाली-गलौज की गई, जान से मारने की धमकी दी गई और मारपीट कर राजकीय कार्यों में बाधा पहुंचाई गई। मामले की सूचना मिलने के बाद 28 जून को संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता कर्मचारी का मेडिकल परीक्षण भी कराया गया। मामले की जांच उप-निरीक्षक सुनील कुमार को सौंपी गई। पुलिस के अनुसार विवेचना के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान समन उर्फ अमन निषाद पुत्र दिग्पाल निषाद (निवासी आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सुलतानपुर), आलोक यादव पुत्र मनमोहन यादव (निवासी राघवपुर थाना धनपतगंज, जनपद सुलतानपुर) और दिलशाद अहमद पुत्र अख्तर अली (निवासी धौराहरा थाना कोतवाली नगर, जनपद सुलतानपुर) के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक ब्लैक स्कॉर्पियो (यूपी 32 पीटी 9698) और एक स्विफ्ट डिजायर (यूपी 42 एके 8090) भी बरामद की है। अभियुक्तों को पर्यावरण पार्क रोड से गिरफ्तार किया गया।

नदी में मिला अज्ञात युवक का शव, शिनाख्त में जुटी पुलिस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुड़वार सुलतानपुर। क्षेत्र के गोमती नदी में तिवारीपुर मठिया गांव के पास युवक का शव उतराता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस विधिक कार्यवाही में जुटी है। सोमवार को स्थानीय थाना क्षेत्र के तिवारीपुर मठिया कुड़वार गांव के लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि नदी में एक 25 वर्षीय युवक का शव उतराता मिला है। सूचना पर पहुंचे उपनिरीक्षक अम्बरीष पाठक ने शव के शिनाख्त का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार यादव ने शव को निकलवाकर निरीक्षण किया। सूचना पर पहुंचे सीओ सिटी सौरभ सामंत ने भी शव का निरीक्षण किया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया शव तीन चार दिन पुराना लग रहा है। युवक केवल चड्डी पहना है। उसके शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं हैं। देखने से यह प्रतीत हो रहा है युवक कहीं नदी में नहाने उतरा था।तभी गहरे पानी में जाने से डूब गया।शव शिनाख्त के लिए जिले के थानों सहित अगल बगल के जिलों के थानों को सूचना दी जा रही है। शव के शिनाख्त हो जाने पर या 72 घंटे बीत जाने पर पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार कराया जाएगा।

बारिश से पहले नाले की सफाई न होने पर ग्रामीणों में नाराजगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुड़वार, सुलतानपुर। विकास खंड कुड़वार के पूरे तिलक तिवारी गांव में बारिश से पहले नाले की सफाई न होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। हरखपुर गांव से निकलकर पूरे तिलक तिवारी गांव तक दो दशक पहले क्षेत्र पंचायत द्वारा निर्मित नाला आज झाड़ियों से पट गया है। लंबे समय से मरम्मत और सफाई न होने के कारण नाले की जल निकासी क्षमता प्रभावित हो गई है।

ग्रामीणों के अनुसार यह नाला हरखपुर और पूरे तिलक तिवारी गांव के सैकड़ों घरों से निकलने वाले वर्षा जल की निकासी का मुख्य साधन है। नाले में जगह-जगह झाड़ियां उग आने और गाद भर जाने से बरसात के दौरान जलभराव की आशंका बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते नाले की सफाई नहीं कराई गई तो बारिश में गांव के कई हिस्सों में पानी भर सकता है, जिससे आवागमन और जनजीवन प्रभावित होगा। ग्रामीण राजबहादुर तिवारी, राम अचल तिवारी और जुगल किशोर सहित अन्य लोगों ने खंड विकास अधिकारी से नाले की तत्काल सफाई और आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात शुरू होने से पहले नाले को साफ कराए जाने से जलभराव की समस्या से राहत मिल सकेगी।

भूख हड़ताल का 7 वां दिन: महिला बेहोश, जिला अस्पताल रेफर आखिर पूरनपुर प्रशासन किस अनहोनी का इंतजार कर रहा ?

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।पूरनपुर तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन (भानु) के बैनर तले चल रहे अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन और भूख हड़ताल के सातवें दिन बड़ा घटनाक्रम सामने आया जमीन कब्जे के विवाद के समाधान की मांग को लेकर 26 जून से भूख हड़ताल पर बैठी करीब 65 वर्षीय महिला किसान की सोमवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गईं इससे धरनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई सूचना मिलते ही कोतवाल पूरनपुर मौके पर पहुंचे और तत्काल महिला किसान को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल पीलीभीत रेफर कर दिया महिला किसान की तबीयत बिगड़ने के बाद धरनास्थल पर मौजूद किसानों में भारी आक्रोश देखने को मिला किसानों का कहना है कि कई दिनों से शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन करने के बावजूद प्रशासन उनकी मांगों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहा है उनका आरोप है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनपद दौरे के दौरान उन्हें मुख्यमंत्री से मिलने और अपनी बात रखने से भी रोक दिया गया तथा कई किसानों को नजरबंद किया गया धरने पर बैठे किसानों का कहना है कि उनका संघर्ष केवल जमीन कब्जे विवाद के स्थायी समाधान के लिए है, लेकिन लगातार अनदेखी के कारण उन्हें भूख हड़ताल जैसा कठोर कदम उठाना पड़ा उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने पहल की होती तो आज एक महिला किसान को अस्पताल नहीं पहुंचाना पड़ता अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर पूरनपुर प्रशासन किस अनहोनी का इंतजार कर रहा है? क्या किसानों की मांगों का समाधान किसी दबाव के कारण नहीं हो पा रहा है, या फिर प्रशासन इस पूरे मामले को टालने की कोशिश कर रहा है? इन सवालों के जवाब फिलहाल प्रशासन की ओर से सामने नहीं आए हैं फिलहाल किसान अपने आंदोलन पर डटे हुए हैं और उनका कहना है कि जब तक जमीन विवाद का स्थायी समाधान नहीं होगा, तब तक अनिश्चितकालीन धरना और भूख हड़ताल जारी रहेगी

जामो पुलिस ने चोरी के मामले में तीन युवकों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता । थाना संग्रामपुर पुलिस ने चोरी के अभियोग में वांछित तीन लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है जिनके कब्जे से चोरी के दस हजार रुपये व एक अदद तमंचा व एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना संग्रामपुर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर चोरी के मामले में वांछित शिवम पाण्डेय पुत्र कालिका प्रसाद पाण्डेय,पंकज पाण्डेय पुत्र रामशिरोमणि पाण्डेय व अमित पाण्डेय उर्फ मोनू पुत्र रमेश चन्द्र पाण्डेय निवासीगण ग्राम नेवादा कनू थाना संग्रामपुर जनपद अमेठी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम ने बताया कि शिवम पाण्डेय के कब्जे से एक अदद तमंचा व एक जिंदा कारतूस व साढ़े तीन हजार रुपये, पंकज पाण्डेय के कब्जे से साढ़े तीन हजार रुपये एवं अमित पाण्डेय उर्फ मोनू के कब्जे से तीन हजार रुपये बरामद हुये। पुलिस टीम द्वारा की गई पूंछतांछ में गिरफ्तार युवकों ने बताया कि उन लोगों ने बीती सत्रह जून की रात में शिवमोहन के घर में घुसकर चोरी की घटना कारित की थी।बरामदगी के आधार पर उपर्युक्त अभियोग में आर्म्स एक्ट की बढोत्तरी की गई।बरामदगी व गिरफ्तारी के सम्बंध में थाना संग्रामपुर पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

लखनऊ में आयोजित आम महोत्सव में अमेठी के बागवानों से सहभागिता की अपील

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिला उद्यान अधिकारी रणविजय सिंह ने जनपद के समस्त कृषकों, आम उत्पादकों, प्रसंस्करणकर्ताओं एवं पौधशाला स्वामियों को सूचित किया है कि उत्तर प्रदेश आम महोत्सव का आयोजन आगामी तीन से पांच जुलाई तक प्रतिदिन प्रातः दस बजे से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमतीनगर, लखनऊ में किया जाएगा। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि महोत्सव में आम उत्पादक कृषक अपनी विभिन्न प्रजातियों के आमों का प्रदर्शन कर सकते हैं। प्रत्येक प्रदर्श के लिए एक किलोग्राम आम अथवा पांच आम निर्धारित किये गये हैं। ऐसे कृषक जो स्वयं महोत्सव में उपस्थित नहीं हो सकेंगे, वे अपने प्रदर्श एक जुलाई को अपराह्न तीन बजे तक जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय, अमेठी में उपलब्ध करा सकते हैं, जहां से उन्हें महोत्सव स्थल तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि महोत्सव में बागवानों एवं पौधशाला स्वामियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय हेतु स्टॉल लगाने की भी सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके माध्यम से कृषकों को अपने उत्पादों के विपणन का बेहतर अवसर प्राप्त होगा। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनी के दौरान आम की विभिन्न उन्नत प्रजातियों, आम उत्पादन में हो रहे नवाचारों, विपणन तकनीकों, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां कृषि एवं उद्यान विशेषज्ञों तथा वैज्ञानिकों द्वारा प्रदान की जाएंगी। इससे किसानों को आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त होगी और आम उत्पादन को अधिक लाभकारी बनाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने जनपद के अधिकाधिक कृषकों, बागवानों एवं संबंधित उद्यमियों से उत्तर प्रदेश आम महोत्सव में सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है, ताकि वे नवीन तकनीकों, बाजार संभावनाओं तथा उद्यानिकी क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठा सकें।

मौलाना सैयद सलमान हुसैनी नदवी के निधन पर अमीर-ए-हल्का, जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द उत्तर प्रदेश पश्चिम ने गहरा शोक व्यक्त किया

पीलीभीत। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, उत्तर प्रदेश पश्चिम के अमीर-ए-हल्का मौलाना ज़मीरुल हसन ख़ान फलाही ने प्रख्यात इस्लामी विद्वान, चिंतक, लेखक एवं शिक्षाविद् मौलाना सैयद सलमान हुसैनी नदवी के निधन पर गहरे दुख और शोक का इज़हार किया है। उन्होंने कहा कि मौलाना का इंतिकाल भारतीय मुस्लिम समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है।अपने शोक संदेश में मौलाना ज़मीरुल हसन ख़ान फलाही ने कहा कि मौलाना सलमान हुसैनी नदवी ने अपना संपूर्ण जीवन इस्लामी शिक्षा, शोध, लेखन, और समाज के बौद्धिक मार्गदर्शन के लिए समर्पित किया। वे उच्च कोटि के विद्वान, दूरदर्शी चिंतक और प्रभावशाली वक्ता थे। उनकी शैक्षिक एवं साहित्यिक सेवाएँ आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेंगी।उन्होंने कहा कि मौलाना की विद्वत्ता, संतुलित दृष्टि और उम्मत के प्रति उनकी गहरी चिंता सदैव स्मरणीय रहेगी। उनके निधन से जो शून्य उत्पन्न हुआ है, उसकी भरपाई सहज नहीं है। अमीर-ए-हल्का ने अल्लाह तआला से दुआ की कि वह मरहूम की मग़फिरत फरमाए, उन्हें जन्नतुल फ़िरदौस में उच्च स्थान प्रदान करे तथा उनके परिजनों को सब्र-ए-जमील अता फरमाए।उक्त जानकारी डॉ. वाक़िफ़ हुसैन मीडिया सचिव जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, उत्तर प्रदेश पश्चिम ने दी है।

ब्राह्मण एकता परिषद ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद ने सोमवार को विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया और जयसिंहपुर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। परिषद ने 'बिहार के लाल' कहे जाने वाले स्वर्गीय भरत तिवारी के एनकाउंटर प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराए जाने की मांग उठाई। जिलाध्यक्ष अंकुर पांडे के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन के माध्यम से मामले में जिम्मेदार पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई किए जाने की भी मांग की। परिषद पदाधिकारियों ने कहा कि पूरे मामले की पारदर्शी जांच कराकर तथ्यों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र की गौशालाओं की बदहाल व्यवस्था का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उनका कहना था कि कई गौशालाओं में गौवंश को पर्याप्त चारा, पानी और अन्य आवश्यक सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं, जिससे पशुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। परिषद ने प्रशासन से गौशालाओं की व्यवस्थाओं में जल्द सुधार, नियमित निरीक्षण और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद उपजिलाधिकारी जयसिंहपुर ने संबंधित मामलों पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान परिषद के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के दौरे से पहले सपाइयों पर पुलिस की सख्ती! आखिर हाउस अरेस्ट क्यों? क्या प्रशासन को था विरोध का डर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे से पहले जनपद में राजनीतिक हलचल तेज हो गई सोमवार सुबह समाजवादी पार्टी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को उनके घरों पर ही पुलिस की निगरानी में रोक दिया गया सपा जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह यादव एडवोकेट ने आरोप लगाया कि उन्हें भी हाउस अरेस्ट कर दिया गया, ताकि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान विपक्ष अपनी आवाज़ न उठा सके पवन सिंह यादव ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व जनता की समस्याओं को सरकार के सामने रखना होता है, लेकिन प्रशासन ने उन्हें घर से बाहर निकलने तक की अनुमति नहीं दी उनके अनुसार यह कार्रवाई किसानों, बेरोजगारों, महंगाई, बिजली संकट, जर्जर सड़कों और कानून-व्यवस्था जैसे जनहित के मुद्दों को उठाने से रोकने के उद्देश्य से की गई उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार प्रशासनिक तंत्र का इस्तेमाल कर विपक्ष की आवाज़ दबाने का प्रयास कर रही है उनका कहना है कि यदि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले नेताओं को भी घरों में नजरबंद किया जाएगा तो यह लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत है सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर प्रशासन को ऐसी क्या आशंका थी कि विपक्षी नेताओं को पहले ही घरों में रोकना पड़ा? क्या मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान विरोध प्रदर्शन की संभावना से प्रशासन सतर्क था, या फिर विपक्ष की मौजूदगी से बचने के लिए यह कदम उठाया गया हालांकि, प्रशासन की ओर से इस कार्रवाई को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है ऐसे में यह मामला राजनीतिक बहस का विषय बन गया है। समाजवादी पार्टी ने स्पष्ट किया है कि जनता के मुद्दों को उठाने का संघर्ष आगे भी जारी रहेगा और लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन के खिलाफ पार्टी आवाज़ बुलंद करती रहेगी।

छत पर सो रहे 13 वर्षीय किशोर को सांप ने डसा, अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में मौत

सुल्तानपुर। जिले के बल्दीराय थाना क्षेत्र के नन्दौली गांव में रविवार रात एक दर्दनाक हादसे में 13 वर्षीय अमन खान की सर्पदंश से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार अमन रात में अपने परिवार के साथ घर की छत पर सो रहा था। देर रात करीब 2 बजे उसे अचानक अपनी पैंट के अंदर कुछ घुसने का एहसास हुआ। उसने हाथ डालकर उसे हटाने या पकड़ने की कोशिश की, तभी उसमें छिपे जहरीले सांप ने उसके हाथ पर डस लिया। सांप के काटते ही अमन की हालत बिगड़ने लगी। परिजन घबराकर उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बल्दीराय लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल सुल्तानपुर रेफर कर दिया। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में अमन ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार बल्दीराय गुलाब सिंह और हल्का लेखपाल कमलेश सरोज मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और शासन की ओर से मिलने वाली सहायता के संबंध में जानकारी दी। बताया जा रहा है कि मृतक अमन के परिवार की स्थिति पहले से ही कठिन है। परिवार में उसका 15 वर्षीय बड़ा भाई सैफ अहमद मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है, जबकि 17 वर्षीय बहन अक्सा भी घर में मौजूद है। अमन की असमय मौत से परिवार गहरे सदमे में है।

मेडिकल कॉलेज में इलाज को लेकर बवाल

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। विद्युत विभाग के कर्मी आज स्वास्थ कर्मियों के खिलाफ लामबंद हो गए हैं। विद्युत विभाग के कर्मियों ने मेडिकल कॉलेज के स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर नगर कोतवाली घेर ली है, बताया जाता है कि बीती रात डाकखाना जगन्नाथ संविदा कर्मी जगन्नाथ को हार्टअटैक की शिकायत हुई, जिसको लेकर वहां मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में अचानक से मामला बिगड गया ।।हमले में जगन्नाथ लाइनमैन के पुत्र के सिर में आठ टांके लगे ।।परिजनों ने बताया कि डॉक्टरो ने मिलकर हमला कर दिया। आज नाराज विद्युत कर्मचारी नगर कोतवाली पाहुंच गए मामले को लेकर गहमा गहमी है। शुक्रवार को इमरजेंसी में भर्ती हार्टअटैक के मरीज के हाथ मे विगो लगाकर इंजेक्शन लगाना भूल गए थे स्वास्थ कर्मी। जिम्मेदार सिस्टर मोबाइल पर रील देखती रहीं जिसको लेकर परिजन आगबबूला हो गए। शुक्रवार को इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टर भी असहाय दिखे थे। मरीज रीता सिंह को इंजेक्शन लगाने में स्टाफ में करीब 20 मिनट लगा दिए, जिसे सीसीटीवी के रिकार्ड में देखा जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने जनपद को दी 569 करोड़ की सौगात उमड़ा जन सैलाव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

विस्थापित बंगाली परिवारों को मिली नागरिकता और जमीन

विकास और विरासत का डबल डोज, 569 करोड़ की परियोजनाओं के साथ विस्थापित परिवारों को मिला स्थायी सम्मान

पीलीभीत।जनपद बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत पतरासा कुंवरपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 569 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने 55-56 वर्षों से विस्थापित बंगाली हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध परिवारों को जमीन के पट्टे और भारतीय नागरिकता प्रमाणपत्र सौंपे। मुख्यमंत्री ने पुष्पा देवी पत्नी स्व0 विचित्र पाल सिंह, होमगार्ड को मृतक आश्रित के अन्तर्गत बीमा राशि रू. 38 लाख का चेक, सोनी देवी को कस्टम हायरिंग सेंटर (अनुदान धनराशि रू. 24 लाख) व कमलेश गंगवार को नन्दनी कृषक समृद्धि योजना के तहत (अनुदान धनराशि रू. 31.25 लाख चेक, जनपद के स्वयं सहायता समूहों को रिवोल्विंग फण्ड एवं सीआईएफ की कुल 10 करोड 12 लाख 50 हजार धनराशि का चेक प्रदान किया गया। अंशिका देवी को उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मीनू को कन्या सुमंगला योजना से लाभान्वित किया एवं प्रीति देवी को प्रधानमंत्री आवास व अरविन्द को मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत चाबी सौंपी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीलीभीत प्राकृतिक सौंदर्य, विश्व प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व, जैव विविधता और कृष्ण की बांसुरी की पहचान वाली पवित्र भूमि है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद सहित सभी जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार ने विकास के साथ विरासत को भी संरक्षण देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों को आज नागरिकता और जमीन के अधिकार मिले हैं, उन्होंने पिछले 55 वर्षों में राजस्व, वन और प्रशासनिक तंत्र की अनेक परेशानियां झेली हैं। अब उनकी आने वाली पीढ़ियां सम्मान और सुरक्षा के साथ अपना भविष्य संवार सकेंगी। उन्होंने कहा कि अब दुनिया की कोई ताकत इन परिवारों को यहां से नहीं हटा सकती। उन्होंने जनपद के उन 2500 परिवारों को बधाई दी, जो बांग्लादेश से लगभग 55-56 साल पहले प्रताड़ना सहकर आए थे। प्रधानमंत्री मोदी जी के विजन के तहत आज उन्हें पुनर्वास और नागरिकता का अधिकार मिल रहा है। प्रदेश में ऐसे 55 हजार से अधिक विस्थापित परिवार हैं, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से नागरिकता और भूमि अधिकार दिए जा रहे हैं। वन विभाग और भारत सरकार से औपचारिक स्वीकृति मिलने के बाद शेष परिवारों को भी यह लाभ मिलेगा।उन्होंने कहा कि 2017 के बाद भूमाफियाओं को साफ संदेश दिया गया कि सरकारी और गौशाला की जमीन छोड़ दें, नहीं तो परिणाम भुगतना पड़ेगा। आज वही माफिया कानून के सामने हाथ जोड़कर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के माध्यम से ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण हो रहा है। वहीं गंगा एक्सप्रेसवे, आर्थिक कॉरिडोर और बेहतर सड़क नेटवर्क प्रदेश की विकास यात्रा को नई गति दे रहे हैं। पीलीभीत से शामली और गोरखपुर तक बनने वाला इकोनॉमिक कॉरिडोर व्यापार और रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार पीलीभीत के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने मंच से जनप्रतिनिधियों को भरोसा दिलाया कि वे जो भी जनहित के प्रस्ताव भेजेंगे, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति दी जाएगी। साथ ही जनता से अपील की कि वह विकास की इस यात्रा में सरकार का सहयोग बनाए रखे। इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद, राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, जनपद के प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख, विधायक बीसलपुर विवेक वर्मा, विधायक बरखेड़ा स्वामी प्रवक्तानंद, विधायक पूरनपुर बाबूराम पासवान, विधान परिषद सदस्य सुधीर गुप्ता, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव नगर पालिका अध्यक्ष डॉ0 आस्था अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष पूरनपुर शैलेंद्र गुप्ता समेत भाजपा के कई जनप्रतिनिधि ब्लॉक प्रमुख जिलाध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे हैं।

घर लौटते समय काल बन गई फिसलन

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। घुघचाई थाना क्षेत्र के एक युवक की घर लौटते समय सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई बलरामपुर चौकी क्षेत्र के लुकटिहाई रोड पर बाइक फिसलने से हुए हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं घटना के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई जानकारी के अनुसार, घुघचाई थाना क्षेत्र के गांव गुलड़िया भूपसिंह निवासी राहुल (25) पुत्र राम अवतार रविवार रात बाइक से अपने घर लौट रहे थे इसी दौरान बलरामपुर चौकी क्षेत्र के लुकटिहाई रोड पर अचानक उनकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई हादसे में राहुल गंभीर रूप से घायल हो गए स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है राहुल की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

सम्पादकीय

ईरान परमाणु बम के कितना करीब था?

जब अमरीका और इसराईल ने जून 2025 में और फिर से फरवरी 2026 के बाद से ईरान पर बमबारी करने का फैसला किया, तब क्या ईरान परमाणु बम बनाने के करीब था? क्या यह एक और छलावा था, जैसा कि मध्य पूर्व में संयुक्त राज्य अमरीका के प्रताडित और जटिल इतिहास तथा 1948 से इस क्षेत्र में इसराईल के अंतहीन युद्धों के दौरान पहले भी अनगिनत बार हो चुका है। इसके विपरीत, क्या यह एक ऐसी अमंगलकारी स्थिति को शुरुआत में ही कुचलने और पहले से ही प्रतिबंधित करने का प्रयास था, जो आने वाले निकट भविष्य में खतरनाक रूप से प्रकट हो सकती थी? अमरीका- इसराईल हमले के 11 दिन बाद वैबसाइट पर प्रकाशित एक रिपोर्ट में, 'जेम्स मार्टिन सैंटर फॉर नॉन-प्रोलिफरेशन स्टडीज' के निदेशक और 'मिडलबरी इंस्टीच्यूट ऑफ इंटरनैशनल स्टडीज' के प्रोफैसर जैफरी लुईस के हवाले से कहा गया था कि इस बात का कोई सबूत नहीं था कि ईरान परमाणु हथियार के करीब था। उनके इन अवलोकनों का अन्य स्वतंत्र विशेषज्ञों ने भी समर्थन किया था। ये आकलन व्यापक रूप से जून 2025 में 'अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजैंसी' (आई.ए.ई.ए.) के पिछले निर्धारण के अनुरूप हैं। ईरानी परमाणु पहेली पर ओपन-सोर्स रिपोर्टिंग के अनुसार, अमरीकी खुफिया एजैंसियों के समय-समय पर आने वाले अनुमानों ने भी इन आकलनों पर सहमति जताई थी। जून 2025 के आई.ए.ई.ए. के एक अनुमान ने संकेत दिया था कि ईरान के पास 441 किलोग्राम (60 प्रतिशत) संवर्धित यूरेनियम था, जहां प्रतिशत का तात्पर्य सामग्री में पाए जाने वाले आइसोटोप यूरेनियम 235 की हिस्सेदारी से है। इतिहास पर थोड़ा पीछे नजर डालें तो, ईरान 1957 से अमरीकी राष्ट्रपति आइजनहावर के 'एटम्स फॉर पीस' कार्यक्रम की बदौलत परमाणु खोज में लगा हुआ है। यह उस दौर की बात है जब शाह रजा मोहम्मद पहलवी के शासनकाल के दौरान ईरान अमरीका का सहयोगी था। 1979 की इस्लामी क्रांति में शाह का तख्तापलट कर दिया गया और अगले वर्ष 22 सितंबर 1980 को सद्दाम हुसैन के शासन वाले ईराक ने ईरान पर आक्रमण कर दिया। अगले दशक के दौरान, ईरानी रणनीतिक विचारकों की एक पूरी पीढ़ी ने एक बहुत ही महत्वपूर्ण रणनीतिक सबक को अपने भीतर समाहित कर लिया, क्योंकि पश्चिम ने ईराक को हथियारों की आपूर्ति की और संयुक्त राष्ट्र (यू.एन.) सहित वैश्विक संगठनों ने तब आंखें मूंद लीं जब सद्दाम हुसैन ने ईरानी सैनिकों और नागरिकों पर रासायनिक और अन्य परिष्कृत हथियारों का इस्तेमाल किया। सीख यह थी कि जब तक ईरान के पास परमाणु हथियारों की कमी रहेगी, पड़ोस का कोई भी तानाशाह या दूर बैठा कोई वर्चस्ववादी उसकी संप्रभुता का उल्लंघन कर सकता है। इस प्रकार रणनीतिक स्वायत्तता और एक विश्वसनीय निवारक क्षमता हासिल करने के लिए परमाणु हथियारों की ओर ईरान का गुप्त मार्च शुरू हुआ। यहीं पर पाकिस्तान का कनैक्शन सामने आया। ए.क्यू. खान, जो 'परमाणु प्रसार के वॉलमार्ट' पर राज करते थे, ने ईरान को परमाणु सामग्री की आपूर्ति शुरू कर दी। इस पाकिस्तानी-ईरानी परमाणु संबंधों को तत्कालीन पाकिस्तानी सैन्य तानाशाह जनरल जिया-उल-हक और उनके सैन्य उत्तराधिकारियों की सहमति और आशीर्वाद प्राप्त था-इस तथ्य की पुष्टि 2015 में पूर्व ईरानी राष्ट्रपति अकबर हाशमी रफसंजानी ने सार्वजनिक रूप से की थी। पाकिस्तानी सेना ने बदले में इस घटनाक्रम के बारे में क्रमिक नागरिक सरकारों को सफलतापूर्वक अंधेरे में रखा। प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो को 1989 में तेहरान की यात्रा के दौरान दुर्घटनावश इसका पता तब चला जब रफसंजानी ने उनसे 'विशेष रक्षा मामलों' पर दोनों देशों के बीच हुए समझौते की पुष्टि करने के लिए कहा। उस समय तक दर्जनों ईरानी वैज्ञानिक पाकिस्तान के विभिन्न संस्थानों में प्रशिक्षित हो चुके थे। 14 अगस्त 2002 को, ईरानी असंतुष्ट समूहों के एक छत्र संगठन 'नैशनल काउंसिल ऑफ रेसिस्टैंस ऑफ ईरान' ने दो परमाणु स्थलों को सार्वजनिक कर दिया जिन्हें ईरान ने कथित तौर पर आई.ए.ई.ए, से छुपाया था, जिससे ईरानी परमाणु क्षमता को सीमित करने का एक बारहमासी प्रयास शुरू हो गया।

जाति, धर्म और आरक्षण

मतांतरण से आरक्षण नहीं मिलता। इस्लाम अपनाने वाला व्यक्ति अपना मत बदल कर मुसलमान हो सकता है लेकिन पिछड़े वर्ग का सदस्य नहीं रह जाता। मद्रास हाई कोर्ट ने कहा है कि ईसाई मिशनरियों और इस्लामी उपदेशकों ने सदियों तक अपने-अपने पंथ की प्रशंसा की है कि उनके यहां सामाजिक समता है। बराबरी है। भेदभाव नहीं है। हिन्दुओं में जाति व्यवस्था है। कोर्ट ने कहा है कि उसका मत है कि कुछ वर्गों को पिछड़ा और कुछ को अगड़ा बताना कुरान की शिक्षा के विपरीत है। फिर इस्लाम का तो दावा ही बराबरी वाला समाज बनाना है। बहुत लम्बे समय से ईसाई और इस्लामी धर्म उपदेशक धर्मांतरित व्यक्ति के लिए भी पिछड़े वर्गों की सुविधाएं मांगते रहे हैं। भिन्न-भिन्न राज्यों के उच्च न्यायालयों ने ऐसे ही विचार व्यक्त किए हैं और फैसले सुनाए हैं। लेकिन राजनीतिक दलतंत्र द्वारा धर्मांतरित व्यक्ति के लिए भी आरक्षण की सुविधा मांगी जाती रही है। इस दफा न्यायालय ने साफ कर दिया है कि सिर्फ मतांतरण करने से किसी व्यक्ति का वर्ग नहीं बदलता और मतांतरित व्यक्ति को पिछड़े वर्ग का सदस्य नहीं माना जा सकता।

मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के मार्च 2024 के आदेश को असंवैधानिक बताया है और उसे रद्द कर दिया है। सरकारी आदेश में मतांतरण करने वाले व्यक्ति को मुस्लिम पिछड़ा वर्ग का सदस्य माना गया था। मतांतरित व्यक्ति को भी पिछड़े वर्गों के रूप में मान्यता देने का प्रावधान किया गया था। यह चर्चित फैसला मद्रास हाई कोर्ट की पीठ ने 25 जून को सुनाया है। कोर्ट ने यह निर्णय सम्यक विचारोपरान्त एक ऐसे मामले में दिया है, जिसमें एक व्यक्ति, जिसका जन्म हिन्दू परिवार में हुआ था और बाद में उसने हिन्दू धर्म छोड़ कर अपना नाम समीर अहमद रख लिया था। मुसलमान हो जाने के बाद उसने स्वयं को मुस्लिम लेब्बाई समुदाय का सदस्य बताया। उसने अपने तहसीलदार से पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र की मांग की। तहसीलदार ने उसका आवेदन खारिज कर दिया। तब वो हाईकोर्ट पहुंचा। तमिलनाडु सरकार ने अपने आदेश में प्रावधान किया था कि अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग या डिनोटिफाइड समुदायों से आने वाले लोग यदि धर्मांतरण करते हैं और इस्लाम धर्म अपनाते हैं तो उन्हें भी पिछड़े वर्गों के रूप में आरक्षण का लाभ दिया जा सकता है। सरकार का तर्क था कि इससे मतांतरण करने वाले व्यक्तियों के भी अधिकार सुरक्षित रहेंगे। लेकिन कोर्ट ने यह दलील नहीं मानी और स्पष्ट कर दिया कि आरक्षण का आधार पंथ या मजहब नहीं होता। बल्कि सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ापन होता है। कोर्ट ने साफ किया कि संवैधानिक श्रेणियों जैसे अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अति पिछड़ा वर्ग को एक साथ मिला कर नई श्रेणी बनाना संविधान के मूल ढांचे के विपरीत है। मद्रास हाई कोर्ट ने ही 1951 के फैसले का हवाला देते हुए कहा था कि, जब कोई हिन्दू इस्लाम अपनाता है तो वह सिर्फ मुसलमान बनता है। समाज में उसकी प्रतिष्ठा जाति के आधार पर नहीं होती। हिन्दू धर्म छोड़ते ही वह अपनी मूल जाति का सदस्य नहीं रह जाता। आरक्षण का मसला भारत की संविधान सभा में भी आया था। मजहबी आधार पर ही देश का विभाजन हो चुका था। संविधान सभा बड़े उदास क्षणों में आरक्षण पर विचार कर रही थी। संविधान सभा ने सरदार पटेल की अगुवाई में अल्पसंख्यकों के आरक्षण के मुद्दे पर विचार करने के लिए समिति बनाई थी। समिति ने अपनी सिफारिश में मजहबी आरक्षण को सिरे से खारिज कर दिया था। सभा की अल्पसंख्यक अधिकारों, मूलाधिकारों संबंधी समिति के सभापति सरदार पटेल ने संविधान सभा में समिति की रिपोर्ट (25 मई, 1949) पेश की। लगातार दो दिन (25 व 26 मई, 1949) बहस हुई। जगत नारायण लाल ने कहा, भारत एक लौकिक (सेकुलर) राज्य होगा। उसके बाद रक्षणों की कोई मांग नहीं होनी चाहिए। जहाँ तक अनु. जातियों का प्रश्न है उन्हें आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हुए होने के कारण ही रक्षण दिया गया है। ज्यादातर सदस्यों ने अनु. जाति के अस्थाई आरक्षण को सही बताया लेकिन 'आरक्षण' की मूल भावना को कोसा। नजीरुद्दीन अहमद ने कहा, मैं समझता हूँ कि किसी प्रकार के रक्षण स्वस्थ राजनीतिक विकास के प्रतिकूल हैं। उनसे एक प्रकार की हीन भावना प्रकट होती है। .....श्रीमान रक्षण

मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के मार्च 2024 के आदेश को असंवैधानिक बताया है और उसे रद्द कर दिया है। सरकारी आदेश में मतांतरण करने वाले व्यक्ति को मुस्लिम पिछड़ा वर्ग का सदस्य माना गया था। मतांतरित व्यक्ति को भी पिछड़े वर्गों के रूप में मान्यता देने का प्रावधान किया गया था। यह चर्चित फैसला मद्रास हाई कोर्ट की पीठ ने 25 जून को सुनाया है। कोर्ट ने यह निर्णय सम्यक विचारोपरान्त एक ऐसे मामले में दिया है, जिसमें एक व्यक्ति, जिसका जन्म हिन्दू परिवार में हुआ था और बाद में उसने हिन्दू धर्म छोड़ कर अपना नाम समीर अहमद रख लिया था। मुसलमान हो जाने के बाद उसने स्वयं को मुस्लिम लेब्बाई समुदाय का सदस्य बताया। उसने अपने तहसीलदार से पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र की मांग की। तहसीलदार ने उसका आवेदन खारिज कर दिया। तब वो हाईकोर्ट पहुंचा। तमिलनाडु सरकार ने अपने आदेश में प्रावधान किया था कि अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग या डिनोटिफाइड समुदायों से आने वाले लोग यदि धर्मांतरण करते हैं और इस्लाम धर्म अपनाते हैं तो उन्हें भी पिछड़े वर्गों के रूप में आरक्षण का लाभ दिया जा सकता है। सरकार का तर्क था कि इससे मतांतरण करने वाले व्यक्तियों के भी अधिकार सुरक्षित रहेंगे। लेकिन कोर्ट ने यह दलील नहीं मानी और स्पष्ट कर दिया कि आरक्षण का आधार पंथ या मजहब नहीं होता। बल्कि सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ापन होता है। कोर्ट ने साफ किया कि संवैधानिक श्रेणियों जैसे अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अति पिछड़ा वर्ग को एक साथ मिला कर नई श्रेणी बनाना संविधान के मूल ढांचे के विपरीत है। मद्रास हाई कोर्ट ने ही 1951 के फैसले का हवाला देते हुए कहा था कि, जब कोई हिन्दू इस्लाम अपनाता है तो वह सिर्फ मुसलमान बनता है। समाज में उसकी प्रतिष्ठा जाति के आधार पर नहीं होती। हिन्दू धर्म छोड़ते ही वह अपनी मूल जाति का सदस्य नहीं रह जाता। आरक्षण का मसला भारत की संविधान सभा में भी आया था। मजहबी आधार पर ही देश का विभाजन हो चुका था। संविधान सभा बड़े उदास क्षणों में आरक्षण पर विचार कर रही थी। संविधान सभा ने सरदार पटेल की अगुवाई में अल्पसंख्यकों के आरक्षण के मुद्दे पर विचार करने के लिए समिति बनाई थी। समिति ने अपनी सिफारिश में मजहबी आरक्षण को सिरे से खारिज कर दिया था। सभा की अल्पसंख्यक अधिकारों, मूलाधिकारों संबंधी समिति के सभापति सरदार पटेल ने संविधान सभा में समिति की रिपोर्ट (25 मई, 1949) पेश की। लगातार दो दिन (25 व 26 मई, 1949) बहस हुई। जगत नारायण लाल ने कहा, भारत एक लौकिक (सेकुलर) राज्य होगा। उसके बाद रक्षणों की कोई मांग नहीं होनी चाहिए।

ऐसा रक्षा उपाय है जिससे वह वस्तु जिसकी रक्षा की जाती है वह नष्ट हो जाती है। जहाँ तक अनु. जातियों का संबंध है, हमें कोई शिकायत नहीं है। जेड.एच. लारी ने मुस्लिम आरक्षण की पैरवी करते हुए कहा, आपको अनु. जाति के हितों की चिंता है। मुसलमानों के हितों की परवाह नहीं। अनु. जाति के स्थान रक्षण सिद्धांत के साथ क्या आप यह भी नहीं स्वीकार करते कि आरक्षण राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध नहीं है? आरक्षण राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध होता है। आरक्षण एक विशेष अस्थाई उपाय है। इसके नफा-नुकसान पर सम्यक विचार नहीं हुआ। हालांकि संविधान निर्माताओं ने इसे सामाजिक पुनर्निर्माण का औजार बनाया। अनुसूचित जातियों/जनजातियों को जन्मना आधारित अस्थाई आरक्षण मिला। पिछड़े वर्गों की दशाओं के अन्वेषण के लिए आयोग बनाने की व्यवस्था (अनु. 340) की गई। पं. नेहरू के समय (1953) पिछड़े वर्गों की खोज के लिए काका कालेलकर आयोग बना। आयोग के कई सदस्य जन्मना जाति को पिछड़ेपन का आधार बनाने पर असहमत थे। आयोग ने राष्ट्रपति को लिखा, समानता वाले समाज की ओर प्रगति में जाति प्रथा बाधा है। कुछ निश्चित जातियों को पिछड़ा मानने से यह हो सकता है कि हम जाति प्रथा के आधार पर भेदभाव को सदा के लिए बनाए रखें। नेहरू सरकार ने जाति के अलावा पिछड़ेपन का आधार जाँचने की कोई दीगर कसौटी खोजने की बात की। वीपी मण्डल के नेतृत्व में दूसरा आयोग बना। मण्डल आयोग की रिपोर्ट (1980) में 'जाति' को पिछड़ेपन का आधार बनाया गया। आयोग ने पिछड़ी जातियों की सूची भी बनाई। मण्डल ने गरीबी हटाने के राष्ट्रीय कार्यक्रमों को आरक्षण से अलग रखने की आश्चर्यजनक बात कही, गरीबी हटाने की राष्ट्रीय समस्या के अंतर्गत अन्य पिछड़ी जातियों को ऊपर उठाने की समस्या आती है। पर यह बात अंशतः ही सही है। अन्य पिछड़ी जातियों का अभावग्रस्त होना एक अलग बड़ी राष्ट्रीय समस्या है। (रिपोर्ट, पृ. 62) यानी देश के बाकी जनों की गरीबी अलग समस्या है। पिछड़ी जातियों की गरीबी भी विचारणीय है। लेकिन मजहबी आधार पर आरक्षण मान्य नहीं है। **–हृदयनारायण दीक्षित**

अति पर्यटन कहीं चौपट न कर दे पर्यटन उद्योग को

प्रयाग पाण्डे

भारतीय संस्कृति में अतिथि को बहुत महत्व दिया गया है। भारत की संस्कृति का प्राचीन सिद्धांत है- ''अतिथि देवो भवः।'' इस कथन में अतिथि को देवताओं के तुल्य माना गया है। आधुनिक पर्यटन के वर्तमान दौर में अनियंत्रित, अनियोजित एवं असंयोजित अति जन पर्यटन ने भारतीय संस्कृति के इस प्राचीन सिद्धांत को अप्रासंगिक बना दिया है। पर्यटक स्थलों की क्षमता से कई गुना अधिक भीड़, घोर बाजारवाद और उपभोक्तावाद ने अतिथि और आतिथ्यकर्ता के मैत्रीपूर्ण व्यवहार में खटास घोल दी है। दोनों के मध्य का सौहार्द गड़बड़ा गया है। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन स्थलों की वहन क्षमता से अधिक पर्यटकों के आवागमन से मेहमान और मेजबान के बीच टकराव की घटनाओं में यकायक बढ़ोतरी हुई है। पहाड़ के पर्यटक स्थलों में आए दिन पर्यटकों और स्थानीय निवासियों के बीच छोटी - छोटी बातों पर लड़ाई - झगड़े, गाली - गालौच, मारपीट और हाथापाई जैसी अप्रिय घटनाएं सामने आ रही हैं। अति पर्यटन के कारण उत्तराखंड के पर्यटक स्थलों में पर्यटकों से संबंधित अपराध बढ़ रहे हैं। पर्यटन कुप्रबंधन के कारण उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों में पचाने की क्षमता नहीं रह गई है। अनियंत्रित पर्यटन ने पहाड़ के आधारभूत सुविधाओं के ढांचे को चरमरा दिया है। बड़ी संख्या में पर्यटकों के आवागमन से पहाड़ की अधिकांश मोटर सड़कें दोपहिया और चौपहिया वाहनों से पट गई हैं। लोगों को घंटों सड़क जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। पहाड़ में एक घंटे के सफर में दस घंटे लग रहे हैं। गाड़ियों की भीड़ और जाम से समूचा पहाड़ त्रस्त है। स्थानीय निवासियों की दैनंदिन की गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। अति जन पर्यटन से पहाड़ में भौतिक, पर्यावरणीय एवं सामाजिक समस्याएं उत्पन्न होने लगी हैं। वहन क्षमता से अधिक पर्यटकों के आने से मेजबान और मेहमान के बीच टकराव बढ़ा है। उत्तराखंड में पर्यटन प्रबंध की मांग और आपूर्ति में सामंजस्य बैठाए बगैर अनियंत्रित पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। जबकि यहां स्थानीय संसाधनों के अनुसार सही प्रबंधन और नियोजित पर्यटन की आवश्यकता है। जब स्थानीय निवासियों के लिए चलने को सड़क - रास्ते न बचें, बुनियादी सुविधाओं का अभाव हो और स्थानीय लोगों की रोजमर्रा की आवश्यकताओं एवं सुविधाओं को नजरअंदाज कर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए तो स्थानीय लोगों के मन में पर्यटकों के प्रति शत्रुता का भाव उत्पन्न होने की आशंका बन जाती है। पर्यटन के इस अनियोजित विकास में स्थानीय लोगों की आकांक्षाओं की सरासर अनदेखी की जा रही है। सुनियोजित पर्यटन व्यवस्था के लिए स्थानीय क्षमताओं की समझ होना जरूरी है। पर्यटकों की अति भीड़ स्थानीय लोगों के लिए भौतिक एवं सामाजिक बोझ न बने इसके लिए पर्यटन स्थलों की वहन क्षमता के आधार पर पर्यटकों की संख्या को नियंत्रण में रखना आवश्यक है। अति पर्यटन से स्थानीय लोगों के मन में पर्यटकों के प्रति विद्वेष का भाव उत्पन्न हो जाता है, यह स्थिति पर्यटन उद्यम के लिए हितकर नहीं है। उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों की लोकप्रियता और उनकी व्यावसायिक उपयोगिता को बनाए रखने के लिए पर्यटकों की संख्या सुनिश्चित करना आवश्यक है। स्थानीय निवासियों से मधुर संबंध और सहयोग से ही पर्यटन उद्योग को टिकाऊ और दीर्घजीवी बनाया जा सकता है। स्थानीय लोगों का सहयोग तभी मिलेगा जब पर्यटन से उनके रोजमर्रा के कामों में व्यवधान उत्पन्न न हो और उन्हें पर्यटन से आर्थिक लाभ प्राप्त हो। उत्तराखंड में पर्यटन उद्योग को दीर्घकालिक बनाना है तो अनियंत्रित पर्यटन पर प्रभावी अंकुश लगाने और पर्यटन गतिविधियों को सीधे स्थानीय लोगों की आजीविका से जोड़ने की आवश्यकता है। इसके बगैर मेजबान और मेहमान के बीच सकारात्मक एवं सौहार्दपूर्ण रिश्ते कायम नहीं हो सकते हैं।

सेहत मंत्र

बॉडी को टोन करने में मदद करता है उत्कटासन

वेटलॉस करना तो आसान है लेकिन शरीर का वजन कम होने के बाद शरीर में एक ढीलापन आ जाता है। ऐसे में बॉडी को टोन करने की जरूरत पड़ती है। अगर आप वजन कम करने के साथ-साथ बॉडी को टोन करना चाहते हैं तो आपको उत्कटासन का अभ्यास करना चाहिए। उत्कटासन को चेयर पोज भी कहा जाता है, क्योंकि इसमें आपकी बॉडी एक कुर्सी की भांति नजर आती है। वैसे उत्कटासन का अभ्यास करने से ना सिर्फ बॉडी टोन होती है, बल्कि इससे आपको अन्य भी कई लाभ होते हैं। यह वजन कम करने के साथ-साथ पैरों की मसल्स को टोन करने में मदद करता है। उत्कटासन का नियमित अभ्यास करने से आपका स्टेमिना बढ़ता है। यह आसन आपके पीठ के निचले हिस्से को मजबूती प्रदान करता है। इससे बैक पेन और ज्वाइंट पेन से राहत मिलती है। उत्कटासन के नियमित अभ्यास से शरीर का संतुलन बेहतर होता है। उत्कटासन का अभ्यास करने से पैरों, घुटने, एड़ियां व जांघ की मांसपेशियां मजबूती मिलती है। उत्कटासन का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले योगा मैट पर सीधे खड़े हो जाएं। इसके बाद दोनों पैरों को थोड़ा?थोड़ा फैलाएं और दोनों हाथों को आगे की तरफ फैलाएं। इस दौरान आपकी हथेली नीचे की तरफ रहेगी। अपने हाथों को सीधे रखें। आपकी कुहनियां भी मुड़ी हुई नहीं होनी चाहिए। इसके बाद आप घुटनों को धीरे?धीरे मोड़ें और पेल्विस को नीचे की तरफ ले जाएं। इस दौरान झुकते हुए आप कल्पना करें कि जैसे आप किसी काल्पनिक कुर्सी पर बैठे हुए हों। इस स्थिति में आप सहज ही रहें। आपके हाथ जमीन के समानांतर और कमर को सीधा व आराम की अवस्था में रखे। याद रखें कि रीढ़ की हड्डी पूरी लंबाई में सीधी होनी चाहिए। अब गहरी सांस लें। जैसे?जैसे आप सहेज होते रहें, अपने घुटनों को थोड़ा और मोड़ते हुए नीचे की तरफ दबाव डालें। इस दौरान आपकी कमर एकदम सीधी होनी चाहिए। अब कुछ क्षण इसी अवस्था में रूकें।

धर्म मंत्र

फेंगशुई कछुआ ला सकता है आपके जीवन में तरक्की और समृद्धि

कछुआ या कश्यप का हिंदू धर्म में भी विशेष महत्व है। भगवान विष्णु का एक अवतार, जिसे कश्यप अवतार के नाम से जाना जाता है, कछुए का ही एक रूप है, इसलिए माना जाता है कि जहां कछुए के रूप में भगवान विष्णु रहते हैं, वहां विष्णुप्रिया मां लक्ष्मी का स्वतः आगमन होता है। उस घर में धन, सम्पत्ति और समृद्धि की कभी कोई कमी नहीं रहती, फेंगशुई में कछुए को सकारात्मक ऊर्जा और लम्बी आयु का प्रतीक माना जाता है। फेंगशुई के अनुसार, फेंगशुई कछुए को अपने घर या ऑफिस में रखने से कार्य में प्रगति होती है और तरक्की मिलती है। नया व्यापार शुरू करते समय अपने ऑफिस या दुकान में चांदी का बना हुआ फेंगशुई कछुआ रखना शुभ माना जाता है। अगर आप अपने करियर में तरक्की चाहते हैं, तो आपको काले रंग के कछुए को अपने कार्य स्थल की उत्तर दिशा में रखना चाहिए। कछुए को फेंगशुई में संरक्षक या गार्जियन भी माना जाता है, इसलिए घर के पश्चिम दरवाजे पर फेंगशुई कछुए को रखना घर की सुरक्षा को बढ़ाता है। जिन दंपत्ति को संतान का सुख नहीं मिल रहा हो, उन्हें अपने घर में पीठ पर छोट कछुआ लिए हुए मादा फेंगशुई कछुए को अपने घर में रखना चाहिए। कछुए के परिवार को अपने ड्राइंग रूम में रखने से घर का माहौल अच्छा बना रहता है। परिवार में मेलजोल और तरक्की में वृद्धि होती है।

पर्यटन

देखने में सुंदर और सुकून भरा है सिक्किम के शहर

भारत अपनी संस्कृति के साथ-साथ कई सुंदर दृश्यों के लिए भी काफी मशहूर है। यहां के कई राज्य तो ऐसे हैं जिनकी पहचान ही उनकी खूबसूरत वादियां और शांत वातावरण है। यहां हर तरह के मौसम का आनंद उठाने के लिए विभिन्न राज्य और उनके शहर मौजद हैं। इन्ही में से एक सिक्किम है जो अपनी सुंदरता के लिए जाना जाता है। वहीं, आज हम आपको सिक्किम के एक ऐसे खूबसूरत शहर के बारे में बताने जा रहे हैं, जो दुनियाभर में अपने प्राकृतिक नजारों और सुंदर दृश्यों के लिए मशहूर है। यहां की खूबसरती को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। अपनी खूबसूरती के लिए दुनिया में प्रसिद्ध सिक्किम की राजधानी गंगटोक है। आप यहां से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी चोट कंचनजंगा पर्वत भी देख सकते हैं। बेहतरीन नजारे और सिक्किम की राजधानी होने के साथ ही गंगटोक यहां का सबसे बड़ा शहर भी है। ताशी व्यू पॉइंटः यूं तो गंगटोक में ऐसे बहुत पॉइंट हैं जहां से आप माउंट सनिलोच और कंचनजंगा पर्वत की सुंदरता को देख सकते हैं। इन्हीं में से एक ताशी व्यू पॉइंट भी है, जहां से आप बर्फ की चादर से ढके पहाड़ों को देख सकते हैं। ये पॉइट चारों ओर से खूबसूरती से भरा हुआ है। आपको ये जगह पहाड़ों और बादलों से घिरी दिखेगी। इतना ही नहीं, आप यहां से साफ तौर पर हिमालय भी देख सकते है। नाथुला पासः गंगटोक की खूबसूरत जगहों में से एक नाथुला पास है, जोकि भारत और चीन की अंतरराष्ट्रीय सीमा भी है। यहां की सीमा पर आप पास के बिना एंट्री नहीं कर सकते हैं। यहां प्रवेश करने के लिए एक परमिट की जरुरत पड़ती है। यहां आकर्षण का प्रमुख केंद्र त्सोंगमो झील है, जो इस जगह की खूबसूरती को ओर ज्यादा बढ़ाती है। एमजी रोडः गंगटोक शहर का दिल कहलाया जाने वाला एमजी रोड काफी मशहूर है। एमजी रोड की खासियत है कि यहां कोई गाड़ी नहीं चलती है और इस रोड पर सिर्फ पैदल चला जा सकता है। शॉपिंग करने के लिए गंगटोक की इस

तीन साल से एक ही चेहरा, 3 स्टार दरोगा रिजर्व में बाराबंकी यातायात की कमान पर सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। शहर का ट्रैफिक जाम और अनियंत्रित ऑटो-ईरिक्शा का मुद्दा जितना गर्म है, उतने ही सवाल यातायात पुलिस की तैनाती नीति पर भी उठ रहे हैं।

पुलिस लाइन में कई 3 स्टार धारी उपनिरीक्षक रिजर्व में तैनात हैं, जबकि पिछले करीब 3 वर्षों से शहर के यातायात प्रभार की जिम्मेदारी एक ही सब इंस्पेक्टर के पास बनी हुई है।

'स्थिरता या एकाधिकार?'

पुलिस विभाग में आमतौर पर संवेदनशील शाखाओं में रोटेशन की नीति अपनाई जाती है, ताकि अनुभव का लाभ मिले और एकाधिकार की स्थिति न बने। लेकिन बाराबंकी यातायात में पिछले 3 साल से कोई बदलाव न होने से स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज है।

नागरिकों का तर्क है कि जब रिजर्व में पर्याप्त 3 स्टार अधिकारी उपलब्ध हैं, तो यातायात जैसी व्यस्त और चुनौतीपूर्ण शाखा में वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं बनाई गई?

परिणाम सड़क पर दिख रहा है

इसी दौरान शहर में लखनऊ के ऑटो का जमावड़ा, वीआईपी मार्गों पर अवैध ठहराव और डग्गामार वाहनों की भरमार बढ़ी है। आलोचकों का कहना है कि लंबे समय तक एक ही प्रभारी के रहने से व्यवस्था में जड़ता आ जाती है और नई पहल थम जाती है।

मांगः रोटेशन और जवाबदेही तय हो

बाराबंकी के जागरूक नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने एसपी बाराबंकी से मांग की है कि यातायात शाखा में रोटेशन की नीति लागू की जाए। साथ ही ऑटो-ईरिक्शा नियंत्रण, अवैध स्टैंड हटाने और वीआईपी क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त करने की जिम्मेदारी तय की जाए।

पुलिस प्रशासन का कहना है कि तैनाती 'आवश्यकता और कार्यक्षमता' के आधार पर होती है। लेकिन सवाल बना हुआ है कि 3 साल का लंबा कार्यकाल बाराबंकी जैसे बढ़ते शहर के ट्रैफिक के लिए कितना व्यावहारिक है?

एफसीआई की लापरवाही से घुन का प्रकोप ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। नगर सीमा से सटे सोमैया नगर, ढकौली व आसपास के क्षेत्रों में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के गोदामों से फैल रहे घुन के प्रकोप से परेशान ग्रामीणों ने शिवसेना (यूबीटी) प्रदेश महासचिव मनोज मिश्र 'विद्रोही' के नेतृत्व में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। आरोप है कि गोदामों में पर्याप्त रसायन का छिड़काव न होने से घुन आसपास के इलाकों में फैल रहे हैं, जिससे लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। समस्या का शीघ्र समाधान न होने पर एफसीआई डिपो के बाहर प्रदर्शन की चेतावनी दी गई।

श्रीकृष्ण-जन्मभूमि पर भगवान जगन्नाथ की स्नानयात्रा संपन्न

मथुरा । श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर सोमवार शाम भगवान जगन्नाथजी की स्नानयात्रा का परंपरागत आयोजन विधिविधानपूर्वक किया गया। इस संबंध में श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान द्वारा सूचनानुसार ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा तद्नुसार सोमवार की सांय 6 बजे से धार्मिक अनुष्ठानों के मध्य श्रीभागवत-भवन में स्थित भगवान श्रीजगन्नाथजी का शास्त्रों के अनुरूप वैदिक मंत्रोच्चारण एवं झांझ, मजीरों की ध्वनि के मध्य विधि-विधान से गौदुग्ध, शर्करा, गौघृत, शहद एवं दही आदि से पंचामृत अभिषेक कर स्नानयात्रा अनुष्ठान की पूजा सेवा संपन्न हुई। ऐसी मान्यता है कि भगवान इस स्नानयात्रा के बाद बीमार हो जाते हैं। अब भगवान जगन्नाथ जी स्वास्थ्य लाभ करेंगे। तद्नुसार भगवान जगन्नाथजी के दर्शन भक्तों को आगामी 15 दिन तक नहीं होंगे। आपाढ़ शुक्ल द्वितीया तद्नुसार 16 जुलाई 2026 को भगवान जगन्नाथजी, अपने बड़े भ्राता बलभद्रजी एवं बहन सुभद्राजी के साथ रथ में विराजमान होकर यात्रा करते हुए नगर भ्रमण करेंगे।

सार्वजनिक भूमि पर मस्जिद निर्माण का विरोध

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मदारपुर में राजस्व की भूमि पर अवैध रूप से प्रशासन की बिना अनुमति के मस्जिद निर्माण का विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने विरोध किया। रविवार को मुस्लिम समुदाय के द्वारा बिना अनुमति के राजस्व की भूमि पर मस्जिद निर्माण प्रारंभ कर दिया था जिसको लेकर सोमवार को विश्व हिंदू परिषद का एक प्रतिनिधि मंडल ने मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों से जानकारी भी ली। बदोसरांय थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मदारपुर में मुस्लिम समुदाय के द्वारा रविवार को मस्जिद मजार के निमार्ण करने के प्रयास में सोमवार को विश्व हिंदू परिषद के प्रतिनिधि मंडल ने मौके पहुंच कर स्थलीय निरीक्षण किया और ग्रामीणों से चर्चा की। उसके बाद विश्व हिन्दू परिषद विभाग संगठन मंत्री इंद्रेश व जिला मंत्री

राहुल कुमार,बजरंग दल के श्रीकांत,राघवेन्द्र ने बदोसरांय थाना प्रभारी निरीक्षक राम अवतार सरोज से मामले में जानकारी लेते हुए प्रकरण गंभीरता को देखते हुए कठोर कार्रवाई की मांग की।

हमीरपुर: वृद्धावस्था पेंशन योजना के सत्यापन में बड़ा खुलासा, 904 मृतकों के खातों में जा रही थी पेंशन

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में वृद्धावस्था पेंशन योजना के सत्यापन के दौरान बड़ा खुलासा सामने आया है। समाज कल्याण विभाग द्वारा कराए गए सर्वे में 904 ऐसे पेंशनधारक चिन्हित किए गए हैं जिनकी मौत हो चुकी है, लेकिन उनके खातों में लगातार पेंशन की धनराशि भेजी जा रही थी। मामले का संज्ञान लेते हुए विभाग ने ऐसे सभी लाभार्थियों की पेंशन तत्काल प्रभाव से रोक दी है तथा करीब 27 लाख रुपये की धनराशि शासन के खाते में वापस जमा कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। समाज कल्याण विभाग के अनुसार वर्तमान में जनपद के 53,943 बुजुर्ग वृद्धावस्था पेंशन का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। पात्र एवं अपात्र लाभार्थियों की पहचान के लिए समय-समय पर सत्यापन कराया जाता है। बीते दो माह पूर्व तत्कालीन जिलाधिकारी घनश्याम मीना के निर्देश पर सभी अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर व्यापक सत्यापन अभियान चलाया गया था। इसी दौरान 904 पेंशनधारक मृत पाए गए। जांच में सामने आया कि मृतकों के परिजनों अथवा संबंधित बैंक शाखाओं द्वारा समाज कल्याण विभाग को मृत्यु की सूचना नहीं दी गई, जिसके कारण उनके खातों में पेंशन की राशि भेजी जाती रही। विभाग का कहना है कि पेंशन की धनराशि किसी नामिनी को देने का प्रावधान नहीं है। बैंक में लाभार्थी की उपस्थिति आवश्यक होती है। कई मामलों में पेंशन की राशि खातों में ही जमा रही, जबकि कुछ मामलों में धनराशि निकाले जाने के बाद उसकी विधिक जांच की जाएगी। समाज कल्याण विभाग ने सभी संबंधित बैंक शाखाओं को मृत पेंशनधारकों के खाते, नाम एवं अन्य विवरण उपलब्ध कराते हुए शेष धनराशि शासन को वापस करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा सत्यापन में कुछ अन्य अपात्र लाभार्थी भी मिले हैं, जिनसे भी नियमानुसार धनराशि की वसूली की जाएगी। इस संबंध में जिला समाज कल्याण अधिकारी हिमांशु अग्रवाल ने सोमवार को बताया कि अब तक लगभग 50 प्रतिशत धनराशि वापस कराई जा चुकी है। शेष धनराशि की वापसी के लिए संबंधित बैंकों को पत्र भेजे गए हैं।

32वें भारतीय खाद्य वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीविद् सम्मेलन के प्रतीक-चिह्न का अनावरण

दिसंबर माह में सम्मेलन, नए शोधों के आदान-प्रदान पर होगा विमर्श

वाराणसी । काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित कृषि विज्ञान संस्थान के दुग्ध विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग में सोमवार को 32वें भारतीय खाद्य वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीविद् सम्मेलन (आईसीएफओएसटी-2026) के प्रतीक-चिह्न का अनावरण किया गया। यह सम्मेलन 21 से 23 दिसंबर, 2026 तक बीएचयू में एसोसिएशन ऑफ फूड साइंटिस्ट्स एंड टेक्नोलॉजिस्ट्स इंडिया, सीएसआईआर-सीएफटीआरआई तथा डीआरडीओ के सहयोग से आयोजित किया जाएगा।

प्रतीक-चिह्न का अनावरण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी उपस्थित ने किया।

इस अवसर पर प्रो. चतुर्वेदी ने सम्मेलन बीएचयू में कराने के लिए आईएफसीटी आई का आभार जताया। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक आयोजन नए शोधों के आदान-प्रदान, सहयोग विकसित करने, अनुसंधान सहायता प्राप्त करने तथा नवाचार को बढ़ावा देने के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने पोषण, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के समाधान में खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया तथा कृषि, विज्ञान, चिकित्सा और प्रौद्योगिकी के बीच अधिक अंतर विषयी सहयोग का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बीएचयू के पूर्व निदेशक प्रो. एस. एन. उपाध्याय ने खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा कृषि विज्ञान संस्थान से अपने लंबे जुड़ाव को साझा किया। उन्होंने मेधावी एम.टेक. विद्यार्थियों के लिए स्थापित प्रो. एस. एन. उपाध्याय फ़ेलोशिप का उल्लेख करते हुए युवा शोधार्थियों को प्रोत्साहित करने के महत्व पर बल दिया। सीएसआईआर-सीएफटीआरआई परिसर, मैसूर के आयोजन सचिव डॉ. तनाजी जी. कुद्रे ने बताया कि सम्मेलन में लगभग 25 तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के लगभग 100 प्रतिष्ठित वक्ता भाग लेंगे। सम्मेलन में शिक्षा, अनुसंधान संस्थानों, उद्योग और नीति-निर्माण से जुड़े 2,500 से अधिक प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। इस सम्मेलन के दौरान एक मेगा फूड एक्सपो का भी आयोजन किया जाएगा, जो नवाचारों, प्रौद्योगिकियों तथा उद्योग-शैक्षणिक सहयोग को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। अध्यक्ष डॉ. परमजीत एस. पनेसर ने कहा कि संस्था भारत में खाद्य वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों का सबसे बड़ा पेशेवर संगठन है, जिसकी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सशक्त उपस्थिति है।

कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. यू. पी. सिंह ने आयोजन समिति को बधाई दी। प्रो. अनिल कुमार चौहान ने अतिथियों का स्वागत करते हुए वैज्ञानिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने तथा दुग्ध विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी में अनुसंधान को आगे बढ़ाने में इस सम्मेलन की महत्ता बताया।

रेलवे ट्रैक किनारे मिला शव,सनसनी

रामनगर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के चौकाघाट रेलवे स्टेशन के पास दुर्गापुर मोड़ के निकट रेलवे लाइन किनारे झाड़ियों में करीब एक सप्ताह पुराना अज्ञात शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। दुर्गंध आने पर रेलकर्मियों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को झाड़ियों से बाहर निकलवाया। शव पूरी तरह सड़-गल चुका था, जिसके कारण उसकी पहचान नहीं हो सकी। मृतक के हाथ में कलावा बंधा मिला है, जिससे उसके हिंदू समुदाय का होने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज भेजा।

नहरों में पानी न आने से धान की खेती पर संकट, शीघ्र जलापूर्ति की मांग

सिद्धौर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। सिद्धौर ब्लॉक क्षेत्र की नहरों में समय पर पानी न छोड़े जाने से किसानों के सामने सिंचाई का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। धान की रोपाई और बेसार तैयार करने के महत्वपूर्ण समय में नहरें सूखी होने से किसान चिंतित हैं।

किसानों का कहना है कि नहरों में पानी न आने के कारण धान की खेती प्रभावित हो रही है। मजबूरी में उन्हें डीजल पंपिंग सेट और इंजन के सहारे महंगी सिंचाई करनी पड़ रही है, जिससे खेती की लागत लगातार बढ़ रही है।

ग्रामीणों ने सिंचाई विभाग से तत्काल मुख्य नहर में पानी छोड़ने की मांग की है, ताकि उससे जुड़ी अल्पिकाओं में भी टेल तक पानी पहुंच सके और क्षेत्र के सभी किसानों को सिंचाई का लाभ मिल सके। किसानों का कहना है कि यदि जल्द जलापूर्ति नहीं हुई तो धान की फसल पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

आग में नकदी समेत गृहस्थी राख

मसौली बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। सफदरगंज थाना क्षेत्र के लतीरपुर मजरे सेमरी गांव में रविवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग से एक मकान में रखी 65 हजार रुपये की नकदी सहित गृहस्थी का पूरा सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची दमकल की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। पीड़ित देशराज के नुकसान का लेखपाल ने आकलन कर रिपोर्ट तहसील प्रशासन को भेज दी है।

निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों का निरीक्षण, सुरक्षा मानकों का पालन निर्देश

रामसनेहीघाट बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। शासन के निर्देश पर सोमवार को रामसनेहीघाट क्षेत्र के निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों का संयुक्त टीम ने सघन निरीक्षण किया। उपमुख्य चिकित्साधिकारी, फायर ब्रिगेड विभाग तथा उपजिलाधिकारी के निर्देश पर नायब तहसीलदार उमेश द्विवेदी के नेतृत्व में टीम ने फायर सेफ्टी सिस्टम, आपातकालीन निकास, खिड़की-दरवाजों की व्यवस्था, विद्युत वायरिंग सहित अन्य सुरक्षा मानकों की जांच की। बनिरीक्षण के दौरान सूर्या डायग्नोस्टिक सेंटर, डॉक्टर्स डायग्नोस्टिक्स एंड सीटी स्कैन सेंटर तथा आकांक्षा नर्सिंग होम का परीक्षण किया गया। अधिकारियों ने संचालकों को मरीजों और कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन सुरक्षा व्यवस्था एवं सभी निर्धारित मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी कि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

युवक का शव फंदे से लटका मिला, हत्या का आरोप

रामनगर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के कटियारा गांव में सोमवार को एक युवक का शव घर के कमरे में साड़ी के फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान जितेंद्र चौहान के रूप में हुई। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि गांव की एक युवती से बातचीत को लेकर कुछ लोगों ने जितेंद्र के साथ मारपीट की थी। उनका कहना है कि हत्या करने के बाद शव को फंदे से लटका दिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी

बांकेबिहारी में उमड़ा सैलाब, बगीचे में विराजे ठा. छोटे राधारामनलाल

मथुरा। ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार वृंदावन ठा. बांकेबिहारी महाराज के दर्शनों के लिए भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। मंदिर परिसर प्रातःकाल से ही लाड़ले बांकेबिहारी के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा को जल यात्रा पर्व के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में वृन्दावन के राधामदनमोहन, राधाश्यामसुंदर, राधा दामोदर, राधागोविंद देव, राधारमण, राधा गोकुलानंद आदि मंदिरों में भी इस पर्व को विशेष श्रद्धा के साथ मनाया गया। बांकेबिहारी मंदिर में प्रातःकाल भव्य फूल बंगला सजाया गया तो अन्य मंदिरों में सायंकाल फूल बंगला का आयोजन हुआ। वहीं मंदिर प्रांगणों को भी भव्यता से सजाया गया। इस अवसर पर ऋतुनुकूल फल, रस तथा मिठाईयों का विशेष भोग भी ठाकुरजी को निवेदित किया गया। इसके साथ ही भक्तों ने सुबह और सायंकाल वृन्दावन धाम की सप्तकोसीय परिक्रमा भी लगाई गई। वृंदावन टेढ़े खंभे के रूप में प्रसिद्ध शाहजी मंदिर में विराजमान ठा. छोटे राधारमण लाल जू ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर मंदिर परिसर में स्थित दिव्य बगीचे में विराजे जहां भक्ता अपने आराध्य के दर्शन कर निहाल हुए। ठाकुर जी को जहां एक ओर दिव्य प्रसाद निवेदित किए गए। वहीं भव्य फूल बंगले में उन्हें विराजित कर उनके समक्ष दिव्य फव्वारे चलाए गए। गौरतलब है कि ज्येष्ठ पूर्णिमा का पर्व ब्रज के आराध्य अर्चा विग्रहों को ग्रीष्म ऋतु से निजात दिलाने के लिए स्नान यात्रा के रूप में अत्यंत श्रद्धापूर्वक मनाया जाता है। मंदिर सेवाधिकारी शाह के एस गुप्ता और प्रशांत शाह ने बताया कि ठाकुरजी का यह दिव्य विलास पर्व विगत 157 वर्षों से श्रद्धापूर्वक मनाया जा रहा है। जिसके दर्शन का अद्भुत आनंद और आह्लाद भक्तों के हृदयों में होता है।

सपा सरकार में गन्ना मिले बिक रही थी, योगी सरकर में बढ़ रहीं हैं : चौधरी भूपेंद्र सिंह

मुरादाबाद । समाजवादी पार्टी की सरकार में गन्ने की मिले बिक रही थी, योगी सरकार में गन्नों की मिलों की संख्या बढ़ रही है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में चीनी मिला समय पर खुल रही हैं, समय पर बंद हो रही है, समय पर पुराई हो रही है। समय पर गन्ना किसानों को उनका भुगतान मिल रहा है। यह बातें सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार में सूक्ष्म लघु उद्योग मध्यम मंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसभा में कही। कैबिनेट मंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह ने आगे कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में अपराध का बोलबाला था, शाम को 6 बजने के बाद बहन-बेटियां घर के बाहर नहीं निकल सकती थी। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकर में अपराध नगण्य हो गया, अपराधी या तो जेलों में बंद हो गए या ऊपर चले गए। चौधरी भूपेंद्र सिंह ने आगे कहा कि भाजपा सरकार में पूरे प्रदेश को इस गर्मी के मौसम में भरपूर बिजली मिल रही है। सपा सरकार में बिजली की वीवीआईपी व्यवस्था के तहत आती थी।

झांसी : गांधी रोड स्थित पेंट गोदाम में दूसरे दिन तीसरी बार लगी आग

झांसी । शहर के व्यस्ततम गांधी रोड बाजार स्थित चौधरी पेंट के गोदाम में सोमवार को दूसरे दिन लगातार तीसरी बार आग लगने से पूरे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। पेंट और अन्य ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया। आग की ऊंची लपटें और धुएं का घना गुबार देखकर आसपास के दुकानदारों में दहशत फैल गई। एहतियात के तौर पर कई व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां तत्काल मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने आग को आसपास की दुकानों तक फैलने से रोकने के लिए तुरंत मोर्चा संभाला। संकरी बाजार और भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में राहत एवं बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन दमकल कर्मियों ने लगातार कई घंटों तक कड़ी मशक्कत करते हुए आखिरकार आग पर

काबू पा लिया।

जानकारी के अनुसार गांधी रोड स्थित सुनील चौधरी के चौधरी पेंट गोदाम में रविवार दोपहर पहली बार आग लगी थी, जिसे समय रहते बुझा लिया गया था। इसके बाद सोमवार दोपहर एक बार फिर आग भड़क उठी, जिस पर फायर ब्रिगेड ने काबू पा लिया। हालांकि शाम होते-होते गोदाम से फिर धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग ने दोबारा विकराल रूप ले लिया। लगातार तीसरी बार आग लगने से व्यापारियों में चिंता और भय का माहौल है।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि गोदाम में बड़ी मात्रा में पेंट, थिनर और अन्य

चार दमकलों ने घंटों की मशक्कत के बाद पाया काबू

ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी, जिससे आग तेजी से फैल गई। आग लगने का प्रारंभिक कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। बार-बार आग लगने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था और आग बुझाने के बाद की निगरानी पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुख्य अग्नि शमन अधिकारी राजकिशोर राय ने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियों को मौके पर भेजा गया था। दमकल कर्मियों ने कड़ी मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जो राहत की बात है। फिलहाल नुकसान का आकलन किया जा रहा है और आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। वहीं, पुलिस भी पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

सूर्यवंशी के लिए जगह बनानी ही होगी भारतीय टीम प्रबंधन को

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रतिभाशाली वैभव सूर्यवंशी के लिए एक मजबूत टीम में कैसे जगह बनाई जाए, यह भारतीय टीम के ब्रिटेन दौरे से पहले सबसे बड़ा सवाल था और अब आयरलैंड से दो मैच में अप्रत्याशित हार के बाद लगता है कि टीम प्रबंधन को इसके लिए कोई ना कोई तरीका निकालना ही होगा। क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद थी कि 15 वर्षीय सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिल जाएगा लेकिन भारतीय टीम प्रबंधन प्रक्रिया का पालन करने पर अडिग रहा जिसमें पहले से आजमाए गए खिलाड़ियों को पर्याप्त मौका देना शामिल है। लेकिन अब लगता है कि इस प्रक्रिया की समीक्षा करने का समय आ गया है। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया था और इसलिए वह इस श्रृंखला में खेलने के हकदार थे। यही वजह थी कि सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। लेकिन अब लगता है कि सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में जगह देनी ही होगी। ऐसा तभी नहीं होगा जबकि मुख्य कोच गौतम गंभीर की अगुवाई वाले टीम प्रबंधन को यह लगता हो कि सैमसन और अभिषेक की जोड़ी का कोई सानी नहीं है। चयन प्रक्रिया उतनी सरल नहीं होती जितनी दिखती है, लेकिन भारतीय टीम के रणनीतिकारों को एक जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए उपयुक्त समाधान ढूंढना होगा। पिछले कुछ वर्षों के रिकॉर्ड को देखें तो इंग्लैंड की पिचें थोड़ी सपाट रहने की संभावना है। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने आज तक से कहा, ''वैभव सूर्यवंशी जिस तरह की फॉर्म में हैं, उसे देखते हुए उन्हें आयरलैंड के खिलाफ दोनों मैच में अंतिम एकादश में जगह मिलनी चाहिए थी। अभिषेक और सैमसन को एक-एक मैच में मौका दिया जा सकता था और सूर्यवंशी को दोनों मैचों में मौका दिया जा सकता था। इस प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी को आजमाने के लिए यह एक अच्छा मंच था। उन्होंने कहा, ''सूर्यवंशी को इंग्लैंड में पहले मैच से ही खिलाना होगा। टीम प्रबंधन को खराब फॉर्म वाले बल्लेबाजों को बाहर करके सूर्यवंशी को मौका देना चाहिए। भले ही आप अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों को टीम में बनाए रखते हुए उन्हें तीसरे नंबर पर उतारें लेकिन सूर्यवंशी को एक जुलाई को इंग्लैंड में होने वाले पहले मैच में खेलना ही होगा। अगर आप पहले मैच में इंग्लैंड पर जीत दर्ज करना चाहते हैं तो सूर्यवंशी को खेलना ही होगा। अगर टीम प्रबंधन सैमसन-अभिषेक की जोड़ी को नहीं बदलना चाहता, तो ईशान किशन समेत बाकी बल्लेबाजों को एक स्थान नीचे आना होगा। इस नए क्रम में सूर्यवंशी तीसरे, किशन चौथे, श्रेयस अय्यर पांचवें, तिलक वर्मा छठे, शिवम दुबे सातवें और अक्षर पटेल आठवें नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो सूर्यांश शेडगे को इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में जगह नहीं मिलेगी। अगर शिवम दुबे सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आते हैं, तो उनसे चार ओवर गेंदबाजी करने की उम्मीद की जाएगी क्योंकि शीर्ष क्रम में केवल अभिषेक ही कामचलाऊ स्पिनर हैं। दुबे का स्तर हार्दिक पंड्या जैसा नहीं हैं और टी20 टीम में वह ज़्यादा से ज़्यादा छठे गेंदबाज ही हो सकते हैं। असली समस्या यहीं से शुरू होती है। भारत के सभी टी20 बल्लेबाजों को आईपीएल में बड़े शॉट लगाना पसंद है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि उनके पास एक इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में एक विकल्प मौजूद है। ऐसी स्थिति में जब वह मुश्किल पिच पर खेलते हैं तो उनके लिए समस्या पैदा हो जाती है।

यूएस ओपन बैडमिंटन के फाइनल में हारे किदांबी श्रीकांत

एजेंसी

फुलर्टन। भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत का यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीतने का सपना अधूरा रह गया। पुरुष एकल फाइनल में रविवार को उन्हें चीनी ताइपे के सू ली-यांग के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व नंबर-1 श्रीकंात ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए दूसरा गेम अपने नाम किया, लेकिन निर्णायक गेम में वह युवा प्रतिद्वंद्वी की तेज रफ्तार और आक्रामक खेल का जवाब नहीं दे सके। लगभग एक घंटे तक चले मुकाबले में श्रीकांत 15-21, 21-16, 9-21 से पराजित हुए। 33 वर्षीय श्रीकंात इस सत्र का अपना पहला फाइनल खेल रहे थे। मुकाबले की शुरुआत उन्होंने अच्छी की, लेकिन कुछ अनावश्यक गलतियों का फायदा उठाकर सू ली-यांग ने पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में श्रीकंात ने शानदार नेट प्ले और दमदार स्मैश का प्रदर्शन किया। उन्होंने लगातार बढ़त बनाए रखी और 21-16 से गेम जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। हालांकि निर्णायक तीसरे गेम में सू ली-यांग ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और लगातार बढ़त बनाते हुए श्रीकंात पर दबाव बनाए रखा। ब्रेक तक उन्होंने चार अंकों की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद श्रीकंात वापसी नहीं कर सके और सू ली-यांग ने मैच जीतकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया। इस हार के बावजूद श्रीकंात का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा। उन्होंने सेमीफाइनल में जापान के युदाई ओकिमोटो को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। पिछले वर्ष भी वह मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 और सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 में उपविजेता रहे थे। इस बार भी उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

आमिर जंगू के दोहरे शतक और रोच के 300 टेस्ट विकेट से वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को पारी और 217 रन से रौंदा

एजेंसी

एंटीगा। वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को पारी और 217 रन के विशाल अंतर से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। मैच के चौथे दिन रविवार को वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका की दूसरी पारी केवल 101 रन पर समेट दी।

इससे पहले श्रीलंका ने पहली पारी में 308 रन बनाए थे। कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने शानदार 120 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि दिनेश चांडीमल ने 54 रन और नुवांडी फर्नांडो ने 84 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की ओर से जस्टिन ग्रीव्स ने तीन विकेट लिए। जवाब में वेस्टइंडीज ने बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए 626/9 पर पारी घोषित की। विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू ने करियर का पहला दोहरा शतक लगाते हुए 233 रन बनाए, जबकि कप्तान रोस्टन चेज़ ने 194 रन की शानदार पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों की बड़ी पारियों की बदौलत मेजबान टीम ने 318 रन की बढ़त हासिल की। चौथे दिन श्रीलंका ने 15/1 से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन उसकी शुरुआत बेहद खराब रही। दिन के पहले ही ओवर में केमार रोच ने निशान मदुश्का को एलबीडब्ल्यू आउट किया, जबकि तीन गेंद बाद जेडन सील्स ने नाइटवॉचमैन कासुन राजिथा को स्लिप में कैच कराकर पवेलियन भेज दिया। कमिंदु मेंडिस और दिनेश चांडीमल ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन कमिंदु मेंडिस शमर जोसेफ की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद पहली पारी में शतक लगाने वाले कप्तान धनंजय डी सिल्वा भी एलबीडब्ल्यू आउट होकर लौट गए। श्रीलंका ने जल्द ही आधी टीम गंवा दी।

एवीसी पुरुष वॉलीबॉल कप में ऐतिहासिक कांस्य जीतने वाली भारतीय टीम को केंद्रीय खेलमंत्री ने किया सम्मानित

एजेंसी

गांधीनगर। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने सोमवार को एवीसी पुरुष वॉलीबॉल कप 2026 में भारत को पहला ऐतिहासिक पदक दिलाने वाली भारतीय टीम को सम्मानित किया। भारत ने इस प्रतियोगिता में पहली बार कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सहयोगी दल को बधाई देते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि यह पदक भारतीय वॉलीबॉल के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है, लेकिन इसे केवल शुरुआत मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर सफलता के साथ नई जिम्मेदारियां और बड़ी अपेक्षाएं जुड़ती हैं तथा सरकार की प्रत्येक नीति, निवेश और प्रयास खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सक्षम बनाने के लिए हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू सरजमीं पर एवीसी पुरुष वॉलीबॉल कप में भारत का पहली बार पदक जीतना देश में वॉलीबॉल के लगातार विकास और बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने की क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय सुविधाओं, प्रशिक्षण और समर्थन ने टीम को केवल खेल पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर दिया। डॉ. मांडविया ने कहा कि केंद्र सरकार खेल अकादमियों के विकास, प्रतिभा खोज, खेल विज्ञान, खिलाड़ियों के कल्याण और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर लगातार काम कर रही है। उनका विश्वास है कि भारतीय टीम की यह ऐतिहासिक उपलब्धि देशभर के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी और वॉलीबॉल के विकास को नई दिशा देगी। इस वर्ष पहली बार भारत ने एवीसी पुरुष वॉलीबॉल कप की मेजबानी की। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूल चरण में एक भी मैच नहीं गंवाया और एशिया की मजबूत टीमों के खिलाफ दमदार खेल दिखाया। तीसरे स्थान के मुकाबले में भारत ने बहरीन को 3-1 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। यह एवीसी पुरुष वॉलीबॉल कप के इतिहास में भारत का पहला पदक और अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारतीय टीम के कप्तान जेरोम विनिथ चार्ल्स ने सरकार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक पदक पूरे देश को समर्पित है। मुख्य कोच ड्रागन मिहाइलोविच ने भी भारतीय खेलों के लिए सरकार की दीर्घकालिक योजना की सराहना की। उन्होंने कहा कि यदि यही गति बनी रही तो भारत भविष्य में हर बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन में नियमित रूप से पदक जीतने में सक्षम होगा। भारत की इस सफलता का असर विश्व रैंकिंग पर भी पड़ा।

हॉकी टीम के लिए विदेशी कोच की नियुक्ति करेगा पीएचएफ

लाहौर। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने राष्ट्रीय टीम के एफआईएच प्रो लीग में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम प्रबंधन के ढांचे में बदलाव करने का फैसला किया है और वह अब विदेशी कोच की नियुक्ति करेगा। पाकिस्तान इस सत्र में प्रो लीग का एक ही मैच नहीं जीत पाया। लंदन में उसे दो मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इनमें भारत से मिली 7-1 की करारी शिकस्त भी शामिल है। पीएचएफ का संचालन अभी अंतरिम अध्यक्ष मुहुद्दीन वानी कर रहे हैं। उन्होंने बयान में कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड या जर्मनी से विदेशी कोच की सेवांए लेगा जो सीनियर टीम के अलावा जूनियर खिलाड़ियों के साथ और घरेलू स्तर पर भी काम करेंगे। बयान में कहा गया है, ''अब राष्ट्रीय टीम को आधुनिक हॉकी की जरूरतों के अनुसार तैयार करने का समय आ गया है।

केंद्र ने कारोबार करने में आसानी को बढ़ावा देने के लिए सुधार सूचना तंत्र शुरू किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने व्यापार करने में आसानी (ईओडीबी) को बढ़ावा देने के लिए 'सुधार सूचना तंत्र' की शुरुआत की है। इसे जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम के जरिए लागू किया गया है, जो व्यवसायों को बिना दंड के प्रक्रियात्मक कमियों को सुधारने का मौका देता है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मुताबिक इस नई व्यवस्था के तहत अगर कोई कारोबार पहली बार प्रक्रिया या नियमों का पालन करने में कोई तय चूक करता है, तो उसे दंडात्मक कार्रवाई शुरू होने से पहले उस कमी को ठीक करने का मौका दिया जाएगा। इस सुधार का मकसद 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (ईओडीबी) को बढ़ावा देना है। यह सुधार ईओडीबी को बढ़ावा देता है। यह स्वेच्छा से नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करता है, अनावश्यक कानूनी विवादों को कम करता है और भरोसे पर आधारित रेगुलेटरी सिस्टम को सपोर्ट करता है। इसके साथ ही उपभोक्ताओं की मज़बूत सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है। मंत्रालय ने कहा कि इसे जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम के माध्यम से लागू किया गया है, जो व्यवसायों को बिना दंड के प्रक्रियात्मक कमियों को सुधारने का मौका देता है। इसके लिए स्वेच्छा से नियमों का पालन करने को प्रोत्साहित किया जाएगा, बेवजह के कानूनी विवाद कम किए जाएंगे और भरोसे पर आधारित रेगुलेटरी सिस्टम को सपोर्ट किया जाएगा, साथ ही उपभोक्ताओं की सुरक्षा भी मजबूत बनी रहेगी। सुधार नोटिस सिस्टम पहली बार होने वाली कुछ खास प्रक्रियात्मक और रेगुलेटरी कमियों पर लागू होता है, जिसमें रजिस्ट्रेशन की जरूरतें, डॉक्यूमेंटेशन और रिकॉर्ड रखना, मॉडल मंजूरी, वजन और माप का निर्माण, बिक्री और मरम्मत, वजन और माप का आयात, लेन-देन और पैक्ड सामान, कानूनी जानकारी और रिटर्न देना आदि हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने स्पष्ट किया है कि सुधार सूचना तंत्र से उपभोक्ता संरक्षण में कोई कमी नहीं आती और न ही कानूनी मापन अधिनियम के तहत प्रवर्तन कमजोर होता है। यह तंत्र केवल निर्दिष्ट प्रथम बार की प्रक्रियात्मक और विनियामक गैर-अनुपालनों पर ही लागू होता है।

चोपड़ा जल्द ही अपने पुराने रंग में लौट आएंगे: अंजू बॉबी जॉर्ज

नयी दिल्ली। दिग्गज एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज का मानना है कि भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा जल्द ही अपने पुराने रंग में लौट आएंगे तथा इस साल होने वाले एशियाई खेलों और 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में फिर से शानदार प्रदर्शन करेंगे। चोपड़ा सितंबर 2025 में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप से पहले पीठ के निचले हिस्से की लगी चोट से उबर गए हैं। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में इस सत्र की शुरुआत की और 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथा स्थान हासिल किया। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 28 वर्षीय चोपड़ा ने हाल ही में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों और आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता लंबी कूद की एथलीट अंजू ने कहा, ''जहां तक नीरज का सवाल है तो वह प्रतियोगिता का स्तर बढ़ने के साथ ही अच्छा प्रदर्शन करना शुरू कर देंगे। वह ओलंपिक चैंपियन और विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता हैं। ऐसा कारनामा आज तक किसी भारतीय ने नहीं किया है। समय आने पर उसका अनुभव काम आएगा। उन्होंने कहा, ''वह लगभग 10 वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय हैं। हम यह नहीं कह सकते कि वह अपनी बेहतरीन फॉर्म में नहीं हैं या अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने चरम पर रहते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। वह अब भी वह अपने चरम पर हैं। उन्होंने हमारे लिए बहुत कुछ किया है। अब उन्हें खेल का आनंद लेने दीजिए। अंजू ने इसके साथ ही कहा कि उन्हें यकीन था कि लंबी कूद में उनका 22 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड उनकी ही शिष्या शैली सिंह और उनके गृह राज्य केरल की एंसी सोजन तोड़ सकती हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता था कि शैली या एंसी इस साल एशियाई खेलों या राष्ट्रमंडल खेलों में मेरा रिकॉर्ड तोड़ सकती हैं क्योंकि इन खेलों में खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। रिकॉर्ड तोड़ने के लिए ही बनते हैं।

संक्षिप्त समाचार

हमें विश्वास नहीं हो रहा, हम परिस्थितियों के अनुकूल ढलने में नाकाम रहे: डोएशे

बेलफास्ट। भारत के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने स्वीकार किया कि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा है कि टी20 में विश्व चैंपियन टीम आयरलैंड के खिलाफ दोनों मैच में हार गई और कहा कि उनके खिलाड़ी परिस्थितियों के अनुकूल ढलने में नाकाम रहे। आयरलैंड ने पहला मैच 34 रन से जीता और इसके बाद श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली भारतीय टीम को दूसरे मैच में एक रन से हराकर इतिहास रच दिया। डोएशे ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''बहुत से लोगों के साथ हमें भी विश्वास नहीं हो रहा है। हमने अभी-अभी विश्व कप जीता है लेकिन हमें ऐसी टीम ने हराया जिसने 'बेसिक्स' (बुनियादी बातों) पर पूरा ध्यान दिया। उन्होंने कहा, ''सबसे पहले आयरलैंड को श्रेय जाता है और दूसरी बात, हमारे लिए सबसे बड़ी सीख यह है कि हम अलग-अलग परिस्थितियों और अलग-अलग टीमों के खिलाफ खुद को ढाल सकें। इस श्रृंखला का हमारे लिए यही सबसे बड़ा सबक है। डोएशे ने कहा, ''मुझे लगता है की परिस्थितियों ने अहम भूमिका निभाई। यह हमारी हार का मुख्य कारण रहा। हमने इसका अच्छी तरह से समाधान नहीं किया। सबसे बड़ी समस्या हवा थी, लेकिन हार के लिए कोई बहाना नहीं चलेगा। हमें अलग-अलग चुनौतियों का अच्छी तरह से सामना करने का तरीका ढूंढना होगा। उन्होंने कहा, ''आयरलैंड ने बेसिक्स पर अच्छी तरह से काम किया और हम इस मामले में उनका मुकाबला नहीं कर पाए।

भारत को टी20 में अपनी रणनीति पर फिर से विचार करने की जरूरत: मजूमदार

लंदन। भारत के महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने स्वीकार किया कि टीम ने तीनों विभाग में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया और उसे खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी रणनीति पर फिर से विचार करने की जरूरत है। भारत को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत की जरूरत थी लेकिन उसकी टीम 170 रन का बचाव करने में नाकाम रही और लगातार दूसरी बार लीग चरण से आगे नहीं बढ़ पाई। मजूमदार ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''हमें अपनी रणनीति या अपने टी20 खेल पर फिर से विचार करना होगा। हमें वास्तव में यह तय करना होगा कि हम किस संयोजन के साथ खेलने जा रहे हैं। भारत ने पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड पर आसान जीत दर्ज की, लेकिन दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से मिली हार ने कई कमियों को उजागर किया। मजूमदार ने कहा,''अगर मुझे पूरे टूर्नामेंट में कुछ खास बातों पर ध्यान देना हो, तो मुझे लगता है कि हमें अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। हमें बल्लेबाजी में भी थोड़ा आक्रामक होना होगा। ऐसा करने पर हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 15 से 20 रन अधिक बना सकते थे। भारतीय कोच ने हालांकि कहा कि उनकी टीम ने चुनौती पूर्ण स्कोर बनाया था लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने उनसे बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हमने अच्छा स्कोर बनाया था। हमने पारी के अंत में लय भी हासिल कर ली थी और मुझे लगता है कि हमने इसे मैदान पर भी बरकरार रखा। लेकिन आखिर में ऑस्ट्रेलिया हमसे बेहतर टीम साबित हुई। असल में पूरे टूर्नामेंट में भारत की बल्लेबाजी कभी भी लय में नहीं दिखी। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के नियमित योगदान के बावजूद मध्य क्रम के बल्लेबाज अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में बार-बार नाकाम रहे।

सेरेंटिका रिन्यूएबल्स राजस्थान के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी

नयी दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी सेरेंटिका रिन्यूएबल्स ने राजस्थान में स्वच्छ ऊर्ज़ा के क्षेत्र में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना की सोमवार को घोषणा की। कंपनी ने बयान में कहा कि उसकी रणनीति उन उद्योगों के कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने पर केंद्रित है, जहां उत्सर्जन घटाना अपेक्षाकृत कठिन है। इसके लिए वह ऐसे नवीकरणीय ऊर्ज़ा समाधान उपलब्ध करा रही है, जिनसे मांग के अनुरूप निरंतर, विश्वसनीय और किफायती बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। बयान के अनुसार, 'राजस्थान के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए सेरेंटिका ने राज्य में आने वाले वर्षों में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है। इसमें से 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश पहले ही किया जा चुका है।

आरईसी के पीएफसी में विलय की योजना को दोनों कंपनियों के निदेशक मंडल की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन (आरईसी) लिमिटेड के निदेशक मंडलों ने आरईसी के पीएफसी में विलय की योजना को मंजूरी दे दी है। आरईसी का पीएफसी में विलय होने से एक ऐसी वित्तीय कंपनी बनेगी, जिसका कुल कर्ज खाता 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का होगा। शेयर बाजार को देर रात दोनों कंपनियों ने इस विलय की जानकारी दी। सोमवार को कारोबार के दौरान दिन में करीब आरईसी के शेयर 0.37 फीसदी यानी 1.35 रुपये चढ़कर 366 रुपये प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे थे, जबकि पीएफसी के शेयर 1.56 फीसदी यानी कि करीब 6.75 रुपये टूटकर 425.90 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे। आरईसी के पीएफसी में विलय कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230-232 और अन्य लागू प्रावधानों के तहत किया जाएगा, जिसमें संबंधित शेयरधारकों तथा कर्जदाताओं को भी शामिल किया गया है। ये विलय कई शर्तों पर निर्भर है। इनमें दोनों कंपनियों के शेयरधारकों और कर्जदाताओं की मंजूरी और सभी संबंधित नियामकीय तथा सरकारी प्राधिकरणों की मंजूरी शामिल है। दोनों कंपनियों के संयुक्त बयान के अनुसार विलय के बाद बनी कंपनी का कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत 'सरकारी कंपनी' का द़र्जा बनाए रखना और भारत सरकार का विलय के बाद बनी कंपनी में (सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से) ज्यादातर मतदान अधिकार और नियंत्रण बनाए रखना भी जरूरी है। योजना और मूल्यांकन रिपोर्ट के मुताबिक आरईसी का पीएफसी में प्रस्तावित विलय के लिए शेयर विनिमय अनुपात के तहत आरईसी के शेयरधारकों को 10-10 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक चुकता 100 शेयर के बदले पीएफसी के 10-10 रुपये अंकित मूल्य के 88 चुकता शेयर जारी किए जाएंगे।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी नजर आ रही है। भाव में आई गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,45,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

'आयुष्मान सारथी' व्हाट्सऐप चैटबॉट की लॉचिंग, अब 24 घंटे मिलेगी पीएम-जेएवाई की डिजिटल सेवाएं

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को 'आयुष्मान सारथी' प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई व्हाट्सऐप चैटबॉट) लॉन्च किया।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने आज बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनआईए) द्वारा विकसित यह चैटबॉट आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम -जेएवाई) के लाभार्थियों को व्हाट्सऐप के माध्यम से 24 घंटे और सप्ताह के सातों दिन स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान, सुरक्षित और त्वरित पहुंच उपलब्ध करायेगा। इसके जरिए नागरिकों को सरकारी दफ्तरों या कॉल सेंटरों के चक्कर लगाए बिना घर बैठे कई महत्वपूर्ण सेवाएं मिल सकेंगी।

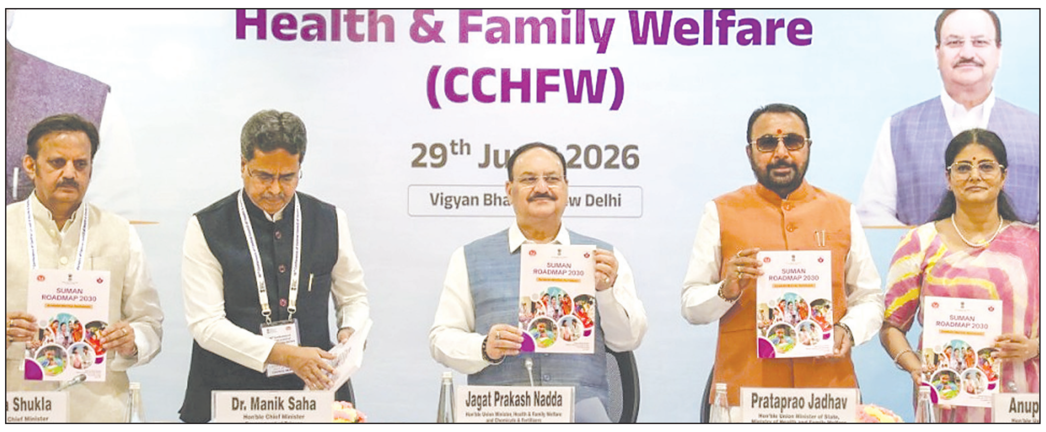

उन्होंने कहा कि 'आयुष्मान सारथी' को पीएम-जेएवाई सिस्टम के साथ सुरक्षित एपीआई -आधारित इंटीग्रेशन पर विकसित किया गया है, जिससे लाभार्थियों को रियल-टाइम जानकारी और सेवाएं सीधे व्हाट्सऐप पर प्राप्त होंगी। चैटबॉट के माध्यम से पात्रता की जांच, आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन, कार्ड डाउनलोड, ईकेवाईसी दोबारा करना, आधार लिंक करना, कार्ड लॉक या अनलॉक करना, 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के लिए आयुष्मान वयो वंदना कार्ड, वॉलेट बैलेंस और इलाज का इतिहास देखने जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

इसके अलावा लाभार्थी अपने नजदीकी पैनल में शामिल अस्पतालों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, शिकायत दर्ज करने, उसकी स्थिति ट्रैक करने या वापस लेने, कॉल बैक का अनुरोध करने तथा अस्पताल से डिस्चार्ज के बाद डिजिटल फीडबैक देने जैसी सुविधाओं का भी लाभ उठा सकेंगे। सरकार का कहना है कि इससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की निगरानी बेहतर होगी और शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 'आयुष्मान सारथी' डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं अधिक पारदर्शी, सुलभ और नागरिक-केंद्रित बनेंगी। लाभार्थी इस आधिकारिक व्हाट्सऐप चैटबॉट का उपयोग 91 72908 23838 नंबर पर ''हाई'' भेजकर या निर्धारित क्यूआर कोड स्कैन करके कर सकते हैं।

'वीबी-जीरामजी' का साझा रोडमैप पर चर्चा, एक जुलाई से पूरे देश में लागू

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यहां चल रहे दो दिवसीय राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन 'ग्रामोदय से राष्ट्रोदय' के दूसरे दिन सोमवार को सभी राज्यों के ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ ग्रामीण विकास के लिए बनी 'वीबीऽजीरामजी' योजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।

इस असवर पर श्री चौहान ने कहा कि 'विकसित भारत- जी राम जी' योजना के लिए 95,682 करोड़ रुपये की अंतरिम स्वीकृति दी जा चुकी है। उन्होंने राज्यों से अपील करते हुए कहा कि वे समय पर अपनी औपचारिकताएं पूरी करें ताकि योजना का सुचारू क्रियान्वयन हो सके। मनरेगा के स्थान पर लायी जा रही यह योजना आगामी एक जुलाई से लागू हो रही है।

इस सम्मेलन में 'लखपति दीदी डैशबोर्ड' की भी शुरुआत की गयी और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए एक विशेष डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ भी किया गया। श्री चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लखपति दीदी की संख्या तीन करोड़ से बढ़ाकर छह करोड़ महिलाओं को बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए अगले पांच वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपये का बैंक लिंकिंग रोडमैप तैयार किया गया है। श्री चौहान ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कई अहम बिंदु रखे। इनमें राज्यों को समय पर अपना वित्तीय हिस्सा जारी करना होगा और ग्रामीण विकास से जुड़े खाली पदों को शीघ्र भरना जरूरी है। योजनाओं के प्रचार-प्रसार और जनजागरूकता पर विशेष ध्यान देना होगा और सोशल ऑडिट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित मॉनिटरिंग को मजबूत करने की जरूरत भी है। प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण सड़क योजना और दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए श्री चौहान ने कहा कि कई राज्यों ने अच्छा बेहतर काम किया है, जबकि कुछ को सुधार की जरूरत है। उन्होंने भूमिहीन लाभार्थियों को जमीन उपलब्ध कराने और लंबित आवासों के शीघ्र समाधान पर विशेष जोर दिया। झारखंड, बिहार, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों के सफल मॉडल जैसे मल्टी?चैनल मार्केटिंग, सामुदायिक उद्यम और हाउसहोल्ड आजीविका ऋण योजनाओं का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इन चीजों को सभी राज्यों के साथ साझा किया जाएगा, ताकि अच्छा काम पूरे देश में दोहराया जा सके। उन्होंने कहा कि कई योजनाओं और प्रक्रियाओं में अभी भी सुधार की गुंजाइश है और अगर राज्यों को किसी नियम या प्रक्रिया में व्यावहारिक दिक्कत है तो ग्रामीण विकास मंत्रालय उसे बदलने का प्रयास करेगा।

श्री चौहान ने कमजोर मानसून के अनुमान को लेकर 14 राज्यों के लिए चेतावनी जारी की। उन्होंने जल संरक्षण संरचनाओं को मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्रों में अतिरिक्त रोजगार की तैयारी रखने के निर्देश दिये, ताकि किसी भी स्थिति से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके। सम्मेलन में वीबी -जीरामजी से जुड़े लोगो डिजाइन और दूसरी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को श्री चौहान ने सम्मानित किया गया। साथ ही कुछ पुस्तकों का विमोचन भी हुआ।

खरगे सहित राज्यसभा के लिए निर्वाचित आठ सदस्यों को राधाकृष्णन ने दिलायी शपथ

एजेंसी

नयी दिल्ली। राज्य सभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित राज्यसभा के पुनर्निवाचित एवं नवनिर्वाचित आठ सदस्यों को राज्य सभा की सदस्यता की शपथ दिलायी।

राज्यसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार श्री राधाकृष्णन ने संसद भवन में आयोजित सादे समारोहों में निर्वाचित सदस्यों को सदस्यता की शपथ दिलायी। कर्नाटक से निर्वाचित श्री खरगे के अलावा आज शपथ लेने वाले सात सदस्यों में गुजरात से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जीतेन्द्र मेघजीभाई कंजारिया और श्री मानसिंह मेरामन परमार, कर्नाटक से भाजपा के एम. नागराजा, मध्य प्रदेश से भाजपा के तरूण चुघ, महाराष्ट्र से निर्वाचित हुए राष्ट्रवाद कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के राजेंद्र हीरालाल जैन, मणिपुर से भाजपा की अधिकारीमायुम शारदा देवी ऊर्फ मैमोम शारदा देवी और राजस्थान से निर्वाचित भाजपा की डॉ. अलका सिंह शामिल हैं।

इन सात में से चार सदस्यों ने हिंदी में, एक ने कन्नड़ में, एक ने पंजाबी में और एक ने मणिपुरी भाषा में शपथ ली।

इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, सदन के नेता एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, विधि और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और राज्यसभा के सदस्य जयराम रमेश और प्रफुल्ल पटेल उपस्थित थे। राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी और सचिवालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एफसीआरए संशोधन अधिनियम तत्काल लागू किया जाये: कृष्णन

एजेंसी

नयी दिल्ली। आदिवासियों की तरक्की और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए कार्यरत गैर सरकारी संगठन हाईरेंज रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी (एचआरडीएस) के सचिव अजी कृष्णन ने विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) में किये गये संशोधनों को देशभर में तत्काल प्रभाव से लागू करने की मांग की है।

उन्होंने सोमवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि (एफसीआरए) भारत में विदेशी देशों एवं संस्थाओं से प्राप्त होने वाले आर्थिक सहयोग (विदेशी अंशदान) को विनियमित करने के लिए बनाया गया कानून है। जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विदेशी धन का उपयोग देश की राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता तथा जनहित के विरुद्ध न हो। एफसीआरए संशोधन विधेयक का कुछ ईसाई चर्च नेताओं द्वारा किया जा रहा विरोध पूरी तरह प्रेरित और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि पन्द्रहवीं शताब्दी से पुर्तगालियों के नेतृत्व में विदेशी ईसाई प्रभाव भारत में बढ़ा और विदेशी शक्तियों ने भारत के संसाधनों तथा संपत्ति का व्यापक दोहन किया। उन्होंने यह भी दावा किया कि अनेक हिंदू मंदिरों को नष्ट किया गया तथा कोच्चि और गोवा जैसे क्षेत्रों में औपनिवेशिक शक्तियों ने अपने प्रभुत्व स्थापित किये। उन्होंने कहा कि मिशनरी भारत में धर्मांतरण के उद्देश्य से आये थे और उन्होंने भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं विरासत को पश्चिमी धार्मिक मान्यताओं से बदलने का प्रयास किया। उनके अनुसार, पोप द्वारा नियुक्त बिशप वेटिकन के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हैं और देश में चर्च के नियमों को लागू करते हैं। श्री कृष्णन ने आरोप लगाया कि पूर्वोत्तर भारत के ईसाई बहुल राज्यों, जैसे मणिपुर, नागालैंड, मिजोरम और मेघालय में लंबे समय से अशांति का वातावरण रहा है तथा विदेशी सहायता का उपयोग राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ क्षेत्रों में चर्च संगठनों ने उग्रवादी समूहों के साथ सहयोग किया तथा विदेशी वित्तपोषित ईसाई प्रचार गतिविधियों का विस्तार हुआ। जबरन एवं धोखे से कराये जाने वाले धर्मांतरण भारत की एकता और सामाजिक समरसता के लिए गंभीर खतरा हैं।

यूबीटी के 14 विधायकों पर नज़र

'ऑपरेशन टाइगर 3.0' की चर्चाओं के बीच महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) गुट में एक और संभावित टूट की लगातार चर्चाओं के बीच प्रदेश की राजनीति में हलचल बनी हुई है। रिपोर्टों के अनुसार एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में हाल ही में छह सांसदों के शामिल होने के बाद, अब शिवसेना (यूबीटी) विधायकों के एक अलग गुट को एकजुट करने की कोशिशें हो सकती हैं, जिसे कुछ राजनीतिक हलकों में ''ऑपरेशन टाइगर 3.0'' कहा जा रहा है।

इस दावे को लेकर राजनीतिक चर्चाएँ तेज़ हो गई हैं कि ठाकरे गुट के 14 विधायक सत्ताधारी गठबंधन के साथ बातचीत के अंतिम चरण में हैं। इस संख्या को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे राज्य विधानसभा में गुट की कुल 20 विधायकों की संख्या का दो-तिहाई हिस्सा पूरा हो जाएगा। इससे संविधान की दसवीं अनुसूची (दल-बदल विरोधी कानून) के प्रावधानों से बचते हुए गुट में संभावित रूप से विभाजन हो सकता है। यह अटकलें तब और तेज़ हो गईं जब शिवसेना के मंत्री गुलाबराव पाटिल ने दावा किया कि ''ऑपरेशन टाइगर 3.0'' पहले ही शुरू हो चुका है और 14 विधायकों के उपमुख्यमंत्री के खेमे में शामिल होने की उम्मीद है। शिंदे गुट के अन्य वरिष्ठ नेताओं, जिनमें मंत्री उदय सामंत भी शामिल हैं, ने आधिकारिक तौर पर ऐसे किसी भी ''ऑपरेशन'' से इनकार किया है। उनका कहना है कि भले ही विपक्ष के कई विधायकों ने अपनी मर्ज़ी से उनकी पार्टी में शामिल होने में दिलचस्पी दिखाई है, लेकिन पार्टी पर कब्ज़ा करने की कोई औपचारिक कोशिश नहीं की जा रही है।

कश्मीरी पंडित नर्स मर्डर केस में चार्जशीट दाखिल, यासीन मलिक समेत 5 लोगों के नाम शामिल

एजेंसी

श्रीनगर। कश्मीर की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (सीआईए) ने श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (स्कीम्स) की स्टाफ नर्स सरला भट के अपहरण, टॉर्चर और हत्या के मामले में 737 पेज की चार्जशीट दाखिल की है। आरोपपत्र में प्रतिबंधित जेकेएलएफ चीफ यासीन मलिक और चार अन्य लोगों के नाम शामिल किये गए हैं।

एजेंसी के मुताबिक यह मामला कश्मीर में आतंकवाद के शुरुआती दौर में हुए सबसे बर्बर आतंकवादी अपराधों में से एक से जुड़ा है। सरला भट का 18 अप्रैल, 1990 को स्कीम्स से अपहरण कर लिया गया था। उन्हें बेरहमी से टॉर्चर किया गया और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया और उसके बाद श्रीनगर की उमर कॉलोनी में ऑटोमैटिक राइफल से गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई।

प्रवक्ता ने बताया कि यह केस 18 मार्च, 2024 को सीआईए को सौंपा गया था। बयान में कहा गया है कि चार्जशीट में दशकों से जमा किए गए मौखिक, दस्तावेज़ी, फोरेंसिक, बैलिस्टिक, मेडिकल और इलेक्ट्रॉनिक सबूतों का एक मज़बूत संग्रह शामिल है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के चरम पर होने के दौरान बने असाधारण हालात की वजह से यह केस दशकों तक अनसुलझा रहा। आतंकवादी संगठनों की धमकी और आतंक के माहौल ने गवाहों के सामने आने और ज़रूरी तथ्य बताने की क्षमता पर बुरा असर डाला था।

प्रवक्ता ने बताया कि जांच से यह साबित हुआ कि सरला भट की हत्या हिंसा की कोई अलग-थलग घटना नहीं थी, बल्कि जम्मू एंड कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) की कमान और कंट्रोल में रची गई एक बड़ी आतंकवादी साज़िश का हिस्सा थी। जांच से पता चला है कि अपहरण और बेरहमी से हत्या की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में जेकेएलएफ के तत्कालीन चीफ कमांडर मोहम्मद यासीन मलिक के साथ-साथ खुर्शीद अहमद चालकू, अब्दुल हामिद शेख, मोहम्मद यूसुफ सूफी उर्फ इदरीस और गुलाम मोहम्मद टपलू शामिल थे। बयान में कहा गया है कि अब्दुल हामिद शेख, मोहम्मद यूसुफ सूफी उर्फ इदरीस और गुलाम मोहम्मद टपलू की मौत हो चुकी है और मोहम्मद यासीन मलिक अभी किसी दूसरे मामले में न्यायिक हिरासत में है। फरार आतंकवादी खुर्शीद अहमद चालकू (जिसने गोली चलाई थी) के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। माना जाता है कि वह पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर भाग गया है।

भारतीय सेना ने मंगोलिया में ऑपरेशनल तैयारी का प्रदर्शन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने मंगोलिया की राजधानी उलानबातार में बहुराष्ट्रीय शांति स्थापना सैन्य अभ्यास 'खान क्वेस्ट' में हिस्सा लेकर अपने सामरिक कौशल एवं रणनीतिक चपलता के साथ ऑपरेशनल तैयारी का प्रदर्शन किया है। फाइव हिल्स ट्रेनिंग एरिया में हो रहे इस अभ्यास में भारतीय सेना की जाट रेजिमेंट की 40 सदस्यीय टुकड़ी हिस्सा ले रही है। यह 'खान क्वेस्ट' अभ्यास 2003 में अमेरिका और मंगोलिया के बीच एक द्विपक्षीय कार्यक्रम के रूप में शुरू हुआ था, जो 2006 से एक बहुराष्ट्रीय शांति स्थापना अभ्यास में बदल गया है।

भारतीय सेना की टुकड़ी बहुपक्षीय संयुक्त सैन्य अभ्यास 'खान क्वेस्ट' में भाग लेने के लिए 18 जून को रवाना हुई थी। यह अभ्यास 20 जून से 3 जुलाई तक मंगोलिया के उलानबातार स्थित फाइव हिल्स ट्रेनिंग एरिया में हो रहा है। इस अभ्यास में दुनिया भर की सैन्य ताकतें संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय 7 के तहत शांति समर्थन अभियानों में सहयोग और अंतर-संचालनीयता बढ़ाने के लिए एकजुट हों रही हैं। इस अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र चार्टर (अध्याय 7) के तहत बहुराष्ट्रीय वातावरण में शांति सुरक्षा और शांति समर्थन अभियानों के लिए सैन्य तत्परता और अंतर-संचालन को बढ़ाना है। अभ्यास के दौरान संयुक्त योजना, गश्त, घेराबंदी और तलाशी अभियान, शत्रुतापूर्ण क्षेत्रों से नागरिकों की निकासी और कॉम्बैट फर्स्ट-एड (प्राथमिक चिकित्सा) का प्रदर्शन किया जा रहा है। भारत और अमेरिका सहित 18 देशों के लगभग 1,000 सैनिक इस अभ्यास में शामिल हैं। इस अभ्यास की शुरुआत सबसे पहले 2003 में अमेरिका और मंगोलियाई रक्षा बलों के बीच एक द्विपक्षीय कार्यक्रम के रूप में हुई थी। इसके बाद 2006 से यह अभ्यास एक बहुपक्षीय शांति रक्षा अभ्यास में परिवर्तित हो गया और वर्तमान में यह इसका 23वां संस्करण है। भारतीय दल की भागीदारी वैश्विक शांति और मंगोलिया के साथ रणनीतिक साझेदारी के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। भारतीय सेना के 40 जवानों वाले दल में जाट रेजिमेंट की एक बटालियन के सैनिकों के साथ-साथ अन्य सशस्त्र बलों और सेवाओं के जवान भी शामिल हैं।

खान क्वेस्ट अभ्यास का उद्देश्य भाग लेने वाले रक्षा बलों के दल को बहुपक्षीय वातावरण में शांति रक्षा अभियानों के लिए तैयार करना है। इस अभ्यास में संयुक्त योजना और सामरिक अभ्यासों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

पेज एक का शेष

साइकिल चलेगी...

तस्वीर पेश कर रही हैं। उन्होंने बताया कि गोरखपुर से शामली तक बनने वाला आर्थिक कॉरिडोर पीलीभीत क्षेत्र को भी बेहतर संपर्क देगा। यह कॉरिडोर आगे पानीपत और सिलीगुड़ी तक जुड़ने वाली संपर्क व्यवस्था का हिस्सा बनेगा, जिससे व्यापार, परिवहन, उद्योग और निवेश को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी से ही तेज प्रगति संभव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीलीभीत टाइगर रिजर्व आज जिले की सबसे बड़ी पहचान बन चुका है। प्रदेश सरकार जैव विविधता संरक्षण के साथ पर्यटन सुविधाओं का भी विस्तार कर रही है। इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और पीलीभीत राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और मजबूत पहचान बनाएगा। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण दोनों को साथ लेकर सरकार आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में गुंडों और माफियाओं का आतंक था। वे गरीबों और व्यापारियों की जमीनों पर कब्जा करते थे, विकास कार्यों में बाधा डालते थे और आम लोगों का जीना दूभर कर देते थे। उन्होंने कहा कि पहले दंगे, कर्फ्यू और अपराध आम बात थे, लेकिन भाजपा सरकार बनने के बाद कानून व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई की है और किसी भी अपराधी को संरक्षण नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में ''नो दंगा, नो कर्फ्यू, सब चंगा'' का माहौल है। अपराधियों और माफियाओं में कानून का भय है, जबकि व्यापारी, महिलाएं, किसान और आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्रतिबद्धता गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं के कल्याण के लिए है, न कि किसी गुंडे या माफिया को संरक्षण देने के लिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में गोशालाओं की जमीन, सार्वजनिक संपत्तियों और गरीबों की भूमि पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले कुछ लोग राजनीतिक संरक्षण में गोशालाओं और अन्य सरकारी जमीनों पर कब्जा कर लेते थे, लेकिन अब ऐसी हरकतों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। जहां गोशाला बनी है वहां पहले किसी सपाई का ही कब्जा रहा होगा। जब कब्जे खाली करने की चेतावनी दी तो भाग गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार की प्राथमिकता गोशालाओं की सुरक्षा, पशुधन संरक्षण और अवैध कब्जों को हटाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो लोग सपाइयों के संरक्षण में जमीनों पर कब्जा, अराजकता और अवैध गतिविधियों में शामिल हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

'ऐसे आयोजनों ...

कहा, ''ऐसे आयोजनों में भारत से जो भी लोग हिस्सा लेते हैं, चाहे वे सेवानिवृत्त राजनयिक हों, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी हों या नागरिक समाज के सदस्य हों, वे अपनी व्यक्तिगत क्षमता में बोलते हैं और केवल अपना दृष्टिकोण रखते हैं। मिसरी ने कहा कि ऐसे लोग किसी भी स्थिति में भारत सरकार का पक्ष प्रस्तुत नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, ''वे किसी भी तरह से भारत सरकार के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकते। इस बात को ध्यान में रखना जरूरी है।'' विदेश सचिव ने दोहराया, ''हम वास्तव में ऐसे आयोजनों का कोई संज्ञान नहीं लेते। जहां तक हमारा सवाल है, इनका कोई विशेष महत्व नहीं है।

जुलाई के बिजली...

अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि नियामक आयोग ने टैरिफ आदेश में बिजली खरीद की लागत 4.94 रुपये प्रति यूनिट तय की थी। वहीं, अप्रैल 2026 में वास्तविक बिजली खरीद 4.78 रुपये प्रति यूनिट रही। उपभोक्ताओं को राहत की बड़ी वजह खरीद की रकम का यह अंतर ही है। जून में हुई गलत वसूली के बाद यह आदेश न केवल उपभोक्ताओं के लिए आर्थिक राहत है बल्कि उपभोक्ताओं की कानूनी लड़ाई की महत्वपूर्ण जीत भी है। जब भी कानून के मुताबिक अधिभार शुल्क की गणना की जाती है तब-तब उपभोक्ताओं को लाभ मिलता है। अनदेखी पर ही उपभोक्ताओं को अतिरिक्त भुगतान करना पड़ता है। अवधेश ने कहा कि जून में 2000 करोड़ की अतिरिक्त वसूली और अन्य महीनों में ली गई अतिरिक्त रकम भी पावर कॉरपोरेशन को वापस करनी होगी।

पश्चिम बंगाल...

करते हुए कहा कि सरकार कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुसार काम कर रही है और उन्होंने इसके किसी भी राजनीतिक मकसद से इनकार किया। श्री घोष ने विधानसभा को बताया, ''हमने उन 113 वर्गों को हटा दिया है जिन्हें पहले बिना किसी क्षेत्र सर्वेक्षण के शामिल किया गया था और उन 66 समुदायों को बनाए रखा है जिन्हें अलग-अलग सर्वेक्षण के बाद शामिल किया गया था। कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले के अनुसार अब उन 113 समुदायों को हटा दिया गया है। उन्होंने कहा, ''आयोग जांच करेगा और अगर उसे लगता है कि किसी समुदाय को शामिल किया जाना चाहिए, तो वह सिफारिशें करेगा जिन पर सरकार विचार करेगी। पिछली सरकार ने आयोग को नजरंदाज किया था और इसीलिए उच्च न्यायालय ने उस प्रक्रिया को रद्द कर दिया था।'' गौरतलब है कि श्री घोष 2012 के कानून के तहत अनुसूची एक में शामिल 113 समुदायों का जिक्र कर रहे थे- जिसमें कोटि ए के तहत 65 समुदाय और कोटि बी के तहत 78 समुदाय शामिल थे। नये विधेयक के अनुसार इन्हें कानून से हटा दिया जाएगा। नये संशोधन के तहत राज्य सरकार को पिछड़ा वर्ग आयोग के साथ सलाह-मशविरा करके जांच और मूल्यांकन के जरिए पहचाने गए पिछड़ेपन के स्तर के आधार पर ओबीसी नागरिकों को अलग-अलग कोटि में बांटने का अधिकार होगा। सरकार के पास आयोग के साथ सलाह-मशविरा करने के बाद ओबीसी समुदायों की अलग-अलग कोटियों के लिए आरक्षण का प्रतिशत तय करने का अधिकार भी होगा। इस विधेयक में जरूरत पड़ने पर आरक्षण कोटा बढ़ाने की गुंजाइश है, हालांकि कुल आरक्षण 50 प्रतिशत की संवैधानिक सीमा से अधिक नहीं हो सकता। यह कानून आयोग के कामकाज से जुड़े बदलाव भी लाता है। आयोग के सदस्य अब पद संभालने की तारीख से तीन साल तक पद पर बने रहेंगे, जबकि सदस्य-सचिव का कार्यकाल सरकार तय करेगी। दूसरा संशोधन विधेयक पिछड़ा वर्ग आयोग की शक्तियों और जिम्मेदारियों का काफी विस्तार करता है और उन्हें स्पष्ट करता है। आयोग संशोधित प्रावधानों के तहत पिछड़ा वर्ग की सूची में किसी भी वर्ग को शामिल करने के अनुरोध वाले आवेदनों की जांच करेगा। वह जरूरत पड़ने पर राज्य सरकार को इसमें शामिल करने के बारे में सलाह देगा। आयोग नागरिकों की उन शिकायतों को भी सुनेगा जो पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल करने या हटाने से जुड़ी होंगी। अहम बात यह है कि आयोग की सिफारिशों और सलाह को आम तौर पर राज्य सरकार के लिए बाध्यकारी माना जाएगा।

अफगानिस्तान...

अन्य आतंकी संगठनों को जिम्मेदार ठहराता है। उसकी यह सैन्य कार्रवाई कराची में पाकिस्तान रेंजर्स के क्षेत्रीय मुख्यालय पर हुए आतंकी हमले के बाद हुई। इस हमले में तीन सैनिक मारे गए थे। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने तीन हमलावरों को मार गिराया, जबकि एक घायल हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया, जिसकी पहचान अफगान नागरिक के रूप में की गई है। इस हमले की जिम्मेदारी जमात-उल-अहरार ने ली है, जो टीटीपी से अलग हुआ गुट है।

8 आरोपितों को 14 दिन...

के पदाधिकारियों के साथ पांच अधिवक्ताओं की एक समिति बनाई जाएगी, जो न्यायालय की कार्यवाही पर नजर रखेगी और आवश्यक सहयोग प्रदान करेगी। बार एसोसिएशन ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर मांग करने का भी निर्णय लिया कि इस प्रकरण की पैरवी में अधिवक्ता संघ के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए, ताकि न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सके। बैठक में एसोसिएशन ने मांग उठायी कि राम जन्मभूमि ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय, पूर्व ट्रस्टी अनिल मिश्रा और राम मंदिर के निर्माण सहायक गोपाल राव की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा उनके विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 173 के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही जांच पूरी होने तक उन्हें अयोध्या से बाहर जाने की अनुमति न दिए जाने की भी मांग की गयी। बार एसोसिएशन के इस निर्णय को लेकर न्यायिक और विधिक हलकों में व्यापक चर्चा है। यह फैसला राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण को लेकर अधिवक्ताओं की गंभीरता और संवेदनशीलता को दर्शाता है। बार एसोसिएशन ने मांग की है कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र का जब नये सिरे से गठन हो तो बार एसोसिएशन का पदेन अध्यक्ष को ट्रस्टी बनाया जाय। इस बीच जेल से ही आरोपियों की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, फिर से सभी आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में मंडल कारागार भेज दिया गया।

राम मंदिर चढ़ावा...

ट्रस्ट के मामलों और प्रशासन से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं व अन्य कथित अवैधताओं की जांच करनी चाहिए। याचिका में मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई है। साथ ही केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और मंदिर ट्रस्ट को ऐसा सिस्टम बनाने और लागू करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है, जिससे मंदिर के कामकाज की सही निगरानी और ऑडिट हो सके। इसमें आरोप लगाया गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बिना किसी प्राथमिकी या नियमित आपराधिक मामला दर्ज किए इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

अकाल तख्त से जत्थेदार का आदेश, एक माह में संशोधित करें बेअदबी कानून

■पंजाब के सभी सिख मंत्री और विधायक अकाल तख्त पर हुए पेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गडग़ज ने पंजाब सरकार को आदेश दिए हैं कि वह एक माह के भीतर बेअदबी कानून जागत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) एक्ट-2026 में संशोधन करे। अकाल तख्त सचिवालय में सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार के सभी सिख मंत्री, विधायक पहुंचे। सुनवाई के दौरान कंांग्रेस, अकाली दल तथा निर्दलीय विधायक भी अकाल तख्त साहिब के सम्मुख पेश हुए। सुनवाई के दौरान अकाल तख्त जत्थेदार कुलदीप सिंह गडग़ज ने कहा कि बेअदबी करने वालों को सजा देने के लिए कानून बनाने पर कोई एतराज नहीं है, लेकिन सरकार सिख शब्दावली, मर्यादा और पंथ से जुड़े मामलों पर विधानसभा में फैसला नहीं कर सकती। तब तक इस कानून को निलंबित किया जाए। जत्थेदार ने 2 सवाल पूछे। इस दौरान विधायकों ने माना कि कानून को बिना पढ़े सहमति दी। अकाल तख्त जत्थेदार कुलदीप सिंह गडग़ज ने सीएम भगवंत मान के 2 बयान सुनवाए। जिनमें वह कह रहे हैं कि अगर बेअदबी करने वाला मानसिक रोगी हुआ, तो उसके मां-बाप या कस्टोडियन को सजा मिलेगी। उन्होंने वहां मौजूद मंत्री-विधायकों से पूछा कि क्या ये बात कानून में लिखी है। कृषि मंत्री गुरमीत खुड्डियां कोई स्पष्ट बात नहीं कर सके। इस पर विधायक इंद्रबीर सिंह निज्जर ने कहा कि इस सुनवाई का लाइव टेलीकास्ट नहीं करना चाहिए, यह संवेदनशील मसला है। इस पर अकाल तख्त जत्थेदार ने कहा कि सीएम ने ही हर कार्रवाई का लाइव टेलीकास्ट करने को कहा था। इसके लिए अकाल तख्त को ललकारा भी था। अकाल तख्त जत्थेदार कुलदीप सिंह गडग़ज ने कहा कि सिखों के लिए कोई कानून बनाने पर सिखों की भी राय लेनी चाहिए। उस कानून में शोध करनी थी तो हमें भी बुलाते। कानून में जो शोध की है उसके लिए क्या शिरोमणि कमेटी से कोई राय ली। इस पर आप विधायक इंद्रवीर निज्जर ने कहा कि जब सुझाव मांगे थे तब एसजीपीसी को बुलाया था। निज्जर ने कहा कि कमेटी की तरफ से कोई चिट्ठी नहीं भेजी गई।

स्वास्थ्य विभाग में घोटाले पर आम आदमी पार्टी ने रेखा गुप्ता सरकार पर साधा निशाना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने सोमवार को दिल्ली में दवा खरीद से जुड़े घोटाले में आरोपित वत्सला अग्रवाल की नियुक्ति को लेकर रेखा गुप्ता सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को कहा कि यह किसी एक अधिकारी द्वारा किया गया घोटाला नहीं, बल्कि इसमें कई अन्य भी शामिल होंगे।

भारद्वाज ने एक रिपोर्ट को दिखाते हुए आरोप लगाया कि फरवरी 2025 में सरकार बने के बाद से दिल्ली सरकार ने आदेश जारी कर केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग की खरीद प्रक्रिया शुरु करने का निर्णय लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद डीजीएचएस के तहत वत्सला अग्रवाल की नियुक्ति की गई और उसी दौरान बड़े पैमाने पर खरीद संबंधी टेंडर जारी किए गए। पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने सवाल उठाया कि वत्सला अग्रवाल को डीजीएचएस का दायित्व क्यों दिया गया और उनकी नियुक्ति उपराज्यपाल ने किन परिस्थितियों में की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने पहले माहौल बनाया कि सारी खरीद सीपीए के माध्यम से ही होगी और उसके बाद सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया। आआपा नेता ने सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगया कि 10 लाख रुपये कीमत की मशीन 33 लाख रुपये में खरीदी गई, जबकि 25 लाख रुपये की मशीन की खरीद एक करोड़ 10 लाख रुपये में की गई। उन्होंने कहा कि ओआरएस की खरीद में भी बड़े भ्रष्टाचार किया गए। उनके अनुसार, 15 रुपये का एक ओआरएस पैकेट लगभग 200 रुपये में खरीदा गया और 50 लाख पैकेटों की खरीद की गई। भारद्वाज ने अस्पतालों के लिए बेडशीट की खरीद में भी घोटाला का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि जेम पोर्टल पर 150 रुपये में उपलब्ध चादरें दिल्ली सरकार ने लगभग 450 रुपये प्रति चादर की दर से खरीदीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में लगभग 15 हजार बेड की क्षमता है, लेकिन उससे कहीं अधिक संख्या में बेडशीट की खरीद की गई। सौरभ भारद्वाज ने सरकार से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

लखनऊ से चाकू खरीदकर दिल्ली आया, सो रही पत्नी की बेरहमी से हत्या, आरोपित गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा गांव में घरेलू सहायिका की निर्मम हत्या की गुत्थी को शाहदरा जिला पुलिस ने कुछ ही घंटों में सुलझाते हुए मृतका के पति को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित ने हत्या की पूरी साजिश लखनऊ में ही रची थी। वह वहां से चाकू खरीदकर बस से दिल्ली पहुंचा और सुबह तड़के सो रही पत्नी पर कई बार चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद उसने हत्या में इस्तेमाल चाकू को प्लास्टिक के बैग में छिपाकर कमरे में रख दिया, जिसे पुलिस ने उसकी निशानदेही पर बरामद कर लिया। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त राजेन्द्र प्रसाद मीणा ने सोमवार को बताया कि 28 जून को आनंद विहार थाना पुलिस को पीसीआर कॉल मिली कि कड़कड़डूमा गांव के एक कमरे में महिला खून से लथपथ पड़ी हुई है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। कमरे के अंदर एक महिला मृत अवस्था में मिली, जिसके शरीर पर चाकू के कई गहरे घाव थे। मृतका की पहचान 30 वर्षीय सोनम जोशी के रूप में हुई। वह मूल रूप से लखनऊ की रहने वाली थी और नोएडा में फुल-टाइम घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। हाल ही में वह कड़कड़डूमा गांव स्थित अपनी जेठानी कौशल के घर रहने आई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए शाहदरा जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, क्राइम टीम और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया, फोरेंसिक साक्ष्य जुटाए गए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इसके साथ ही पुलिस ने परिजनों, पड़ोसियों और अन्य लोगों से पूछताछ शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतका का पति अनुज जोशी ही वारदात के पीछे है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने की पटना मेट्रो परियोजना की समीक्षा

■2 जुलाई को मलाहीपकड़ी तक मेट्रो विस्तार का होगा लोकार्पण

■पटना मेट्रो परियोजना समयसीमा में पूरी करें, गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं : मुख्यमंत्री

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में पटना मेट्रो रेल परियोजना की प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परियोजना के सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2 जुलाई 2026 को पटना मेट्रो रेल परियोजना का विस्तार मलाहीपकड़ी तक आम जनता को समर्पित किया जाएगा। इस विस्तार के शुरू होने से राजधानीवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी, यात्रा का समय कम होगा और शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था अधिक आधुनिक, सुरक्षित तथा सुविधाजनक बनेगी। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को परियोजना के प्रत्येक चरण के लिए स्पष्ट कार्ययोजना और समयसीमा निर्धारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न निर्माण स्थलों पर समानांतर रूप से तेजी से कार्य करने, नियमित मॉनिटरिंग तथा सतत समीक्षा के माध्यम से परियोजना को समय पर पूरा करने पर विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री ने मेट्रो निर्माण के दौरान आम लोगों को होने वाली असुविधा को न्यूनतम रखने के लिए प्रभावी एवं वैज्ञानिक ट्रैफिक प्रबंधन सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। साथ ही पूरे पटना शहर की यातायात व्यवस्था का व्यापक अध्ययन कर जाम की समस्या के स्थायी समाधान के लिए समग्र ट्रैफिक मैनेजमेंट प्लान तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री ने निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना मेट्रो के संचालन से राजधानीवासियों को सुरक्षित, तेज, आधुनिक और विश्वस्तरीय सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। इससे सड़क यातायात का दबाव कम होगा, प्रदूषण में कमी आएगी और लोगों का आवागमन अधिक सुगम एवं सुविधाजनक बनेगा। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने पटना के प्रस्तावित सैटेलाइट टाउनशिप के मास्टर प्लान को भी निर्धारित समयसीमा के भीतर तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजधानी के सुनियोजित विस्तार और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सैटेलाइट टाउनशिप का विकास समयबद्ध और व्यवस्थित ढंग से किया जाना आवश्यक है। बैठक में नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार तथा पटना मेट्रो रेल परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने न्यू आईएसबीटी से आकाशवाणी तक प्रस्तावित कॉरिडोर-1 और न्यू आईएसबीटी से मीठापुर (जगनपुरा होते हुए) तक निर्माणाधीन कॉरिडोर सहित पूरी परियोजना की प्रगति की विस्तृत जानकारी मुख्यमंत्री को दी।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की समन्वय बैठक से दूर रहे पांच अखाड़े

हरिद्वार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के संतों और मेला प्रशासन के साथ संतों की समन्वय बैठक कनखल स्थित नया उदासीन अखाड़ा कनखल में नए अखाड़े के मुखिया महंत भगत राम की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कुंभ को दिव्य और भव्य बनाने के साथ मेला प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने पर चर्चा हुई। बैठक में केवल आठ अखाड़े ही सम्मलित हुए, जबकि पांच अखाड़ों ने बैठक से दूरी बनाए रखी। बैठक के संबंध में जानकारी देते हुए श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन के महामण्डलेश्वर करौली शंकर ने बताया कि मेला को दिव्य और भव्य प्रकार से मनाए जाने के संबंध में मेला अधिकारी और अन्य अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक हुई। बताया कि बैठक में सभी अखाड़ों को आमंत्रित किया गया था, किन्तु पांच अखाड़ों से दूरी बनाई। बैठक में आठ अखाड़ों ने समस्याएं अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविन्द्रपुरी के समक्ष रखी।

जनसुनवाई में 45 शिकायतें दर्ज, 22 का मौके पर समाधान

हरिद्वार। जनपदवासियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) वैभव गुप्ता की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 45 शिकायतें एवं समस्याएं दर्ज की गईं, जिनमें से 22 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई के लिए भेजा गया। जनसुनवाई में राजस्व, भूमि विवाद, राशन कार्ड, विद्युत, पेयजल, पुलिस, अतिक्रमण और जलभराव जैसी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। टीबड़ी निवासी गोविंद ने अंबेडकर पार्क के सामने नाले पर हुए अवैध कब्जे को हटाने की मांग की। औरंगाबाद निवासी परवीन कुमार ने खेत में दो माह से गिरी 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन हटाने की गुहार लगाई।

शाहदरा नॉर्थ जोन नालों की सफाई के निर्देश दिए: सत्या शर्मा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने सोमवार को शाहदरा नॉर्थ जोन के प्रमुख नालों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून शुरू होने से पहले सभी नालों की डी-सिल्टिंग (गाद निकासी) का कार्य हर हाल में निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए, ताकि वर्षा के दौरान राजधानी में जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। सत्या शर्मा ने खजूरी चौक स्थित स्केप-एक ड्रेन तथा गंगा विहार ट्रंक ड्रेन टी-पॉइंट का निरीक्षण कर डी-सिल्टिंग कार्यों की प्रगति, जल निकासी व्यवस्था और नालों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सत्या शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर समन्वय की कमी के कारण जल निकासी व्यवस्था प्रभावित नहीं होनी चाहिए। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने नालों के किनारे किए गए अवैध अतिक्रमणों को तत्काल हटाने की कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जल निकासी में बाधा बनने वाले अतिक्रमणों को हटाने में प्रशासन को उनका पूरा सहयोग मिलेगा और जनहित से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से कार्यों की निगरानी करने, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बनाए रखने तथा मानसून से पूर्व सभी आवश्यक कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न नालों पर चल रहे कार्यों और आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी। इस पर शर्मा ने कहा कि दिल्लीवासियों को जलभराव की समस्या से राहत दिलाना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभाग पूरी गंभीरता और जवाबदेही के साथ कार्य करें, ताकि मानसून के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र की निगम पार्षद रेखा रानी भी उपस्थित रहीं। नगर निगम के साथ सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, लोक निर्माण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भी निरीक्षण में भाग लिया।

जामताड़ा के साइबर ठगों पर दिल्ली पुलिस की कार्रवाई : 10 गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिला साइबर थाना पुलिस ने देश के सबसे कुख्यात साइबर अपराध केंद्र जामताड़ा और देवघर (झारखंड) से संचालित अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह बैंक अधिकारी बनकर लोगों को व्हाट्सएप पर फर्जी एपीके (एपीके) फाइल भेजता था। फाइल डाउनलोड करते ही पीड़ित का मोबाइल हैक हो जाता था और आरोपी इंटरनेट बैंकिंग, ओटीपी व अन्य जानकारियां हासिल कर लाखों रुपये की ठगी कर लेते थे। पुलिस ने चार साइबर ठगी के मामलों का खुलासा करते हुए 26 लाख रुपये से अधिक की ठगी का पर्दाफाश किया है। आरोपितों के कब्जे से अपराध की कमाई से खरीदी गई महिंद्रा थार रॉक्स, 14 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप और कई डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए हैं।

दक्षिण पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि साइबर थाने के एसएचओ इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक के नेतृत्व में एसआई अमित मलिक, एसआई चंदन राजपूत, हेड कांस्टेबल विक्रम, सुखलाल, मनेंद्र, विजयपाल और कांस्टेबल रवि की टीम ने लंबी तकनीकी जांच की। बैंक खातों, मोबाइल लोकेशन, डिजिटल ट्रेल और ट्रांजेक्शन का विश्लेषण करने के बाद पुलिस टीम जामताड़ा, देवघर और हजारीबाग पहुंची। कई दिनों तक स्थानीय स्तर पर निगरानी और लगातार छापेमारी के बाद गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। सबसे बड़े मामले में साइबर ठगों ने एक वरिष्ठ नागरिक को सीनियर सिटीजन कार्ड बनवाने का झांसा दिया। खुद को बैंक अधिकारी बताकर व्हाट्सएप पर फर्जी कार्ड भेजा और एपीके फाइल डाउनलोड करवाई। जैसे ही पीड़ित ने फाइल इंस्टॉल की, उसका मोबाइल पूरी तरह हैक हो गया। इसके बाद इंटरनेट बैंकिंग और ओटीपी का दुरुपयोग कर 18.50 लाख रुपये अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए निकाल लिए गए। जांच के बाद पुलिस ने जामताड़ा निवासी मंजूर आलम (29) को गिरफ्तार किया। उसके साथ बुलंदशहर निवासी यूसुफ (24) तथा मेरठ के आर्यन (19), रामप्रकाश (19), मनोहर (19) और प्रियदर्शन (20) को भी गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि मंजूर आलम ऑनलाइन बैंकिंग ट्रांजेक्शन संचालित करता था, जबकि उसके साथी म्यूल बैंक खाते उपलब्ध कराकर ठगी की रकम को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कराते थे। पुलिस ने इनके पास से अपराध की रकम से खरीदी गई महिंद्रा थार रॉक्स, छह मोबाइल फोन और डिजिटल साक्ष्य बरामद किए। दूसरे मामले में पीड़ित ने ऑनलाइन क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन किया था। इसके बाद आरोपित ने बैंक अधिकारी बनकर फोन किया और केवाईसी पूरी कराने के नाम पर एपीके फाइल डाउनलोड करवा दी। मोबाइल हैक होने के बाद आरोपी ने खाते से 1,01,998 रुपये निकाल लिए। तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने हजारीबाग से देवघर निवासी रविंद्र कुमार मंडल (25) को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से तीन मोबाइल फोन और एक लैपटॉप बरामद हुआ। जांच में पता चला कि वह फर्जी बैंक अधिकारी बनकर लोगों को एपीके फाइल भेजने वाले रैकेट का सक्रिय सदस्य था। तीसरे मामले में पीड़ित को व्हाट्सएप पर एपीके नाम की फाइल भेजी गई। फाइल डाउनलोड करते ही मोबाइल हैक हो गया और साइबर अपराधियों ने इंटरनेट बैंकिंग और ओटीपी की मदद से 1.09 लाख रुपये निकाल लिए। जांच के बाद देवघर के पथरोल इलाके में छापेमारी कर रामविजय कुमार दास (20) को गिरफ्तार किया गया।

मुख्यमंत्री धामी ने चंपावत को दी 40 करोड़ से अधिक की स्वास्थ्य योजनाओं की सौगात

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को चंपावत में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व और ऐतिहासिक सौगात दी। मुख्यमंत्री ने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के अंतर्गत आईसीआईसीआई फाउंडेशन फॉर इन्क्लूसिव ग्रोथ के सहयोग से लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित अत्याधुनिक एमआरआई मशीन का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ उत्तराखंड ही समर्थ, आत्मनिर्भर और विकसित उत्तराखंड का मुख्य आधार है। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि राज्य में अस्पतालों के निर्माण के साथ उन्हें आधुनिक चिकित्सा उपकरणों, गुणवत्तापूर्ण सेवाओं और प्रशिक्षित मानव संसाधन से सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा एमआरआई मशीन के उद्घाटन से सीमांत क्षेत्र के लाखों लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, समय पर सटीक जांच और उच्च स्तरीय उपचार की सुविधा का लाभ मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इस अनुपम सुविधा का लाभ न केवल चंपावत, बल्कि पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, नैनीताल तथा इसके आसपास के सभी सीमांत क्षेत्रों के नागरिकों को प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने पुरानी कठिनाइयों को याद करते हुए कहा कि अब तक चंपावत सहित आसपास के क्षेत्रों के गंभीर मरीजों को एमआरआई जैसी जटिल जांचों के लिए हल्द्वानी अथवा अन्य बड़े शहरों की ओर जाना पड़ता था, जो गंभीर रोगियों और उनके परिजनों के लिए भारी समय, धन और मानसिक कष्ट का कारण बनता था। अब मस्तिष्क, रीढ़, नसों, जोड़ों, कैंसर और स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों की उच्च स्तरीय जांच स्थानीय स्तर पर ही सुलभ होगी, जिससे समय पर जांच और समय पर उपचार सुनिश्चित होने के साथ-साथ अनेक बहुमूल्य जीवनों को बचाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा चंपावत विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य अवसंरचना को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। जिला चिकित्सालय चंपावत में लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से 50 बेड वाले आधुनिक क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिला चिकित्सालय में ही लगभग 11.71 करोड़ रुपये की लागत से लोअर ग्राउंड फ्लोर में पार्किंग, प्रथम एवं द्वितीय तल पर अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक विंग तथा आधुनिक ऑपरेशन थिएटर का निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है, जिसके पूर्ण होने के बाद जनपद की स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक मजबूत व आधुनिक बनेंगी।अमोड़ी में 2.18 करोड़ रुपये की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्य से स्थानीय लोगों को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्राप्त हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए इंटीग्रेटेड नर्सिंग संस्थान में 470.05 लाख रुपये की लागत से 129 बेड वाले विशाल व आधुनिक छात्रावास का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है, जो प्रदेश में नर्सिंग शिक्षा को एक नई मजबूती प्रदान करेगा। जनपद चंपावत में एक नए पैरामेडिकल कॉलेज की स्थापना की आवश्यक कार्यवाही भी तेजी से बढ़ाई जा रही है, जिससे स्थानीय युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर मिलेंगे और राज्य को दक्ष पैरामेडिकल मानव संसाधन प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि आर्थिक अभाव, कभी भी किसी भी परिवार के उपचार में बाधा नहीं बनेगी। आज आयुष्मान भारत योजना और अटल आयुष्मान उत्तराखंड योजना के माध्यम से प्रदेश के लाखों परिवारों को पूरी तरह से निःशुल्क और कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जा रही है। चंपावत में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में दिख रहा यह युगांतकारी परिवर्तन अंत्योदय सोच का परिणाम है जिसके केंद्र में आम नागरिक का जीवन, उसका स्वास्थ्य और सरकार पर उसका अटूट विश्वास है।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय   कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान   स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे।   फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com   RNI NO - UPHIN/2012/42063